शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 263 | गुवाहाटी | रविवार, 27 अप्रैल, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पीओके में आतंकियों के 42 लॉन्च पैड एक्टिव पेज 2
युवाओं ने प्रयास और नवाचार से देश की अपार संभावनाएं प्रस्तुत की हैं : प्रधानमंत्री पेज 3
जो जिस भाषा में समझेगा, उसी भाषा में जवाब देगा भारत : योगी पेज 5
महिला त्रिकोणीय सीरीज के पहले मुकाबले में श्रीलंका से भिड़ेगा भारत पेज 7

पाकिस्तान समर्थकों को पक्का जेल और *अच्छा ट्रीटमेंट* मिलेगा : सीएम

श्रीभूमि (हि.स.)। सोशल मीडिया पर पाकिस्तान के पक्ष में टिप्पणी करने वालों को सीधे जेल भेजा जाएगा और *अच्छी दवाई एवं ट्रीटमेंट* मिलेगा। यह सख्त चेतावनी असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को श्रीभूमि जिले के नीलामबाजार में एक विशाल भाजपा रैली में दी। वे यहां पंचायत चुनाव प्रचार के सिलसिले में पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने पहलगाम में हुए हिंदुओं के नरसंहार की निंदा करते हुए कहा कि देश के हित में हिंदू-मुस्लिम भेदभाव भुलाकर सभी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थन करना चाहिए। श्रीभूमि जिला भाजपा अध्यक्ष संजीव बनिक के नेतृत्व में आयोजित रैली में डॉ. शर्मा ने कांग्रेस की कड़ी आलोचना करते हुए भाजपा के संकल्प पत्र में ग्राम्य क्षेत्रों के विकास के लिए किए गए वादों को विस्तार से बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 10 मई को उनकी सरकार के चार वर्ष पूरे हो जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि राज्य में जो शांति कायम हुई है, उसकी तुलना कांग्रेस शासनकाल से -शेष पृष्ठ दो पर

पंचायत चुनाव : भाजपा का घोषणापत्र जारी, कनेक्टिविटी, फसल राहत पर दांव

गुवाहाटी। 2 और 7 मई को होने वाले दो चरणों के पंचायत चुनावों से पहले, राज्य भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को अपना चुनाव घोषणापत्र जारी किया, जिसमें ग्रामीण विकास, कृषि सुधार और डिजिटल कनेक्टिविटी पर जोर दिया गया है। गुवाहाटी में आयोजित लॉन्च कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, राज्य भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया, कैबिनेट मंत्री जयंत मल्लबारुआ और गुवाहाटी के सांसद बिजुली कलिता मेधी सहित अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे। पार्टी कार्यकर्ताओं और प्रेस को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि 2016 में सत्ता में आने के बाद से भाजपा ने पंचायती राज व्यवस्था को लगातार मजबूत किया है। शर्मा ने कहा कि इस बार भी हमें मजबूत प्रदर्शन का भरोसा है। संकेत पहले से ही स्पष्ट हैं – हमने 350 से अधिक आंचलिक पंचायत सीटें निर्विरोध हासिल कर ली हैं, और ग्राम पंचायत स्तर पर भी संख्या इतनी ही है। विपक्ष पर सीधा प्रहार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इन चुनावों के बाद कांग्रेस कई क्षेत्रों में राजनीतिक मानचित्र से लगभग समाप्त हो जाएगी। पार्टी के आक्रामक रुख को दोहराते हुए राज्य भाजपा प्रमुख दिलीप सैकिया ने कहा कि पार्टी के लिए हर चुनाव महत्वपूर्ण है, चाहे वह किसी भी स्तर का हो। सैकिया ने कहा कि लोग अक्सर पूछते हैं कि क्या यह 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले क्वार्टर फाइनल या सेमीफाइनल है। मैं यह स्पष्ट कर दूं कि भाजपा के लिए हर चुनाव एक फाइनल है। उन्होंने कहा कि *संकल्प यात्रा* शीर्षक वाला घोषणापत्र व्यापक जमीनी स्तर के शोध का परिणाम है। उन्होंने सेवा के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि हमें 3,000 से ज़्यादा ईमेल और हमारे समर्पित व्हाट्सऐप नंबर पर अनगिनत संदेश मिले। यह उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया दिखाती है कि भाजपा का जमीनी स्तर पर लोगों के साथ कितना गहरा जुड़ाव है। किसान पहले: फसल क्षति मुआवजा, सिंचाई सहायता और तकनीकी प्रोत्साहन घोषणापत्र -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

बराक घाटी के बिना असम का विकास असंभव : मुख्यमंत्री

सिलचर। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा का बराक घाटी में अभियान शनिवार को कछार जिले के हतीचोरा में एक सार्वजनिक बैठक के साथ संपन्न हुआ – श्रीभूमि और हैलाकांदी में रुकने के बाद यह दिन का तीसरा ऐसा कार्यक्रम था। बोरखोला निर्वाचन क्षेत्र के एक खेल के मैदान में एक सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने मतदाताओं को लुभाने के लिए विकास की बातें कहीं और इस बात पर जोर दिया कि बराक घाटी के विकास के बिना असम का विकास नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि आज का असम वास्तव में देश के सर्वोत्तम राज्यों में से एक बनने की ओर अग्रसर है और इस प्रगति में बराक घाटी की महत्वपूर्ण भूमिका है। शर्मा ने बराक और ब्रह्मपुत्र घाटियों के लोगों को एक दूसरे के करीब लाने के अपने दृष्टिकोण को दोहराया और कहा कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयास पहले से ही चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं एकमात्र मुख्यमंत्री हूं जो दोनों घाटियों के लोगों के बीच की दूरी और अंतर – शारीरिक और भावनात्मक दोनों – को कम करने का सपना देख रहा हूं। मेरा मानना है कि हम एक-दूसरे से जितने दूर होंगे, हमारे मन में उतनी ही दूरियां बढ़ेंगी। असम-बंगाली विभाजन पर चर्चा करते हुए उन्होंने एकता के नए युग की शुरुआत के लिए विकास को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य में असमिया-भाषी, बंगाली-भाषी या हिंदी-भाषी समुदायों के -शेष पृष्ठ दो पर

नेहरू की सिंधु जल संधि एक ऐतिहासिक भूल थी : डॉ. शर्मा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर करने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की आलोचना की और इस समझौते को भारत के इतिहास की सबसे बड़ी रणनीतिक भूलों में से एक बताया। असम के सीएम शर्मा ने एक्स को लिखा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा 1960 में सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर करना भारत के इतिहास की सबसे बड़ी रणनीतिक भूलों में से एक है। भारत के प्राकृतिक ऊपरी तटवर्ती लाभ के बावजूद, नेहरू ने तत्कालीन अमेरिकी प्रशासन और विश्व बैंक के भारी दबाव में, सिंधु बेसिन के 80 प्रतिशत से अधिक पानी को पाकिस्तान को सौंप दिया – जिससे शक्तिशाली सिंधु, झेलम और चिनाब नदियों पर पूरा नियंत्रण मिल गया, जबकि भारत को छोटी पूर्वी नदियों (रावी, ब्यास, सतलुज) तक सीमित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि इस संधि के परिणामस्वरूप, पाकिस्तान को -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

आग सिर में स्थापित करने पर भी जलाती है। अर्थात दुष्ट व्यक्ति का कितना भी सम्मान कर लें, वह सदा दु:ख ही देता है।
– **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

हर पाकिस्तानी को बिहार से वापस जाना पड़ेगा : सम्राट चौधरी

पटना (हि.स.)। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 26 हिंदू पर्यटकों की हत्या के बाद भारत सरकार ने आतंकवाद प्रायोजित करने वाले पाकिस्तान के नागरिकों का वीजा रद्द करने का जो फैसला लिया है, वह बिहार में भी पूरी -शेष पृष्ठ दो पर

उत्तराखंड में अब तक 180 अवैध मदरसे सील

देहरादून (हि.स.)। उत्तराखंड की धामी सरकार का प्रदेशभर में अवैध रूप से संचालित मदरसों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में शनिवार को रुड़की के भगवानपुर थाना क्षेत्र में प्रशासन ने तीन अवैध मदरसों को सील कर दिया। प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार अवैध मदरसों के खिलाफ राज्यभर में सघन अभियान चलाया जा रहा है। भगवानपुर क्षेत्र में पहले भी कई अवैध मदरसों -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली के महत्वपूर्ण मार्ग का नाम बोडोफा उपेंद्रनाथ ब्रह्म के नाम पर

नई दिल्ली/गुवाहाटी (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस वर्ष ऑल बोडो स्टूडेंट यूनियन (आब्सू) के अधिवेशन मेंदिल्ली में बोडोफा उपेंद्रनाथ ब्रह्म के नाम पर सड़क का नामकरण करने का वादा किया था। अब उसी वादे को पूरा करते हुएदिल्ली नगर निगम ने कैलाश कॉलोनी क्षेत्र के एक प्रमुख मार्ग का नाम *बोडोफा उपेंद्रनाथ ब्रह्म मार्ग* रखने की अधिसूचना जारी कर दी है। इस निर्णय से बोडोलैंड क्षेत्र में खुशी की -शेष पृष्ठ दो पर

पहलगाम हमले के बाद सरकार ने चैनलों को दिए निर्देश, कहा-

सेना की गतिविधियों का सीधा प्रसारण न करे मीडिया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शनिवार को देश के मीडिया चैनलों से रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की आवाजाही का सीधा प्रसारण करने से बचने की सलाह दी है और कहा कि इस तरह की रिपोर्टिंग से जाने-अनजाने में दुश्मनों को मदद मिल सकती है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने सभी मीडिया चैनलों को राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की आवाजाही का सीधा प्रसारण न करने की सलाह जारी की है। मंत्रालय की तरफ से जारी सलाह में कहा गया -शेष पृष्ठ दो पर

गुजरात में अवैध अप्रवासियों पर बड़ी कार्रवाई, हजारों बांग्लादेशी हिरासत में

अहमदाबाद। पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार के निर्देश पर अवैध अप्रवासियों पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। गुजरात में एक हजार से अधिक बांग्लादेशी अवैध अप्रवासियों को हिरासत में लिया गया है। राज्य के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने बताया कि सूरत और अहमदाबाद में तलाशी अभियान के दौरान अवैध अप्रवासियों को हिरासत में लिया गया। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। इनके प्रत्यर्पण के प्रयास जारी हैं। गृह मंत्री ने इसे गुजरात पुलिस की सबसे बड़ी कार्रवाई बताते हुए कहा कि अहमदाबाद में कम से कम 890 तथा सूरत में 134 अवैध बांग्लादेशी अप्रवासियों को हिरासत में लिया गया। उन्होंने अवैध अप्रवासियों को चेतावनी दी कि वे अपनी इच्छा से पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दें अन्यथा उन्हें पकड़ लिया जाएगा और निर्वासित कर दिया जाएगा। उन्होंने अप्रवासियों को आश्रय देने वाले लोगों को भी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी। सांघवी ने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

पहलगाम : युवती ने किया पोस्ट, मिली दुष्कर्म की धमकी

कोलकाता। पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में पोस्ट करने पर बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के अशोकनगर की रहने वाली एक युवती को दुष्कर्म की धमकी दी गई है। पीड़िता ने खुद फेसबुक पर लाइव आकर रोते-रोते इसकी जानकारी दी। खबर मिलने स्थानीय थाने की पुलिस युवती के घर गई और घटना की जानकारी ली। भाजपा विधायक व बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने भी फोन पर पीड़िता से -शेष पृष्ठ दो पर

नूंह में भीषण सड़क हादसा, छह महिलाओं सहित सात की मौत

नूंह (हि.स.)। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर थाना फिरोजपुर झिरका सीमा के अंतर्गत गांव इब्राहीम बास गांव के पास शनिवार की सुबह एक बेकाबू पिकअप वाहन ने सफाई कर्मचारियों को कुचल दिया। इस दुर्घटना में सात लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में छह महिलाएं और एक पुरूष है। इनमें चार महिलाएं एक ही परिवार की हैं। बताया जा रहा है कि इब्राहिम बास गांव के पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर सफाई का काम चल रहा है। गांव खेड़ली कलां के लोगों को सफाई के लिए ठेकेदार ने लगाया है। शनिवार को सुबह करीब 10 बजे पिकअप से 11 लोग सफाई करने के लिए आए थे। जब ये लोग अभी पिकअप वाहन से उतरे ही थे, तभी गुरुग्राम की ओर से तेजी से आई पिकअप वाहन ने इन लोगों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सफाई करने आए लोगों के शव इधर-उधर बिखर गए। कई शव दो टुकड़ों में बंट गए। इस दुर्घटना में छह महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई और एक व्यक्ति और चार महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गई। -शेष पृष्ठ दो पर

लंदन दूतावास में पाकिस्तानी कर्नल की शर्मनाक करतूत

सरेआम भारतीयों का गला काटने का किया इशारा

लंदन। ब्रिटेन की राजधानी लंदन की सड़कों पर पाकिस्तान की नापाक हरकतें एक बार फिर सामने आ गईं। कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे भारतीयों को, लंदन स्थित पाकिस्तानी दूतावास की बालकनी से एक पाक अधिकारी ने गला रेतने की धमकी दी। यह शर्मनाक इशारा पाकिस्तानी सेना के कर्नल तैमूर राहत ने किया, जिसने यह दिखा दिया कि आतंकवाद पाकिस्तान की नीतियों का ही हिस्सा है। भारतीय छात्रों और प्रवासियों ने जब 26 मासूम लोगों की हत्या के खिलाफ पाक मिशन के बाहर विरोध जताया, तो पाक अधिकारी ने न केवल सिर काटने का इशारा किया। -शेष पृष्ठ दो पर

रोजगार मेला : पीएम मोदी ने 51 हजार युवाओं को सौंपें नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को रोजगार मेले के तहत वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए विभिन्न सरकारी विभागों एवं संस्थानों में 51 हजार से अधिक नवनियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटे। उन्होंने इस कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को संबोधित भी किया। रोजगार सृजन को उच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता के तहत 15वां रोजगार मेला देशभर में 47 जगहों पर आयोजित किया गया। इससे युवाओं को सशक्त बनाने के लिए सार्थक अवसर उपलब्ध होंगे और वे राष्ट्रीय विकास में प्रभावी योगदान देने में सक्षम होंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में 51 हजार से अधिक युवाओं को पक्की सरकारी नौकरी के पत्र दिए गए हैं। आज भारत सरकार के अलग अलग विभागों में आप युवाओं के नए दायित्वों की शुरूआत हुई है। आपका दायित्व देश के आर्थिक तंत्र को मजबूत करना है, आपका दायित्व देश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करना है, आपका दायित्व देश में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण का है, आपका दायित्व श्रमिकों के जीवन में मूलभूत बदलाव लाने का है। उन्होंने कहा -शेष पृष्ठ दो पर

हिंदू-मुस्लिम एक नहीं हो सकते...

एकबार फिर पाक आर्मी चीफ ने उगला जहर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने शनिवार को एक बार फिर जहर उगला है। मुनीर ने दो राष्ट्र सिद्धांत की वकालत करते हुए कहा कि हिंदू और मुसलमान दो अलग-अलग राष्ट्र हैं। शनिवार को मुनीर खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के काकुल इलाके में पाकिस्तान मिलिट्री अकादमी (पीएमए) में कैडेटों की पासिंग आउट परेड को संबोधित कर रहे थे। अपने विवादित बयानों के लिए कुख्यात मुनीर ने कहा कि उनके पूर्वजों का मानना था कि हिंदू और मुसलमान जीवन के हर संभव पहलू में अलग हैं। बता दें कि करीब एक हफ्ते पहले भी एक कार्यक्रम में बोलते हुए मुनीर ने विदेश में रहने वाले पाकिस्तानियों से -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पीओके में आतंकियों के 42 लॉन्च पैड एक्टिव

ध्वस्त करने के लिए भारतीय सेना ने बनाया प्लान

नई दिल्ली। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव है। भारतीय सेना पूरी तरह एक्शन मोड में है और जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है। बीते छह महीनों में सीमा पर घुसपैठ की करीब 45 कोशिशों को नाकाम किया गया है। पिछले साल भी सेना ने एलओसी पर घुसपैठ की 10 कोशिशों को नाकाम कर 25 आतंकवादियों को ढेर किया था। एलओसी के पार, पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में इस वक्त करीब 42 लॉन्च पैड सक्रिय हैं, जिनमें अनुमानतः 110 से 130 आतंकवादी छिपे हुए हैं। सूत्रों का कहना है कि इन लॉन्च पैडों में कश्मीर में 35-40 लॉन्च पैड हैं। वहीं बाकी राजौरी, जम्मू और पुंछ जैसे इलाकों में मौजूद हैं। जम्मू-कश्मीर में इस समय 125 से 130 आतंकवादी एक्टिव बताए जा रहे हैं। इनमें से 70-75 आतंकी कश्मीर घाटी में सक्रिय हैं, तो 60-65 आतंकवादी जम्मू, राजौरी और पुंछ के इलाकों में एक्टिव बताए जा रहे हैं। जम्मू कश्मीर में साल 2022 में 107 आतंकवादी घटनाओं को अंजाम दिया गया। इनमें 186 आतंकवादी को मार गिराया गया। वहीं, साल 2023 में 27 आतंकवादी घटनाएं घटी हैं इनमें 76 आतंकी को ढेर किया गया। साल 2024 में अब तक 26 घटनाएं दर्ज हुई हैं। मार्च तक सिर्फ 3 हमले हुए। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारतीय सुरक्षा बलों और सेना ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में स्थित आतंकी लॉन्च पैड और ट्रेनिंग सेंटर को ध्वस्त करने की प्लानिंग बना रही है। हाल में पहलगाम में आतंकी हमले में कुल 26 निहत्थे नागरिकों को भून डाला गया था। खुफिया एजेंसी का कहना है कि इस हमले में पाकिस्तान की मदद के सबूत मिले हैं। खुफिया एजेंसियों का कहना है कि पाकिस्तानी सेना की ओर से इन घुसपैठों को बढ़ावा दिया जा रहा है। सूत्रों का दावा है कि इस असफल घुसपैठ के प्रयास के दौरान 642 मुजाहिद बटालियन को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इसके अलावा, हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम), जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) और लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के कुल 60 विदेशी आतंकवादी जम्मू-कश्मीर में सक्रिय हैं। इस साल, पाकिस्तानी सेना की ओर से बार-बार संघर्ष विराम का उल्लंघन किया जा रहा है, केवल जम्मू-कश्मीर में इस साल तीन बार संघर्ष विराम का पाकिस्तान ने उल्लंघन किया है। इस दौरान भारतीय सेना के साथ मुठभेड़ में पांच आतंकवादी मारे गए। जम्मू और कश्मीर के नौ जिलों में जहां विदेशी आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी, बारामुल्ला आतंकवादी हताहतों की सूची में सबसे ऊपर है, जहां नौ मुठभेड़ों में 14 गैर-स्थानीय आतंकवादी मारे गए हैं। उनमें से ज्यादातर उरी सेक्टर के सबुरा नाला इलाके, मेन उरी सेक्टर, एलओसी के पास कमालकोट उरी और सोपोर के चक टप्पर क्रिरी, नौपोरा, हादीपोरा, सागीपोरा, वाटरगाम और राजपोर इलाकों के अंदरूनी इलाकों में मारे गए।

हिन्दू समाज अपने धर्म के मूल्यों को समझे : मोहन भागवत

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का कहना है कि हिन्दू समाज ही पहले हिन्दू धर्म को ठीक से समझेद्य हिन्दू मेनिफेस्टो नामक एक पुस्तक का लोकार्पण करते हुए उन्होंने एक बार फिर दोहराया की राजा का धर्म है कि वह अपने समाज और उसके नागरिकों की रक्षा करेंद्य उन्होंने कहा कि विश्व में अनेक प्रकार की सभ्यताएं दोराहे पर खड़ी हैं और भविष्य का मार्ग ढूंढ रही हैं। यह मार्ग भारत ही उन्हें दिखा सकता है लेकिन उससे पहले भारत को स्वयं पूर्ण दृष्टि वाला समर्थ और सबल भारत बनकर खड़ा होना होगा आईआईटी खड़गपुर के स्नातक और संन्यासी स्वामी विज्ञानानंद की शोध पूर्ण और काल सुसंगत पुस्तक द हिंदू मेनिफेस्टो की प्रशंसा करते हुए डॉ. भागवत ने कहा कि यह पुस्तक एक विमर्श पैदा करेगी, भविष्य के लिए एक मार्ग प्रशस्त करेगी द्य हिन्दू धर्म की बौद्धिक संपदा और उसकी वैश्विक दृष्टि को लोगों के बीच तक पहुंचाने का काम करेगी। लोकार्पण समारोह का आयोजन प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय परिसर में किया गया। डॉ. भागवत ने कहा कि सनातन हिन्दू समाज की दृष्टि को लोगों तक पहुंचाना यह समय की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि यह बात ठीक है कि हमने कभी किसी पर आक्रमण नहीं किया और हमारी अहिंसा लोगों की सोच को बदलने के लिए है, पर जब कोई सोच नहीं बदलता है तो उसको दंडित करना भी धर्म ही होता है द्य हमने राम रावण युद्ध में इसे देखा है। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ योगेश कुमार ने हिन्दू चिंतन को विश्व का सर्वश्रेष्ठ चिंतन बताते हुए कहा कि वसुधैव कुटुंबकम का भाव इसी दृष्टिकोण में से निकला है। स्वामी विज्ञानानंद ने हिंदी अंग्रेजी और संस्कृत के धारा प्रभाव भाषण में पुस्तक में जो सामग्री संकलित की गई है इसका संक्षिप्त विवरण दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने वेदों उपनिषदों आदि के माध्यम से यह स्पष्ट सिद्ध किया है की समृद्धि, राष्ट्रीय सुरक्षा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, जिम्मेदार लोकतंत्र, महिलाओं के प्रति सम्मान, सामाजिक सद्भाव, प्रकृति की पवित्रता और मातृभूमि के प्रति सम्मान इन आठ मार्गदर्शन सिद्धांतों पर चलकर भारत एक बार फिर विश्व गुरु बन सकता हैद्य उन्होंने कहा कि मैंने पूरी जिम्मेदारी के साथ शोध किया है और उसके संदर्भ भी दिए हैं द्यइस अवसर पर नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय बाल्मीकि मंदिर के प्रमुख स्वामी कृष्ण शाही विद्यार्थी जी महाराज ने आशीर्वचन दिया।

चोर को पकड़ने में बशिष्ठ पुलिस ने दिखाई तत्परता

गुवाहाटी (हिंस)। बशिष्ठ पुलिस ने चोरी की एक शिकायत मिलने के महज 24 घंटे के भीतर कुख्यात चोर को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पकड़े गए आरोपी की पहचान दीपज्योति कलिता उर्फ बाबू (19) के रूप में हुई है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने एक सर्च ऑपरेशन चलाया। यह अभियान महीबुल इस्लाम (55) के किराना दुकान में चलाया गया। तलाशी के दौरान दुकान से कुछ चोरी के सामान बरामद किए गए और महीबुल इस्लाम को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

पूसीरे सीसीटीवी निगरानी के साथ समपार फाटकों पर यात्री सुरक्षा बढ़ाई

गुवाहाटी (हिंस)। मानवीय भूल को कम करने, क्रॉसिंग पर होने वाली घटनाओं को न्यूनतम करने तथा सुरक्षित, निर्बाध रेल यातायात सुनिश्चित करने के लिए पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) की व्यापक रणनीति तैयार है। प्रमुख चौराहों पर सीसीटीवी कवरेज सतर्कता को बढ़ाता है, आपातकालीन प्रतिक्रियाओं को गति देता है तथा डेटा आधारित सुरक्षा प्रबंधन को सहयोग करता है। इसके अतिरिक्त, कटिहार, अलीपुरद्वार, लामडिंग तथा तिनसुकिया मंडलों में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) पोस्ट पर 09 इंटरनेट प्रोटोकॉल आधारित सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसके अलावा, अलीपुरद्वार मंडल के हासीमारा-कालचीनी सेक्शन में आईबीएस (इंटरमीडिएट ब्लॉक सिग्नलिंग) हट्स पर 06 कैमरे लगाए गए हैं, ताकि दूरस्थ सिग्नलिंग स्थानों पर निगरानी को सुदृढ़ किया जा सके। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि अपने बुनियादी संरचनाओं के आधुनिकीकरण कार्यों के हिस्से के रूप में पूसीरे ने अपने सभी मंडलों में महत्वपूर्ण एलसी फाटकों पर इंटरलॉकिंग सिस्टम लागू किया है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि फाटक पूरी तरह से ट्रेन के आवागमन के साथ समन्वयित हैं। यह प्रणाली बैरियर को आने वाली ट्रेनों के साथ प्रत्यक्ष समन्वय में संचालित करने की अनुमति देती है, जिससे सुचारू और सुरक्षित क्रॉसिंग की गारंटी मिलती है।

ईरान में भीषण धमाका, चार की मौत, 500 से ज्यादा घायल

तेहरान। ईरान के बंदर अब्बास शहर में शनिवार को भीषण विस्फोट के बाद आग लग गई। ये जानकारी सरकारी समाचार एजेंसी ने दी है। जानकारी के मुताबिक, अभी तक इस धमाके में चार लोगों की मौत और 500 से ज्या लोगों के घायल होने की सूचना है। जिसके बाद सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह विस्फोट बंदर अब्बास शहर के रजई बंदरगाह पर हुआ है। वहीं इस घटना के कई वीडियो सोशल मीडिया वायरल हो रहे हैं, जिसमें धमाके के बाद काले धुएं का विशाल गुबार देखा जा सकता है। जबकि इस मामले में अधिकारियों ने विस्फोट का तत्काल कोई कारण नहीं बताया। बता दें कि, रजई बंदरगाह ईरान के बंदरगाहों में से एक है। मामले में ईरान के सीमा शुल्क प्राधिकरण ने एक बयान में कहा कि शनिवार का विस्फोट सिना कंटेनर यार्ड में हुआ, जो बंदरगाह और समुद्री संगठन से जुड़ा हुआ है। वहीं ईरानी सरकारी टेलीविजन ने कहा कि प्रारंभिक रिपोर्ट में घटनास्थल पर ज्वलनशील पदार्थों के भंडारण में लापरवाही की बात सामने आ रही है। रजई बंदरगाह पर हुए इस भीषण धमाके के कारण कई किलोमीटर दूर तक घरों की खिड़कियों के शीशे टूट गए और घरों-ऑफिसों को काफी नुकसान पहुंचा है। जानकारी के मुताबिक ये धमाका दोपहर के 12 बजे हुआ है।

पृष्ठ एक का शेष

पाकिस्तान समर्थकों को ...

नहीं की जा सकती। कांग्रेस के दौर में *सूता और कम्बल* वाली राजनीति होती थी, आज विकास की राजनीति हो रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अब कांग्रेस का चुनाव चिन्ह *लुंगी* होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में कोकराझाड़, ग्वालपाड़ा सहित कई जिलों में मुस्लिमों का कत्लेआम हुआ था, जबकि आज असम में शांति है। आगे वादों का जिक्र करते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार ने 25 हजार करोड़ रुपए की लागत से गुवाहाटी से बारापानी, बारापानी से पाथरग्राम तक सड़क परियोजना शुरू की है, जिससे यात्रा केवल चार घंटे में पूरी होगी। रामकृष्णनगर मेडिकल कॉलेज अस्पताल का निर्माण कार्य जल्द पूरा होगा और हैलाकांदी में एक नया मेडिकल कॉलेज बनेगा। बराक घाटी के तीनों जिलों में मेडिकल कॉलेज और अस्पताल खोले जाएंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी ऐलान किया कि हर विधानसभा क्षेत्र में 22 हजार अरुणोदय लाभार्थियों की संख्या बढ़ाकर 40 हजार की जाएगी, ताकि कोई गरीब वंचित न रहे। डॉ. शर्मा ने कहा कि जून महीने में वे फिर श्रीभूमि आएंगे और स्वयंसेवी समूह की महिलाओं को 10-10 हजार रुपए के चेक अपने हाथों से वितरित करेंगे। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके कार्यकाल में राशन कार्ड का कोई मूल्य नहीं था, जबकि अब राशन कार्ड से न केवल मुफ्त राशन, बल्कि पांच लाख रुपए तक का बीमा भी मिलता है। कॉलेज में दाखिले के लिए अब पंचायत सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं होगी, राशन कार्ड ही काफी होगा। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि 01 अक्तूबर से चावल, दाल, नमक आदि बाजार मूल्य से 30 रुपए सस्ता मिलेगा। रसोई गैस सिलेंडर 987 रुपए में मिलेगा, जबकि उज्ज्वला योजना के तहत सिलेंडर की कीमत 550 रुपए होगी। इसके अलावा सामान्य गैस सिलेंडर 600 रुपए और उज्ज्वला सिलेंडर 250 रुपए में मिलेगा। साथ ही ट्यूटर, आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं तथा मिड-डे मील कर्मचारियों के मानदेय में भी वृद्धि की जाएगी।

पंचायत चुनाव : भाजपा का ...

या संकल्प पत्र में 15 प्रमुख प्रतिज्ञाओं की रूपरेखा दी गई है, जिसमें किसानों और ग्रामीण आजीविका पर विशेष ध्यान दिया गया है। एक प्रमुख वादा मुआवजे के नियमों में महत्वपूर्ण सुधार का है - अगर भाजपा सत्ता में आती है, तो वह प्राकृतिक आपदाओं के कारण किसानों की सिर्फ 33 प्रतिशत फसल बर्बाद होने पर भी उन्हें वित्तीय राहत देगी। मुआवजे के लिए मौजूदा सीमा 60 प्रतिशत है। छोटे पैमाने के किसानों और डेयरी किसानों को और अधिक सहायता देने के लिए, पार्टी ने हाट बाजारों के लिए कर माफ करने तथा उत्पादन और सिंचाई को बढ़ावा देने के लिए उन्नत बीज, उर्वरक और सौर ऊर्जा चालित पंप शुरू करने का प्रस्ताव दिया है। घोषणापत्र में गांवों में छोटे बांध बनाने और मशीनीकरण में सहायता के लिए प्रत्येक गांव को ट्रैक्टर उपलब्ध कराने की योजना भी शामिल है। तकनीक, कल्याण और बुनियादी ढांचा डिजिटल बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देते हुए भाजपा ने प्रत्येक ग्राम पंचायत में हाई-स्पीड ऑप्टिकल फाइबर इंटरनेट का वादा किया है - इस कदम से दूरदराज के क्षेत्रों में सेवाओं और ऑनलाइन प्लेटफार्मों तक पहुंच को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। घोषणापत्र में प्रत्येक गांव में एक आधुनिक, अच्छी तरह से सुसज्जित श्मशान घाट बनाने का भी वादा किया गया है, तथा मौजूदा कल्याणकारी योजनाओं जैसे संतुष्ट मैना, मिशन वसुंधरा, महिला उद्यमिता योजना, बीपीएल परिवारों के लिए राशन कार्ड और युवाओं के लिए उद्यमिता समर्थन के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई है। जैसे-जैसे मतदान की तारीखें नजदीक आ रही हैं, भाजपा को उम्मीद है कि निरंतरता के साथ-साथ आक्रामक पहुंच और लक्षित ग्रामीण कल्याण के प्रयासों से राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में उसका प्रभुत्व और मजबूत होगा - जिसकी शुरुआत जमीनी स्तर से होगी।

बराक घाटी के बिना...

बीच संघर्ष अतीत की बात हो गई है। आज, यह एक अलग असम है - एक प्रगतिशील असम। क्षेत्र के लिए आगामी महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को सूचीबद्ध करते हुए, शर्मा ने 25,000 करोड़ रुपए की लागत वाली बारापानी-पंचग्राम हाई-स्पीड सड़क, सिलचर-सौराष्ट्र महासड़क और मधुराघाट पर 90 करोड़ रुपए के पुल सहित अन्य परियोजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एक बार सड़क नेटवर्क परियोजना पूरी हो जाने पर दक्षिणी असम के निवासी आसानी से राज्य की राजधानी तक पहुंच सकेंगे, ठीक उसी तरह जैसे असम के बाकी हिस्से के लोग बराक घाटी तक आराम से यात्रा कर सकेंगे। मुख्यमंत्री ने आगामी पंचायत चुनावों में भाजपा और उसके सहयोगी असम गण परिषद द्वारा उतारे गए उम्मीदवारों के लिए भी लोगों से समर्थन मांगा।

नेहरू की सिंधु जल...

प्रतिवर्ष 135 मिलियन एकड़ फीट (एमएएफ) पानी प्राप्त हुआ, जबकि भारत के पास केवल 33 एमएएफ पानी बचा। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे भी बुरी बात यह है कि पश्चिमी नदियों पर भारत के अधिकार केवल छोटी सिंचाई और बिना किसी सार्थक भंडारण के रन-ऑफ-द-रिवर हाइड्रो परियोजनाओं तक सीमित थे, जिससे पंजाब, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर की पानी की जरूरतें हमेशा के लिए खत्म हो गईं। अंतर्राष्ट्रीय स्वीकृति के लिए नेहरू का गलत जुनून भारत के दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों की कीमत पर आया, जिससे भारत की अपनी जमीन पर रणनीतिक और कृषि शक्ति कमजोर हो गई। सिंधु जल संधि को निलंबित करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फैसले की सराहना करते हुए सीएम शर्मा ने लिखा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अन्याय पर ऐतिहासिक प्रहार किया है। संधि से भारत के हटने की पहल करके मोदी ने अपनी नदियों पर भारत के संप्रभु अधिकारों को पुनः प्राप्त किया है, जिससे यह स्पष्ट संदेश गया है कि भारत अब आतंक और शत्रुता को तुष्टिकरण से पुरस्कृत नहीं करेगा। इस निर्णय को एक *साहसिक कदम* बताते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि यह पाकिस्तान की नाजुक अर्थव्यवस्था पर प्रहार है, जहां 75 प्रतिशत से अधिक कृषि सिंधु जल पर निर्भर है।

दिल्ली के महत्वपूर्ण ...

लहर दौड़ गई है। उल्लेखनीय है कि उपेंद्रनाथ ब्रह्म को *बोडोफा* की उपाधि दी गई थी और उन्होंने बोडो समुदाय और बोडोलैंड आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। दिल्ली में सड़क का यह नामकरण उत्तर-पूर्व भारत के लोगों के लिए गर्व का विषय माना जा रहा है।

सेना की गतिविधियों ...

है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में, सभी मीडिया प्लेटफॉर्म, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे रक्षा और अन्य सुरक्षा-संबंधी अभियानों से संबंधित मामलों पर रिपोर्टिंग करते समय अत्यधिक जिम्मेदारी का बरतें और मौजूदा कानूनों और विनियमों का सख्ती से पालन करें। सलाह में कहा गया कि रक्षा अभियानों या सुरक्षा बलों की गतिविधियों से जुड़ी कोई भी कवरेज, दृश्य प्रसारण या स्रोतों से प्राप्त जानकारी आधारित रिपोर्टिंग नहीं की जानी चाहिए। मंत्रालय ने यह भी कहा कि संवेदनशील जानकारी का समय से पहले खुलासा दुश्मनों की मदद कर सकता है और इससे ऑपरेशनल प्रभावशीलता और सुरक्षा कर्मियों की जान को खतरा हो सकता है। इस दौरान मंत्रालय के सलाह में 1999 के कारगिल युद्ध, 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले और कंधार हाइजैकिंग जैसे घटनाओं का जिक्र किया गया, जब अविचारपूर्ण कवरेज के कारण राष्ट्रीय हितों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा।

गुजरात में अवैध अप्रवासियों ...

अप्रवासियों ने गुजरात आने से पहले भारत के विभिन्न हिस्सों में रहने के लिए पश्चिम बंगाल से प्राप्त फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल किया। इनमें से कई लोग मादक पदार्थ तस्करी और मानव तस्करी में संलिप्त हैं। हाल ही में गिरफ्तार किए गए चार बांग्लादेशियों में से दो अलकायदा के स्लीपर सेल में काम करते थे। इन बांग्लादेशियों की पृष्ठभूमि और गुजरात में उनकी गतिविधियों की जांच की जाएगी। इनके निर्वासन की सभी प्रक्रियाएं यथाशीघ्र पूरी करने के लिए व्यवस्था की गई है। गृह मंत्री ने कहा कि हम उन फर्जी दस्तावेजों की भी जांच करेंगे जिनका इस्तेमाल उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों और गुजरात तक पहुंचने के लिए किया और फर्जी दस्तावेज बनाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पुलिस को गुजरात भर में अवैध अप्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं और सुरक्षा पर कैबिनेट समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार पाकिस्तानी नागरिकों को गुजरात छोड़ने का स्पष्ट आदेश दिया गया है। मंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल को इस बात का सबूत दिया जाएगा कि बंदियों ने राज्य में कैसे फर्जी दस्तावेज बनवाए? गुजरात के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) विकास सहाय ने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ की जा रही है तथा दस्तावेजी और अन्य साक्ष्यों के आधार पर उनकी राष्ट्रीयता का पता लगाया जा रहा है। जब यह तय हो जाएगा कि वे बांग्लादेशी नागरिक हैं, तो केंद्र सरकार और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के समन्वय से उनके निर्वासन की प्रक्रिया यथाशीघ्र पूरी की जाएगी। बता दें कि केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तानियों को जारी सभी वीजा रद्द कर दिए हैं। इसी नीति के आधार पर पाकिस्तान के लोगों को देश छोड़ने को कहा गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी सभी राज्यों को निर्देश दिए हैं कि पाकिस्तान के लोगों की पहचान कर उन्हें देश से निकालने के लिए जरूरी कार्रवाई की जाए। अगर कोई पाकिस्तानी नागरिक सरकार के निर्देशों का उल्लंघन करते हुए निर्धारित समय से अधिक समय भारत में रुकता है तो उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

पहलगाम : युवती ने ...

बात की। प्राथमिक जांच में पता चला है कि दो फर्जी फेसबुक अकाउंट से धमकी दी गई है। धमकी देने वालों ने युवती के पोस्ट को धार्मिक विद्वेष फैलाने वाला बताया है। वहीं, पीड़िता ने कहा कि पहलगाम में जिस तरह से हिंदू पर्यटकों को चुन-चुनकर उनकी हत्या की गई, वह बेहद निंदनीय है। उसी का विरोध करते हुए उन्होंने पोस्ट किया था। अधिकांश लोगों ने उनके पोस्ट का समर्थन किया है। दूसरी तरफ कोलकाता की संस्था भवानीपुर गुजराती एजुकेशन सोसाइटी ने आतंकी हमले में मारे गए बंगाल के तीन लोगों की संतानों की शिक्षा के लिए 10-10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता की घोषणा की है। मालूम हो कि मरने वालों में से दो कोलकाता व एक पुरुलिया जिले के झालदा के रहने वाले थे।

नूंह में भीषण सड़क ...

घायल एक व्यक्ति ने इलाज के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया। अभी भी दो महिलाओं की हालात गंभीर बनी हुई है। मरने वाली महिलाओं में चार महिलाएं एक ही परिवार की है। हादसा होने के बाद पिकअप गाड़ी का चालक फरार हो गया। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान खेड़ली कलां गांव की रहने वाली 30 वर्षीय रचना, 30 वर्षीय पिस्ता, 60 वर्षीय रेशम, 30 वर्षीय सतवंती, 50 वर्षीय जयदेई, 65 वर्षीय प्रेम और झिमरावट निवासी 50 वर्षीय आशु के रूप में हुई है। इसके अलावा गांव रिंगड़ निवासी अनिता, लच्छन और हेमलता गंभीर रूप से घायल हुई हैं। चौथी घायल महिला की अभी पहचान नहीं हो पाई है। घटना के संबंध में नूंह के उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि पीड़ित परिवारों की आर्थिक मदद की जाएगी और घायलों का उचित इलाज कराया जाएगा। एसपी राजेश कुमार ने कहा कि आरोपित ड्राइवर की जल्द ही पहचान कर उसे गिरफ्तार किया जाएगा और सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पिकअप गाड़ी को अपने कब्जे में ले लिया और शवों को अल आफिया अस्पताल मांडीखेड़ा में रखवा दिया है।

सरेआम भारतीयों का...

पाकिस्तानी सेना के रक्षा अताशे कर्नल तैमूर राहत, जो लंदन स्थित पाकिस्तानी मिशन में तैनात हैं, ने दूतावास की बालकनी से भारतीय प्रदर्शनकारियों की ओर सिर काटने का इशारा किया ही नहीं किया बल्कि उन्होंने भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान की तस्वीर भी दिखाई, जिस पर *चाय इज फेंटसिक* लिखा हुआ था। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भारतीय छात्रों ने रिकॉर्ड कर लिया है, जिसमें पाक अधिकारी का व्यवहार साफ नजर आता है। प्रदर्शन कर रहे छात्रों में से एक, तेजस भारद्वाज ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि कर्नल राहत ने जानबूझकर उत्तेजक हरकत की, लेकिन भारतीय प्रदर्शनकारी शांत रहे और विरोध जारी रखा। पाक अधिकारी द्वारा अभिनंदन की तस्वीर दिखाना यह दर्शाता है कि पाकिस्तान अब भी 2019 की बालाकोट एयरस्ट्राइक की घटना को लेकर बौखलाया हुआ है। गौरतलब है कि विंग कमांडर अभिनंदन ने पाकिस्तानी विमान को मार गिराया था, और पाक की गिरफ्त में आने के बाद भारत के दबाव में उन्हें रिहा करना पड़ा था। उनकी वीरता के लिए भारत सरकार ने उन्हें वीर चक्र से सम्मानित किया था। ब्रिटेन जैसे लोकतांत्रिक देश में एक विदेशी मिशन के अधिकारी द्वारा इस प्रकार की धमकी और इशारा करना न केवल कूटनीतिक मर्यादाओं का उल्लंघन है, बल्कि यह साफ दर्शाता है कि आतंक का समर्थन पाकिस्तान की सरकारी सोच में गहराई तक समाया हुआ है। भारत सरकार से उम्मीद जताई जा रही है कि वह इस घटनाक्रम पर कड़ा रुख अपनाएगी और ब्रिटेन सरकार से औपचारिक शिकायत कर इस मामले में कार्रवाई की मांग करेगी। बता दें बीते मंगलवार को पहलगाम के बैसारन क्षेत्र में हुए आतंकी हमले में 26 निर्दोष लोग मारे गए थे, जिनमें कई पर्यटक शामिल थे। इस हमले के खिलाफ दुनिया भर में बसे भारतीय विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। लंदन में हुआ यह प्रदर्शन भी उसी कड़ी का हिस्सा था।

रोजगार मेला : पीएम मोदी ...

कि जब युवा राष्ट्र के निर्माण में भागीदार होते हैं, तो राष्ट्र तेज विकास भी करता है और विश्व में अपनी पहचान भी बनाता है। भारत का युवा आज अपने परिश्रम और इनोवेशन से दुनिया को ये दिखा रहा है कि हममें कितना सामर्थ्य है। हमारी सरकार हर कदम पर ये सुनिश्चित कर रही है कि देश के युवाओं के लिए रोजगार-स्वरोजगार के अवसर बढ़ें। पीएम मोदी ने कहा कि इस बजट में सरकार ने मैन्युफैक्चरिंग मिशन की घोषणा की है। इसका उद्देश्य है- मेक इन इंडिया को बढ़ावा देना और भारत के युवाओं को ग्लोबल स्टैंडर्ड वाले प्रॉडक्ट बनाने का मौका देना। इससे ना केवल देश की लाखों एमएसएमईएस को...हमारे लघु उद्यमियों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि पूरे देश में रोजगार के नए अवसर भी खुलेंगे। उन्होंने कहा कि आज का ये समय भारत के युवाओं के लिए अभूतपूर्व अवसरों का समय है। हाल ही में आईएमएफ ने कहा है कि भारत, दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। देश में युवाओं के लिए नए नए अवसर बन रहे हैं। कुछ ही दिन बाद मुंबई में वर्ल्ड ऑडियो विजूअल एंड एंटरटेनमेंट समिट यानि, वेभ्स 2025 का आयोजन होने जा रहा है। इस आयोजन के केंद्र में भी देश के युवा हैं। देश के यंग क्रिएटर्स को पहली बार इस तरह का मंच मिल रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत आज जो कीर्तिमान गढ़ रहा है उसमें हर वर्ग की भागीदारी बढ़ रही है और हमारी बेटियां दो कदम आगे ही चल रही हैं। हमारी नारीशक्ति ब्यूरोक्रेसी से लेकर स्पेस और साइंस के क्षेत्र में नई बुलंदियों को छू रही है। सरकार का विशेष ध्यान ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण पर भी है। उन्होंने कहा कि सिविल सर्विसेज डे पर मैंने एक मंत्र दिया था और मैंने कहा था कि हम सरकार में जितने भी लोग हैं, हमारे लिए एक ही मंत्र सर्वोपरि होना चाहिए- नागरिक देवो भवः। मुझे विश्वास है कि अपने सामर्थ्य और ईमानदारी से एक ऐसा भारत बनाएंगे, जो विकसित भी होगा और समृद्ध भी होगा।

हिंदू-मुस्लिम एक ...

अपने बच्चों को देश की कहानी सुनाने को कहा था। मुनीर ने कहा कि मुसलमान जीवन के सभी पहलुओं धर्म, रीति-रिवाज, परंपरा, सोच और आकांक्षाओं में हिंदुओं से अलग हैं। दरअसल मुनीर अपने आकाओं के इशारे पर पाकिस्तान की आवाम में अपनी ही सरकार के खिलाफ उठ रही विद्रोह की आवाज को भटकाने के लिए ऐसे ऊल-जलूल बयान देते रहते हैं। पहलगाम हमले के बाद भारत के साथ तनाव के बीच उनके इस बयान को भी इसी रूप में देखा जा रहा है। पाकिस्तान के खिलाफ भारत के सख्त रुख से वहां की आवाम भी खौफजदा है। इससे ध्यान भटकाने के लिए मुनीर ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने पाकिस्तान के निर्माण के लिए बहुत बलिदान दिया। हम जानते हैं कि इसका बचाव कैसे करना है। जिन्ना की टू नेशन थियरी का जिक्र करते हुए मुनीर ने कहा कि मारे धर्म अलग हैं, हमारे रीति-रिवाज अलग हैं, हमारी परंपराएं अलग हैं, हमारे विचार अलग हैं, हमारी महत्वाकांक्षाएं अलग हैं। यहीं पर दो-राष्ट्र सिद्धांत की नींव रखी गई थी। हम दो राष्ट्र हैं, हम एक राष्ट्र नहीं हैं।

हर पाकिस्तानी को ...

तरह लागू होगा। हर पाकिस्तानी नागरिक को वापस जाना पड़ेगा। उपमचुख्यमंत्री चौधरी ने कहा कि पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे में भारत छोड़ देने को कहा गया है और यह समय सीमा कल 27 अप्रैल को समाप्त हो रही है। उन्होंने कहा कि बिहार में जो पाकिसानी नागरिक रह रहे हैं, उनकी पहचान कर ली गई है और जरूरत पड़ी तो उन्हें डिपोर्ट भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वीजा रद्द होने के बाद किसी पाकिस्तानी के यहां रहने का कोई सवाल ही नहीं है। जो नहीं जाएंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। चौधरी ने कहा कि पहलगाम की आतंकी हिंसा भारत पर हमला है। दुःख और आक्रोश के इस समय में पूरा देश एकजुट है। इस पर किसी को राजनीति नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब बिहार की धरती से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद के आकाओं को मिट्टी में मिला देने का कड़ा संकल्प ले लिया है, तो उसे पूरा करने में बिहार हर कदम पर साथ खड़ा रहेगा। चौधरी ने कहा कि यदि पाकिस्तान ने पहलगाम नरसंहार में अपनी नापाक संलिप्तता स्वीकार करने के बजाय भारत से टकराव का रुख अपनाया और पिछले युद्ध के बाद हुआ शिमला समझौता रद्द कर दिया है, तो यह अच्छा ही है। अब भारत उनकी सीमा में घुसकर बदला लेगा।

उत्तराखंड में अब ...

को सील किया जा चुका है। आज की कार्रवाई के साथ प्रदेश में अब तक कुल 180 अवैध मदरसों को सील किया जा चुका है। मुख्यमंत्री धामी ने स्पष्ट संदेश दिया है कि कानून के दायरे से बाहर कोई भी संस्था संचालित नहीं होने दी जाएगी और इस प्रकार की कार्रवाइयां आगे भी निरंतर जारी रहेंगी। एसडीएम भगवानपुर जितेंद्र कुमार के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम ने हल्लू माजरा, मक्खनपुर और मोहितपुर गांवों में स्थित अवैध मदरसों पर कार्रवाई करते हुए उन्हें सील किया। जांच में सामने आया कि ये मदरसे न तो मानकों पर खरे उतर रहे थे और न ही इनका पंजीकरण कराया गया था।

युवाओं ने प्रयास और नवाचार से देश की अपार संभावनाएं प्रस्तुत की हैं : प्रधानमंत्री

युवाशक्ति ही महाशक्ति है और राष्ट्र को सर्वांगीण रूप से सशक्त बनाने के लिए युवाओं को सक्रिय भूमिका निभानी होगी : सोनोवाल

गुवाहाटी (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित रोजगार मेले को संबोधित करते हुए विभिन्न सरकारी विभागों और संस्थाओं में नव नियुक्त युवाओं के बीच 51 हजार से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत सरकार के विभिन्न विभागों में इन युवाओं के लिए नए दायित्वों की शुरुआत हो रही है। यह दायित्व है राष्ट्र के आर्थिक ढांचे को मजबूत करना, आंतरिक सुरक्षा को सशक्त बनाना, आधुनिक अवसंरचना का निर्माण करना और श्रमिकों के जीवन में परिवर्तन लाना। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक राष्ट्र की प्रगति और सफलता उसके युवाओं पर निर्भर करती है। जब युवा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देते हैं, तो देश का विकास तेज होता है और वैश्विक मंच पर पहचान मिलती है। उन्होंने आगे कहा कि इस बार के बजट में सरकार ने मैन्युफैक्चरिंग मिशन की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य *मेक इन इंडिया* पहल को बढ़ावा देना और युवाओं को विश्व

स्तरीय सामग्री निर्माण का अवसर प्रदान करना है। इस मिशन से न केवल लाखों एमएसएमई और लघु उद्यमों को सहायता मिलेगी, बल्कि देश भर में रोजगार के नए अवसर भी खुलेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने गुवाहाटी के कर भवन में आयोजित रोजगार मेले में भाग लेते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वीडियो कांफ्रेंसिंग कार्यक्रम से वर्चुअल रूप से जुड़े। सोनोवाल ने औपचारिक रूप से पूर्वोत्तर के 209 नव नियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए, जिनमें से 25 को उन्होंने अपने हाथों से नियुक्ति पत्र सौंपे। अपने संबोधन में सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि जिन उम्मीदवारों ने अपनी मेधा और प्रतिभा के बल पर रोजगार मेले के माध्यम से नियुक्ति पाई है, मैं उन्हें और उनके अभिभावकों को हार्दिक बधाई देता हूं। देश भर के जिन युवाओं को नियुक्ति पत्र प्राप्त हुआ है, उन्हें विशेष रूप से यह याद रखना चाहिए कि उन्हें समर्पण के साथ देश की सेवा करनी है। आने वाले पांच वर्षों में हम दुनिया में तीसरे स्थान पर पहुंच सकते हैं। विकास की इस तीव्र गति और शक्ति को सशक्त बनाने के लिए आप सभी का योगदान जरूरी है। युवाशक्ति ही महाशक्ति है और राष्ट्र को सर्वांगीण रूप से सशक्त बनाने के लिए युवाओं को सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

रामानुजन को याद कर बोले मुख्यमंत्री : उन्होंने गणित को ईश्वर को समर्पित कर नई परिभाषा दी

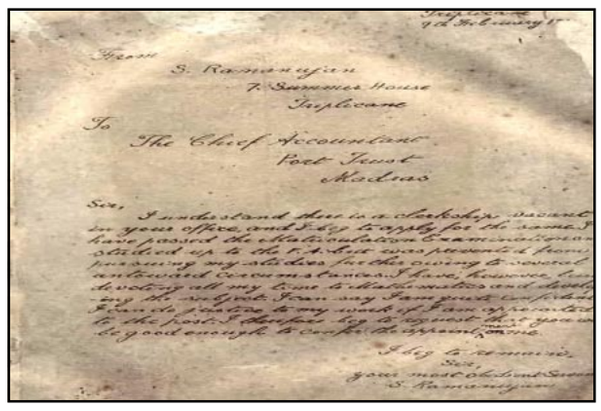

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि रामानुजन ने गणित को एक नई परिभाषा दी और अपने समस्त शोध व खोजों को ईश्वर को समर्पित कर दिया। मुख्यमंत्री ने नेशनल आर्काइव्स से प्राप्त एक ऐतिहासिक पत्र भी साझा किया, जिसमें रामानुजन ने पोर्ट ट्रस्ट के मुख्य लेखाकार को लिपिक पद के लिए आवेदन किया था। यह पत्र उनके संघर्षपूर्ण जीवन की झलक देता है और युवा पीढ़ी को प्रेरणा देता है। डॉ. शर्मा ने कहा कि *रामानुजन जैसे प्रतिभाशाली व्यक्ति का जीवन यह दर्शाता है कि आत्मसमर्पण, आस्था और परिश्रम से असाधारण ऊंचाइयों तक पहुंचा जा सकता है।*

राज्य में *पाकिस्तान मुर्दाबाद* के नारों से गुंजित विरोध-प्रदर्शन

गुवाहाटी (हिंस)। पहलगाम नरसंहार के खिलाफ बाघ हजारिका एक्य मंच की अगुवाई में हाजो के कलिताकुची तथा शोणितपुर जिले के रंगापाड़ा क्षेत्र में जोरदार विरोध प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शनकारियों ने *पाकिस्तान मुर्दाबाद* और *आतंकवाद का नाश हो* जैसे गगनभेदी नारे लगाते हुए पाकिस्तान के आतंकवाद समर्थक नीति की कड़ी निंदा की। सैकड़ों लोग हाथों में प्लेकार्ड लेकर सड़कों पर उतरे, जिन पर *आतंकवाद मिटाओ, शांति बहाल करो* जैसे संदेश लिखे थे। बाघ हजारिका एक्य मंच के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन में वक्ताओं ने मांग की कि आतंकवाद के खिलाफ कड़ा कदम उठाया जाए और पाकिस्तान के खिलाफ सख्त नीति अपनाई जाए। पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा की गई बर्बर हत्या कांड के विरोध में रंगापाड़ा चैंबर ऑफ कॉमर्स का मौन जुलूस निकला। काले बैच पहनकर पूरे रंगापाड़ा शहर में परिभ्रमण किया गया। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान स्थानीय लोगों ने एक स्वर में कहा कि आतंकवाद के खिलाफ उनकी लड़ाई जारी रहेगी और देश की एकता व अखंडता के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे।

बशिष्ठ पुलिस ने तीन चोरों को पकड़ा चोरी का सामान और औजार जब्त

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की बशिष्ठ पुलिस ने तीन चोरों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से चोरी का सामान और चोरी में इस्तेमाल किए जाने वाले औजार बरामद हुए। पकड़े गए आरोपियों की पहचान हैस्टन अली (30), नसीर अली (27) और अनोवर अली (28) के रूप में हुई है। सभी आरोपी मूलत: नलबाड़ी और बरपेटा जिलों के निवासी हैं और वर्तमान में हातीगांव थाना क्षेत्र के खंका इलाके में रह रहे थे। पुलिस ने उनके पास से फ्लेक्सिबल वायर, कटर, प्लायर, चाबी, झुमके और एक लॉकेट बरामद किया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

राज्य में अवैध कोयला खनन के ईडी के खुलासे को लेकर सीएम शर्मा और गौरव गोगोई में टकराव

गुवाहाटी। राज्य में अवैध कोयला खनन कार्यों के बारे में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के खुलासे के बाद मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई के बीच वाकयुद्ध छिड़ गया है। सोशल मीडिया पर एक तीखी पोस्ट में गोगोई ने राज्य सरकार पर अवैध खनन के प्रति आंखें मूंद लेने का आरोप लगाया। गोगोई की पोस्ट में लिखा है, ईडी ने असम के अवैध कोयला साम्राज्य का पर्दाफाश किया! 1.58 करोड़ रुपये नकद जब्त किए गए। फर्जी बिल। मार्गेरिटा, जोगीघोपा, गुवाहाटी में प्रतिदिन 1200 टन अवैध कोयला निकाला जा रहा है। यह सब सीएम हिमंत विश्व शर्मा की नाक के नीचे हो रहा है, जो अवैध खनन से इनकार करते रहे हैं! गोगोई ने इस अभियान के बड़े पैमाने पर प्रकाश डालते हुए दावा किया कि कोयला माफिया राज्य की सीमाओं के पार अवैध कोयले की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रति ट्रक 1.27 लाख रुपये से 1.5 लाख रुपए तक का भुगतान कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अवैध खनन को वैध व्यवसाय के रूप में छिपाने के लिए डिपो का उपयोग किया जा रहा है, उन्होंने इस पूरे ऑपरेशन को एक *सिंडिकेट* बताया और सवाल उठाया कि क्या सरकारी संरक्षण के बिना इतनी व्यापक अवैध गतिविधि हो सकती है। उन्होंने राज्य सरकार से जिम्मेदारी लेने का आग्रह करते हुए कहा कि क्या यह लूट सरकार के संरक्षण के बिना संभव है? असम का असली सिंडिकेट राजा कौन है? दिसपुर को जवाब देना चाहिए। असम के लोग जवाबदेही चाहते हैं। मुख्यमंत्री शर्मा ने तीखे जवाब में प्रवर्तन निदेशालय पर कांग्रेस पार्टी के रुख को पाखंडपूर्ण बताया। उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व, जिसमें राहुल गांधी भी शामिल हैं, जो ईडी की आलोचना करते रहे हैं, और उनके अपने उप नेता की कार्रवाइयों के बीच विरोधाभास की ओर इशारा किया, जो अब राज्य सरकार पर हमला करने के लिए एजेंसी के निष्कर्षों पर भरोसा कर रहे हैं। शर्मा ने एक माइक्रो-ब्लॉगिंग वेबसाइट पर लिखा

कि कांग्रेस पार्टी आज ईडी के मुद्दे पर पूरी तरह से बेनकाब हो गई है। एक तरफ, राहुल गांधी और उनका खेमा लगातार ईडी को बदनाम कर रहा है और इसे एक राजनीतिक उपकरण बता रहा है। दूसरी तरफ, उनके अपने उपनेता उसी एजेंसी का महिमामंडन करने में व्यस्त हैं। शर्मा ने जांच एजेंसियों पर भाजपा के लगातार रुख पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह दोहरा रवैया कांग्रेस के भीतर घोर भ्रम और पाखंड को दर्शाता है। इसके विपरीत, हमारा रुख सैद्धांतिक और अटल है - हम सभी जांच एजेंसियों का समर्थन करते हैं, भले ही उनकी कार्रवाई हमारे पक्ष में हो या हमारे खिलाफ हो। यह कटाक्ष ऐसे समय में हुआ है जब प्रवर्तन निदेशालय ने असम में अवैध कोयला खनन के बारे में परेशान करने वाले तथ्य उजागर किए हैं। एजेंसी ने हाल ही में 1.58 करोड़ रुपये नकद जब्त किए और इस बात के सबूत भी मिले कि मार्गेरिटा, जोगीघोपा और गुवाहाटी सहित कई स्थानों पर प्रतिदिन 1200 टन से अधिक अवैध कोयला निकाला जा रहा था। जांच में यह भी पता चला कि बड़े पैमाने पर फर्जी बिल जारी किए जा रहे हैं, जिसमें कोयले को गलत तरीके से वैध रूप से खनन किया हुआ बता दिया जाता है। असम और मेघालय में सक्रिय कोयला सिंडिकेटों के बीच संबंधों की पुष्टि हुई है और ईडी ने 15 विभिन्न स्थानों पर छापे मारे हैं। ईडी के एक बयान में कहा गया है, यह भी पता चला है कि असम के जोगीघोपा में डिपो चलाने वाले लोग फर्जी बिल/चालान के कारोबार में शामिल हैं, जिसके जरिए अवैध रूप से खनन किए गए कोयले को वैध व्यापारिक लेनदेन के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। चल रही जांच से राज्य के कोयला खनन कार्यों के इर्द-गिर्द राजनीतिक बहस और तेज होने की उम्मीद है।

कानून के शासन को बनाए रखने के लिए मजबूत न्यायिक बुनियादी ढांचा महत्वपूर्ण : मुख्य न्यायाधीश बिश्नोई

धुबरी। गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई ने शनिवार को न्याय तक समान पहुंच सुनिश्चित करने और कानून के शासन को बनाए रखने में मजबूत न्यायिक बुनियादी ढांचे की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। धुबड़ी जिला न्यायपालिका के लिए नवनिर्मित, अत्याधुनिक न्यायालय परिसर के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए न्यायमूर्ति बिश्नोई ने कहा कि आधुनिक सुविधाएं महत्वपूर्ण हैं, लेकिन *न्यायपालिका में जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए मानवीय तत्व भी महत्वपूर्ण हैं*। धुबड़ी के लोगों और न्यायिक समुदाय को परिसर समर्पित करते हुए न्यायमूर्ति बिश्नोई ने कहा कि यह नया न्यायालय भवन एक अनुकूल वातावरण के लिए आवश्यक सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान करेगा, जिसमें सभी हितधारक न्याय प्रशासन में अपनी भूमिका प्रभावी ढंग से निभा सकेंगे। लगभग पांच बीघा क्षेत्र में फैली पांच मंजिला अदालत की इमारत आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। प्रारंभ में, इस परिसर में तेरह

न्यायालय संचालित होंगे, तथा भविष्य में विस्तार के लिए सात अतिरिक्त न्यायालय कक्षों का प्रावधान किया गया है। बुनियादी ढांचे की चुनौतियों के बीच न्यायपालिका की दीर्घकालिक सेवा पर विचार करते हुए न्यायमूर्ति बिश्नोई ने कहा कि इस क्षेत्र में लंबित मामलों की उच्च संख्या और लोगों की सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता को देखते हुए, न्यायिक बुनियादी ढांचा अपेक्षित स्तर का नहीं था। उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि नया परिसर महत्वपूर्ण कमियों को दूर करता है तथा न्याय प्रदान करने के लिए एक सम्मानजनक और कुशल वातावरण प्रदान करता है। सभा को संबोधित करते हुए बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नूरुल इस्लाम चौधरी ने इस स्थल के ऐतिहासिक महत्व को याद किया, जहां कभी जिला एवं सत्र न्यायाधीश उपेंद्र नाथ राजखोवा का आधिकारिक आवास हुआ करता था। उन्होंने 1970 में हुए राजखोवा हत्याकांड का जिक्र किया- एक ऐसा अपराध जिसने राज्य को झकझोर कर रख दिया था- जिसमें राजखोवा ने अपने घरेलू नौकर उमेश बैश्य की मदद से अपनी पत्नी और दो बेटियों की हत्या कर दी थी। राजखोवा को बाद में दोषी ठहराया गया और 1976 में उसे फांसी दे दी गई। पुराने ढांचे को ध्वस्त करने के बाद 2 दिसंबर, 2017 को नए न्यायिक परिसर की आधारशिला रखी गई थी। लगभग आठ वर्षों के बाद, आधुनिक सुविधा का उद्घाटन धुबड़ी की न्यायपालिका के लिए एक प्रमुख मील का पत्थर है। समारोह में उपायुक्त दिवाकर नाथ, पुलिस अधीक्षक नवीन सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता, धुबड़ी बार एसोसिएशन के सदस्य और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

चिकित्सक और चिकित्सा कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप, गर्भवती महिला की मौत

शोणितपुर (हिंस)। चारद्वार ग्राम चिकित्सक और चिकित्सा कर्मचारियों की लापरवाही के चलते एक अस्पताल में गर्भवती महिला की मौत होने का आरोप लगा है। परिवारजनों का कहना है कि महिला को समय पर उचित इलाज नहीं मिला, जिसकी वजह से उसकी जान चली गई। घटना के बाद परिजनों ने संबंधित पुलिस थाने में प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करवाई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने भी घटना पर दुख जताते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। अस्पताल प्रशासन की ओर से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

पंचायत चुनाव: सीएम ने श्रीभूमि में अल्पसंख्यक मतदाताओं को लुभाया, पिछली हिंसा के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया

गुवाहाटी। आगामी 2 और 7 मई को होने वाले दो चरणों वाले पंचायत चुनावों से पहले अपने प्रचार अभियान को जारी रखते हुए, असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को श्रीभूमि में एक विशाल सार्वजनिक रैली को संबोधित किया और भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) उम्मीदवारों के लिए जोरदार वकालत की। अल्पसंख्यक मतदाताओं को लुभाने के प्रयास में शर्मा ने कांग्रेस पर सांप्रदायिक हिंसा से ग्रस्त शासन चलाने का आरोप लगाया, जहां उन्होंने कहा कि कई मुसलमानों ने अपनी जान गंवाई। उन्होंने वहां उपस्थित लोगों से कहा कि मुस्लिम समुदाय में कुछ लोग हैं जो कांग्रेस को वोट देना जारी रखते हैं। उन्होंने उन्हें उस समय की याद दिलाई जब कई जिलों में खून-खराबा हुआ था। उन्होंने कहा कि व्यापक सांप्रदायिक हिंसा के बावजूद कांग्रेस सरकार अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रही है। भाजपा के कार्यकाल के साथ इसके अंतर को उजागर करते हुए शर्मा ने कहा कि असम में भाजपा के शासन के तहत पिछले दस वर्षों में, क्या आपने किसी मुस्लिम व्यक्ति को गोलियों से मारे जाने के बारे में सुना है? नहीं। क्या आपने बोड़ो और मुस्लिम समुदायों के बीच कोई झड़प देखी है? नहीं। क्योंकि आज, असम में शांति है-असमिया और अन्य समुदायों के बीच कोई लड़ाई नहीं है, चाहे वह हिंदी भाषी समुदाय हो या अन्य। लुंगी, धोती, सूता और कंबल के अपने चुनावी आख्यान पर लौटते हुए मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने अवैध प्रवासियों को नागरिकता के प्रमाण के रूप में राशन कार्ड का दुरुपयोग करने की कथित अनुमति देने के लिए पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की आलोचना की और दावा किया कि भाजपा के शासन में अब राशन कार्ड से चावल, दाल, चीनी, 5 लाख रुपये तक मुफ्त चिकित्सा उपचार और मुफ्त कॉलेज प्रवेश जैसी आवश्यक वस्तुओं तक पहुंच सुनिश्चित होती है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले चार वर्षों में बराक और ब्रह्मपुत्र घाटियों में अधिक एकता देखी गई है। विकास के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए उन्होंने गुवाहाटी और सिलचर को जोड़ने वाली 25,000 करोड़ रुपये की आगामी राजमार्ग परियोजना और इसके सकारात्मक पहलुओं पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे यात्रा का समय घटकर पांच घंटे रह जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी पूर्ववर्ती सरकार ने इस क्षेत्र को इस तरह प्राथमिकता नहीं दी थी।

जिला आयुक्त ने की पंचायत चुनाव की तैयारियों की समीक्षा

रंगिया (विभास)। कामरूप के जिला आयुक्त देव कुमार मिश्रा ने आज अमीनगांव स्थित एकीकृत जिला कार्यालय के बैठक कक्ष में आगामी पंचायत चुनाव की तैयारियों पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में पंचायत चुनाव के लिए गठित विभिन्न प्रकोष्ठों जैसे मतपत्र, डाटा प्रबंधन, प्रशिक्षण, परिवहन, चुनाव सामग्री, स्ट्रांग रूम प्रकोष्ठ एवं कार्मिक प्रकोष्ठ से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में चुनाव पर्यवेक्षक परागमणि महंतो, जिला विकास आयुक्त सुशांत कुमार दत्ता, अतिरिक्त जिला आयुक्त गर्ग मोहन दास, कमल बरुआ, मुनमी कलिता, सुजाता गोगोई, प्राणजीत कुमार देब, चुनाव अधिकारी डॉ. भूपाली कश्यप और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में मतपत्र मुद्रण की प्रगति, मतदान एवं मतगणना अधिकारियों सहित चुनाव सामग्री वितरण में शामिल कर्मचारियों के प्रशिक्षण, चुनाव सामग्री के सुचारू वितरण की योजना, मतदान अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मतदान केन्द्रों तक पहुंचाने के विषय पर चर्चा की गई। उल्लेखनीय है कि जिले के अंतर्गत पलाशबाड़ी, बोको-छयगांव और समरिया विधानसभा क्षेत्रों में 12 जिला परिषद निर्वाचन क्षेत्रों और इन निर्वाचन क्षेत्रों में आंचलिक पंचायत और गांव पंचायत सदस्य पदों के लिए चुनाव सामग्री दक्षिण कामरूप बालिका महाविद्यालय, मिर्जा से और कमलपुर, हाजो-शुवालकुची विधानसभा क्षेत्रों के अंतर्गत आठ जिला परिषद क्षेत्र और इसके अंतर्गत आंचलिक पंचायत और गांव पंचायत सदस्य पदों के लिए चुनाव सामग्री अमीनगांव स्थित एकीकृत जिला कार्यालय और गुवाहाटी बायोटेक पार्क से वितरित की जाएगी। इसी तरह 12 जिला परिषद निर्वाचन क्षेत्रों के लिए मतों की गिनती दक्षिण कामरूप बालिका महाविद्यालय, मिर्जा में होगी और शेष आठ जिला परिषद निर्वाचन क्षेत्रों के लिए मतों की गिनती अमीनगांव स्थित पुराने जिला आयुक्त कार्यालय में होगी।

शिक्षा संवाद की पूर्वोत्तर में पहली प्रस्तुति, शिक्षा में समानता के लिए स्थानीय आवाजों को मिला नया मंच

गुवाहाटी। शिक्षा में समानता की दिशा में चल रहे जनआंदोलन शिक्षाग्रह की प्रमुख पहल शिक्षा संवाद ने पहली बार पूर्वोत्तर भारत में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। गुवाहाटी, असम में आयोजित इस संस्करण ने सार्वजनिक शिक्षा पर संवाद, सहभागिता और सामुदायिक नेतृत्व आधारित पहल के लिए एक प्रभावशाली मंच प्रदान किया। इससे पहले बेंगलुरू, मुंबई और पटना में सफल आयोजनों के पश्चात, यह आयोजन पूर्वोत्तर की विविधतापूर्ण आवाजों और क्षेत्रीय वास्तविकताओं को भारत की शिक्षा समानता की यात्रा में शामिल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। गुवाहाटी में आयोजित शिक्षा संवाद के इस संस्करण में क्षेत्रीय मुद्दों से जुड़े विचारोत्तेजक संवाद और सशक्त दृष्टिकोण सामने आए। कार्यक्रम की शुरुआत एक *फायरसाइड चैट* से हुई जिसमें प्रो. डॉ. प्रदीप रामावत जयनायक (टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, गुवाहाटी), विकाश कुमार, (क्षेत्रीय प्रमुख-पूर्वोत्तर और मध्य भारत, सीएसआर, एचडीएफसी) और केवी सैतो (सह-संस्थापक) ने पूर्वोत्तर भारत के लिए शिक्षा के साझा दृष्टिकोण पर चर्चा की।

संकटग्रस्त बचपन-चुनौतियां और समाधान विषय पर आयोजित एक पैनल चर्चा में अग्रिम पंक्ति से जुड़े प्रमुख वक्ताओं ने भाग लिया। इसमें आरके पॉल चावनी (सह-संस्थापक, आम्या), श्रेया रक्षित (प्रधानाचार्या, द हमिंगबर्ड स्कूल, माजुली), किशोर कुमार दास (प्राचार्य, ष्ठड्डश्वङ्ग, मोरीगांव), और डॉ. निरंजन इस्लारी (विशेषज्ञ, शिक्षा, बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल) शामिल थे। वक्ताओं ने क्षेत्र के बच्चों के सामने मौजूद गंभीर समस्याओं पर विचार रखते हुए सहयोगात्मक समाधान प्रस्तुत किए। संवाद के दौरान, एचडीएफसी बैंक के विकाश कुमार ने शिक्षाग्रह आंदोलन से जुड़े कई महत्वपूर्ण साधनों का अनावरण किया—जिसमें डिस्ट्रिक्ट गवर्नेंस हैंडबुक और कलेक्टिव एक्शन प्लेबुक प्रमुख रूप से शामिल हैं। उन्होंने इन संसाधनों के माध्यम से जनस्तर पर आंदोलन के बढ़ते प्रभाव को रेखांकित किया। ये उपकरण विशेष रूप से संगठनों और जिला अधिकारियों को सहयोगात्मक रूप से कार्य करने में मदद करने के लिए तैयार किए गए हैं, ताकि शैक्षणिक पहलों की योजना बेहतर ढंग से बन सके, वे स्थानीय जरूरतों के अनुरूप हों और बड़े स्तर पर प्रभावशाली तरीके से लागू की जा सकें। वर्ष 2023 में आरंभ हुआ शिक्षाग्रह आंदोलन भारत के 10 लाख सरकारी विद्यालयों में सुधार लाने का संकल्प लिए हुए है, जिसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक प्रत्येक स्तर पर नेतृत्व को प्रोत्साहित कर, विभिन्न हितधारकों के बीच सामूहिक प्रयास के माध्यम से ऐसा समावेशी शिक्षण वातावरण निर्मित करना है जो देश के प्रत्येक बच्चे की संभावनाओं को पहचान सके और उन्हें निखार सके। शिक्षाग्रह जैसे आंदोलन न केवल विद्यालयों में बदलाव ला रहे हैं, बल्कि यह भी दर्शा रहे हैं कि सामूहिक प्रयासों से हम कैसे बदलाव की दिशा में कार्य कर सकते हैं। एचडीएफसी बैंक में हम उन पहलों का समर्थन करते हैं जो समुदायों को शिक्षा की पुनर्कल्पना में अग्रणी भूमिका निभाने का अवसर देती हैं, विकास कुमार। एचडीएफसी बैंक द्वारा समर्थित, गुवाहाटी में आयोजित शिक्षा संवाद, पूर्वोत्तर भारत में शिक्षा समानता के लिए निरंतर संवाद और सहयोग को आगे बढ़ाने में एक अहम भूमिका निभा रहा है। इस आयोजन ने विविध हितधारकों को एक मंच पर लाकर क्षेत्र में समावेशी शिक्षा की दिशा में दीर्घकालिक प्रयासों की राह प्रशस्त की है। संतोष मोरे, सह-संस्थापक, मंत्रा फॉर चेंज के सह-संस्थापक संतोष मोरे ने कहा कि शिक्षा संवाद यह सिद्ध कर रहा है कि जब स्थानीय आवाजें केंद्र में आती हैं, तो वास्तविक परिवर्तन अवश्य होता है। ये संवाद विभिन्न क्षेत्रों में आशा और कार्रवाई की एक सशक्त कथा को जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। पूर्वोत्तर क्षेत्र, जहां विविधता की समृद्ध परंपरा और जमीनी स्तर पर हो रहे सक्रिय प्रयास मौजूद हैं, समाज, सरकार, बाजार और संचार के बीच सामूहिक भागीदारी के माध्यम से उत्प्रेरित हो रहे हैं और यही क्षेत्र भारत में सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली की पुनर्कल्पना में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

संपादकीय

'जयचंदों' को मिट्टी में मिलाएं

यकीनन कश्मीर बदला है। पहलगाम में तो सडक़ों पर और होटलों में सन्नाटा पसरा है। दुकानों पर ताले लटके हैं। लोग मानसिक तौर पर आहत हैं, क्योंकि कश्मीरियत के मेहमानों के कत्ल किए गए हैं। उनकी परंपराएं छिन्न-भिन्न हुई हैं। कश्मीर में सैलानियों को इस तरह कभी भी निशाना नहीं बनाया गया। कश्मीर के पेट पर लात मारी गई है। श्रीनगर के ऐतिहासिक 'लाल चौक' पर जो विरोध-प्रदर्शन किए गए, उनमें हिंदू, मुस्लिम, सिख, डोगरा आदि सभी समुदायों के चेहरे दिखाई दे रहे थे। डल लेक पर शिकारे बंद पड़े हैं और वे सामूहिक तौर पर आतंकवाद को खारिज कर रहे हैं। जिन हाथों में कभी पत्थर और 'हिंदुस्तान विरोध' की तख्तियां होती थीं, आज उन हाथों में 'तिरंगा' लहरा रहा है। कारगिल से कन्याकुमारी तक गुस्सा और आक्रोश एक जैसा ही है। प्रधानमंत्री मोदी का यह कथन यकीन दिलाता है कि आतंकवाद ने जब भी मासूम, बेकसूर और निहत्थे लोगों की बर्बर हत्याएं की हैं, तब समूचा भारत एकसूत्र में बंधा दिखाई दिया है। तमाम विपक्षी दलों ने भी सरकार को, आतंकियों के खिलाफ, कोई भी कार्रवाई करने को अधिकृत किया है। सरकार और सुरक्षा-खुफिया तंत्र ने स्वीकार किया है कि सुरक्षा-व्यवस्था में चूक हुई है, लेकिन सर्वदलीय बैठक को ब्रीफ किया गया है कि कुछ टूर ऑपरेटर सैलानियों को बैसरन घाटी के घसियाले मैदान तक ले गए थे और प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं दी गई, लिहाजा पुख्ता सुरक्षा बंदोबस्त भी नहीं किए जा सके। पहलगाम के अन्य हॉटस्पॉट के आसपास करीब 500 सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे। वहां कोई भी आतंकी घटना नहीं हुई है। यह सरकार के पक्ष की सफाई हो सकती है, लेकिन स्थानीय पुलिस को यह साफ दिख रहा होगा कि बैसरन में हजारों पर्यटक जा रहे हैं। पुलिस आंख नहीं मूंद सकती। बहरहाल अब हमें प्रधानमंत्री मोदी की हुंकार पर भरोसा करना चाहिए कि आतंकियों और उनके आकाओं को उनकी कल्पना से बड़ी सजा दी जाएगी। आतंकियों की बची-खुची जमीन को मिट्टी में मिलाने का वक्त आ गया है। देश की भावनाओं और उत्साह के मद्देनजर प्रधानमंत्री का ऐसा संबोधन भी बेहद जरूरी है, लेकिन रक्षा विशेषज्ञ 'कश्मीर के जयचंदों' को, आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई में, बड़ी बाधा मानते हैं। वे संख्या में भी काफी हैं और ताकतवर भी हैं। जब तक इन 'जयचंदों' को मिट्टी में नहीं मिलाया जाएगा, तब तक भारत आतंकवाद का समूल विनाश नहीं कर सकता। ये 'जयचंद' आतंकियों के स्थानीय गिरोह हैं, स्लीपर सेल हैं और पनाहगाह भी हैं। एक सूचना सामने आई है कि जो आतंकी 'पहलगाम नरसंहार' का सरगना था, वह बीते 4-5 साल से कश्मीर में सक्रिय है और कोने-कोने से वाकिफ है। स्थानीय खुफिया-तंत्र क्या करता रहा है? हम इस सूचना की पुष्टि नहीं कर सकते, लेकिन जम्मू-कश्मीर में 'आतंकियों के जयचंद' राजनीतिक कार्यकर्ता के तौर पर, रेहड़ी-पटरी वाले कारोबारी के रूप में, सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर मौजूद और सक्रिय हैं, यह खुलासा तो सेवानिवृत्त सैन्य जनरल और पुलिस महानिदेशक स्तर के अधिकारी कर रहे हैं, जिन्होंने अतीत के उग्र और हत्यारे आतंकियों के दौर देखे हैं और उनसे लड़ाई भी की है। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि 'आतंकवाद के जयचंदों' की पूरी सूचियां पुलिस और सेना के पास होती हैं। 'जयचंदों' का निचले स्तर तक जो जाल फैला है, उसकी सम्यक जानकारी होती है। सूचनाओं के आधार पर ये सूचियां तैयार की जाती हैं। इन पर कार्रवाई तभी होगी, जब राजनीतिक नेतृत्व 'हरी झंडी' देगा। रक्षा विशेषज्ञों की सूचनाओं के आधार पर पहले 'जयचंदों' को मिट्टी में मिलाया जाए।

> प्रधानमंत्री मोदी का यह कथन यकीन दिलाता है कि आतंकवाद ने जब भी मासूम, बेकसूर और निहत्थे लोगों की बर्बर हत्याएं की हैं, तब समूचा भारत एकसूत्र में बंधा दिखाई दिया है। तमाम विपक्षी दलों ने भी सरकार को, आतंकियों के खिलाफ, कोई भी कार्रवाई करने को अधिकृत किया है। सरकार और सुरक्षा-खुफिया तंत्र ने स्वीकार किया है कि सुरक्षा-व्यवस्था में चूक हुई है, लेकिन सर्वदलीय बैठक को ब्रीफ किया गया है कि कुछ टूर ऑपरेटर सैलानियों को बैसरन घाटी के घसियाले मैदान तक ले गए थे और प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं दी गई, लिहाजा पुख्ता सुरक्षा बंदोबस्त भी नहीं किए जा सके। पहलगाम के अन्य हॉटस्पॉट के आसपास करीब 500 सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे। वहां कोई भी आतंकी घटना नहीं हुई है। यह सरकार के पक्ष की सफाई हो सकती है, लेकिन स्थानीय पुलिस को यह साफ दिख रहा होगा कि बैसरन में हजारों पर्यटक जा रहे हैं। पुलिस आंख नहीं मूंद सकती। बहरहाल अब हमें प्रधानमंत्री मोदी की हुंकार पर भरोसा करना चाहिए कि आतंकियों और उनके आकाओं को उनकी कल्पना से बड़ी सजा दी जाएगी।

आतंकवादियों की शरणस्थली बने पाकिस्तान को ये कूटनीतिक बसक समय की जरूरत है

पाकिस्तान से पानी का रिश्ता हुआ समाप्त

प्रमोद भार्गव

> आतंकी हमले के परिप्रेक्ष्य में केंद्र सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए पांच बड़े कूटनीतिक प्रहार कर दिए हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण सिंधु जल समझौते को अनिष्चित काल के लिए स्थगित करना है। यह एक ऐसी कूटनीतिक चाल है, जिससे पाकिस्तान को भीषण जलसंकट का सामना तो करना पड़ेगा ही आर्थिक समृद्धि में भी यह फैसला मठा घोलने का काम करेगा। साथ ही पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा रद्द करते हुए उन्हें 48 घंटे में पाक लौट जाने का आदेश दिया है। अटारी-वाघा सीमा-द्वार बंद कर दिया है।

कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के परिप्रेक्ष्य में केंद्र सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए पांच बड़े कूटनीतिक प्रहार कर दिए हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण सिंधु जल समझौते को अनिष्चित काल के लिए स्थगित करना है। यह एक ऐसी कूटनीतिक चाल है, जिससे पाकिस्तान को भीषण जलसंकट का सामना तो करना पड़ेगा ही आर्थिक समृद्धि में भी यह फैसला मठा घोलने का काम करेगा। साथ ही पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा रद्द करते हुए उन्हें 48 घंटे में पाक लौट जाने का आदेश दिया है। अटारी-वाघा सीमा-द्वार बंद कर दिया है। भारत ने पाकिस्तान से अपने सैन्य राजनयिकों को वापस बुला लिया है। नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा, सैन्य, नौसेना और वायुसेना सलाहकारों को अवांछित व्यक्ति घोषित किया है। इन्हें एक सप्ताह में भारत छोड़ना होगा। ये सभी निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में संपन्न हुई केंद्रीय कैबिनेट की सुरक्षा समिति (सीसीएस) की बैठक में लिए गए हैं। आतंकवादियों की शरणस्थली बने पाकिस्तान को ये कूटनीतिक सबक समय की जरूरत है। अमानुषिक दगाबाजी के आदि पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने 16 अप्रैल 2025 को इस्लामाबाद में ओवरसीज पाकिस्तानियों के सम्मेलन में कहा था कि कश्मीर पाकिस्तान के 'गले की नस' है। पाकिस्तान ने आतंकी साजिश रचकर कश्मीर के अवाम की इसी आर्थिक श्वास की नली को अवरुद्ध कर दिया है। अब भारत ने पलटवार करते हुए सिंधु की जलधार को अवरुद्ध करके ईंट का जबाव पत्थर से देने का काम किया है। यदि यह जवाब बहुत पहले दे दिया गया होता तो शायद पाक से निर्यात आतंक के ये हालात पनप ही नहीं पाते? 19 सितंबर 1960 को सिंधु जल संधि में भारत और पाकिस्तान के बीच नदियों का पानी बांटने का समझौता हुआ था। इस समझौते पर प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तानी राष्ट्रपति अयूब खान ने हस्ताक्षर किए थे। यह संधि विश्व बैंक की मध्यस्थता में हुई थी। इसके अंतर्गत पाकिस्तान से पूर्वी क्षेत्र की तीन नदियों व्यास, रावी व सतलुज की जल राशि पर नियंत्रण भारत के सुपुर्द किया गया था और पश्चिम की नदियों सिंधु, चिनाब व झेलम पर नियंत्रण की जिम्मेदारी पाक को सौंपी गई थी। इसके तहत भारत के ऊपरी हिस्से में बहने वाली इन छह नदियों का 80.52 यानी 167.2 अरब घन मीटर पानी पाकिस्तान को हर साल दिया जाता है। जबकि भारत के

हिस्से में महज 19.48 प्रतिशत पानी ही शेष रह जाता है। नदियों की ऊपरी धारा (भारत में बहने वाला पानी) के जल-बंटवारे में उदारता की ऐसी अनूठी मिसाल दुनिया के किसी भी अन्य जल-समझौते में देखने में नहीं आई है। इसीलिए अमेरिकी सीनेट की विदेशी मामलों से संबंधित समिति ने 2011 में दावा किया था कि यह संधि दुनिया की सफलतम संधियों में से एक है। लेकिन यह संधि केवल इसलिए सफल है, क्योंकि भारत संधियों की शर्तों को निभाने के प्रति अब तक उदार एवं प्रतिबद्ध बना हुआ है। जबकि जम्मू-कश्मीर को हर साल इस संधि के पालन में करीब 60 हजार करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ता है। भारत की भूमि पर इन नदियों का अकूत जल भंडार होने के बावजूद इस संधि के चलते इस राज्य को पर्याप्त बिजली नहीं मिल पा रही है। पाकिस्तान की 2.6 करोड़ एकड़ कृषि भूमि की सिंचाई इन्हीं नदियों के जल से होती है। पाक के बड़े भू-भाग की 21 करोड़ से ज्यादा जनसंख्या की जल की जरूरतें इन्हीं नदियों पर निर्भर हैं। यह संधि लंबे समय तक स्थगित रहती है तो पाकिस्तान में अकाल और सूखे के हालात बन सकते हैं। दरअसल सिंधु-संधि के तहत उत्तर से दक्षिण को बांटने वाली एक रेखा सुनिश्चित की गई है। इसके तहत सिंधु क्षेत्र में आने वाली तीन नदियां सिंधु, चिनाब और झेलम पूरी तरह पाकिस्तान को उपहार में दे दी गई हैं। इसके उलट भारतीय संप्रभुता क्षेत्र में आने वाली व्यास, रावी व सतलुज नदियों के बचे हुए हिस्से में ही जल सीमित रह गया है। इस लिहाज से यह संधि दुनिया की ऐसी इकलौती अंतरदेशीय जल संधि है, जिसमें सीमित संप्रभुता का सिद्धांत लागू होता है और संधि की असमान शर्तों के चलते ऊपरी जलधारा वाला देश नीचे की ओर प्रवाहित होने वाली जलधारा वाले देश पाकिस्तान के लिए अपने हितों की न केवल अनदेखी करता है, वरन बालिदान कर देता है। इतनी बेजोड़ और पाक हितकारी संधि होने के बावजूद पाक ने भारत की उदार शालीनता का उत्तर पूरे जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में आतंकी हमलों के रूप में तो दिया ही, अब इनका विस्तार भारतीय सेना व पुलिस के सुरक्षित ठिकानों तक भी किया हुआ है। अब पर्यटकों की हिंदू धार्मिक पहचान करके जो नरसंहार पहलगाम की बैसरन घाटी में किया है, वह यह जताने के लिए काफी है कि हमला धर्म के आधार पर किया गया है। ये सभी हमले आतंकवाद को बहाना बनाकर छद्म युद्ध के जरिए किए गए, जबकि ये सभी हमले पाक सेना की करतूत हैं। दरअसल छद्म युद्ध में लागत तो कम आती ही है, हमलाबर देश पाकिस्तान वैश्विक मंचों पर इस बहाने रक्षात्मक भी हो जाता है कि इन हमलों में उसका नहीं, आतंकवादियों का हाथ है। बावजूद हैरानी इस बात पर है कि इस संधि को तोड़ने की हिम्मत न तो 1965 में भारत-पाक युद्ध के बाद दिखाई गई और न ही 1971 में? हालांकि 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान को दो टुकड़ों में विभाजित कर नए राष्ट्र बांग्लादेष को अस्तित्व में लाने की बड़ी कूट व रणनीतिक सफलता हासिल की थी। कारगिल युद्ध के समय भी हम इस संधि को तोड़ने से चुके हैं। देर से ही सही इस संधि को तोड़ने की पहल देशहित में है। दरअसल पाकिस्तान की प्रकृति में ही अहसानफरोसी शुमार है। इसीलिए भारत ने जब झेलम की सहायक नदी किशनगंगा पर बनने वाली 'किशन गंगा जल विद्युत परियोजना' की बुनियाद रखी तो पाकिस्तान ने बुनियाद रखते ही नीदरलैंड में स्थित 'अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायालय' में 2010 में ही आपत्ति दर्ज करा दी थी। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में किशनगंगा नदी पर 300 मेगावाट की जल विद्युत परियोजना प्रस्तावित है। हालांकि 20 दिसंबर 2013 को इसका फैसला भी हो गया। दुर्भाग्य कहलें या भारत द्वारा ठीक से अपने पक्ष की पैरवी नहीं करने के कारण यह निर्णय भारत के व्यापक हित साधे रखने में असफल रहा है। न्यायालय ने भारत को परियोजना निर्माण की अनुमति तो दे दी, लेकिन भारत को बाध्य किया गया कि वह 'रन ऑफ दि रिवर' प्रणाली के तहत नदियों का प्रवाह निरंतर जारी रखे। फैसले के मुताबिक किशनगंगा नदी में पूरे साल हर समय 9 क्यूसेक मीटर प्रति सेकंड का न्यूनतम जल प्रवाह जारी रहेगा। हालांकि पाकिस्तान ने अपील में 100 क्यूसेक मीटर प्रति सेकंड पानी के प्राकृतिक प्रवाह की मांग की थी, जिसे न्यायालय ने नहीं माना।

दृष्टि कोण

आतंकवाद पर अमरीका का ढुलमुल रवैया

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले 26 से अधिक पर्यटक मारे गए। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों ने यह हमला ऐसे समय में किया जब अमरीका के उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स अपनी भारतीय मूल की पत्नी उषा और बच्चों के साथ भारत की यात्रा पर थे। इस हमले के पीछे पाकिस्तान का निहितार्थ इस यात्रा में विघ्न डाल कर कश्मीर के मुद्दे पर विश्व का ध्यान आकर्षित करना था। पाकिस्तान इस तरह के कुत्सित प्रयास पूर्व में भी कर चुका है। बेरोजगारी, भारी भरकम कर्जा और घरेलू आतंकवाद से त्रस्त पाकिस्तान ने इन समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए वेन्स की यात्रा के दौरान हमला करवाने के समय का चुनाव किया। अमरीका सहित विश्व के तकरीबन सभी देशों ने इस हमले की तीखी निंदा की। सवाल यही है कि क्या अमरीका सिर्फ निंदा तक ही सीमित रहेगा। पूर्व में भी इसी तरह के पाक प्रायोजित हमले के दंश भारत झेलता रहा है। जब कभी भी ऐसे हमले हुए हैं, अमरीका ने सिर्फ घडियाली आंसू ही बहाए हैं। सही मायने में तो अमरीका चाहता ही नहीं है कि पाकिस्तान पर ऐसी आतंकी वारदातों को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई करे। यही वजह है कि अन्य देशों की तरह अमरीका भी सिर्फ सहानुभूति जता कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लेता है। अमरीका बेशक इन हमलों के लिए सीधा जिम्मेदार नहीं हो, किंतु पाकिस्तान के साथ उसके सैन्य रिश्ते कहीं न कहीं आतंकवाद को प्रोत्साहित करते नजर आते हैं। यह पहला मौका नहीं है जब किसी अमरीकी विशिष्ट व्यक्ति के भारत दौरे के दौरान आतंकी वारदात हुई है। 20 मार्च 2000 की रात को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के चिट्टीसिंहपोरा गांव में 36 सिख ग्रामीणों का नरसंहार किया था। यह घटना अमरीकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की 21-25 मार्च की यात्रा से ठीक पहले हुई थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने क्लिंटन के सामने हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ होने का मुद्दा उठाया था। उस समय क्लिंटन जयपुर और आगरा के दौरे पर थे, जबकि विदेश मंत्री मैडलिन अलब्राइट और उप विदेश मंत्री स्ट्रोब टैलबोट भारतीय अधिकारियों से बातचीत करने के लिए दिल्ली में ही थे। वर्ष 2002 में जब दक्षिण एशियाई मामलों को लेकर अमरीकी असिस्टेंट सेक्रेटरी क्रिस्टीना बी रोका भारत की यात्रा पर थीं, तब 14 मई 2002 को जम्मू-कश्मीर के कालूचक के पास एक आतंकवादी हमला हुआ। तीन आतंकवादियों ने मनाली से जम्मू जा रही हिमाचल रोडवेज की बस पर हमला किया और सात लोगों की हत्या कर दी। इसके बाद आतंकी आर्मी क्वार्टर्स में घुस गए और अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 10 बच्चों, आठ महिलाओं और पांच सैन्य कर्मियों सहित 23 लोग मारे गए। मारे गए बच्चों की उम्र चार से 10 साल के बीच थी और इस हमले में कुल 34 लोग घायल हुए थे। इन आतंकी हमलों से जाहिर है कि पाकपरस्त आतंकियों ने हमला करने के लिए ऐसे वक्त का चुनाव किया जबकि कोई न कोई प्रमुख अमरीकी भारत यात्रा पर आया हो। आश्चर्य की बात यह है कि इन हमलों के बावजूद अमरीका ने कभी पाकिस्तान के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं की। कहने को अमरीका भारत को महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बताता है, किंतु हकीकत में उसका उद्देश्य सिर्फ व्यावसायिक हित साधना भर रहा है। अमरीका के व्यावसायिक हित सर्वोपरि हैं। भारत के भारी विरोध के बावजूद अमरीका ने पाकिस्तान को घातक एफ-16 लड़ाकू विमानों की बिक्री की। इतना ही नहीं, इनकी मरम्मत के नाम पर लाखों डालर की मदद भी अमरीका करता रहा है। अमरीका ने भारत के विरोध को नजरअंदाज करते हुए यह सैन्य मदद दी। अमरीका न सिर्फ भारत से दुश्मनी साधे हुए पाकिस्तान की हरसंभव मदद करता रहा है, बल्कि विदेशी धरती से भारत के खिलाफ साजिश करने वाले लोगों और देशों का सहयोग भी करता रहा है। कनाडा में आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में अमरीका ने कनाडा की पैरवी की। कनाडा फाइव आईज का सदस्य है। फाइव आईज में कनाडा के अहम सहयोगी अमरीका ने पिछले साल निज्जर हत्याकांड में भारतीय एजेंट्स की कथित संलिप्तता के कनाडा के आरोपों पर टिप्पणी की थी। अमरीकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा था कि हमने साफ कर दिया है कि कनाडा के आरोप बेहद ही गंभीर हैं, जिन्हें गंभीरता से लिया जाना चाहिए। हम चाहते थे कि भारत कनाडा की जांच में सहयोग करे, लेकिन भारत सहयोग नहीं कर रहा। इसके बजाय भारत ने एक वैकल्पिक रास्ता चुना है। इतना ही नहीं, अमरीका से भारत को आतंकी कार्रवाई की धमकी देने वाले खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एयर इंडिया की फ्लाइट को उड़ाने की धमकी दी। इस पर भी अमरीका ने जानबूझ कर नकेल नहीं कसी।

कुछ अलग

दिल देखो, बिल न देखो...

कौन कहता है कि सरकार काम नहीं कर रही? ऐसा कहने वालों को पहले अपने काले चश्मे उतारने चाहिए, वरना सरकार की पारदर्शिता कैसे दिखेगी? सरकार जनहित में इतनी संवेदनशील है कि अफवाह की फुसफुसाहट भी होती है तो खुफिया तंत्र तुरंत उसे पकड़ लेता है और बिना आव-ताव देखे जांच बैठ जाती है। क्योंकि सरकार जनहित को लेकर पूरी तरह समर्पित है। न कुछ गलत देख सकती है और न बर्दाश्त कर सकती है। इससे सरकार की कमिटमेंट और कार्यक्षमता की झलक दुनिया को मिल जाती है। नेताजी को खिलाया गया मुर्गा जंगली था या बेचारा देसी टाइप का था, सरकार ने राष्ट्रीय मीडिया में यह मामला उछलते ही फौरन पुलिस को सक्रिय कर दिया। जिन्होंने सोशल मीडिया और अखबारों में शहीद हुए मुर्गे को जंगली मुर्गी का नाम दे दिया था, उन पर केस दर्ज हो गए। पब्लिक को पता चल गया कि सरकार इस मामले में बहुत सख्त है। सरकार ने जांच बिठाई तो पता चला कि मुर्गा जंगली नहीं था। क्योंकि जंगली मुर्गी का जुगाड़ हो नहीं पाया था। क्योंकि जंगल में कोई जंगली मुर्गा बचा ही नहीं था। सब जान बचाकर इधर-उधर के राज्यों में भाग गए थे। फिर समोसा प्रकरण हुआ। समोसा नेता जी की प्लेट तक क्यों नहीं पहुंचा और रास्ते में कौन लोग उस समोसे को खा गए, इस बारे बड़ी-बड़ी खबरें छपी तो फिर सरकार ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए जांच बिठा दी। मामला फाइव स्टार समोसा और देसी हलवाई के समोसे के बीच उलझ कर रह गया। जांच रिपोर्ट आई और गई। जनता में चर्चा शुरू हुई और फिर खत्म हुई। समोसा पेट से बाहर नहीं आया। होली के दिन एक और मामला सामने आया। कुछ सीनियर अफसरों ने परिवार सहित नाच-गाना किया, भोज रचाया और जनता की आंखों में गुलाल झोंक कर सरकारी खजाने से बिल ट्रेजरी में भेज दिया। लेकिन दुर्भाग्यवश वह बिल सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। सरकार की इज्जत पर आंच आई। सरकार की फजीहत होने लगी तो सरकार ने फिर संवेदनशीलता का प्रदर्शन किया। लेकिन इस बार जांच उन अफसर पर नहीं बैठी जिन्होंने भोज किया था और बिल सरकार को प्रस्तुत कर दिया था, बल्कि उन पर बैठी जिन्होंने बिल लीक किया। यानी सरकारी खजाने से खाना-पीना तो जायज है, लेकिन बिल पब्लिक के सामने लीक कर देना बहुत बड़ा गुनाह है। अब लीक करने वालों पर एक्शन होगा। हो सकता है कि दो-चार बाबू सस्पेंड भी हो जाएं, क्योंकि सरकार संवेदनशील है। क्योंकि सरकार का रुख बहुत सख्त है। अपनी छवि को लेकर बहुत सतर्क है। सरकार सफेद मामलों में तो वाह-वाह ही लूटना चाहती है, लेकिन काले कारनामों पर पर्दा डाले रखना चाहती है। इसलिए फॉरेन जांच बिठा दी जाती है। कुछ महीने जांच चलती रहती है। फिर रिपोर्ट नेताजी के पास आती है। नेताजी के पलंग के नीचे फाइलों की मोटी गद्दियां हैं। हर गद्दी में एक जांच रिपोर्ट सो रही है और नेताजी उन्हीं के ऊपर सोते हैं पूरी तसल्ली से। पब्लिक को फिर किसी नई जांच का इंतजार रहता है और नई जांच के लिए किसी नए कारनामे का इंतजार रहता है। सरकार में कारनामे करने वाले बहुत गणमान्य लोग हैं। उन्हें ऐसे कारनामे करने का लंबा अनुभव है और उनके इस अनुभव को देखते हुए सरकार ने उन्हें ऊंचे पदों पर भी बिठा रखा है। हर जांच एक सरकारी नाटक है जिसमें कलाकार पुराने हैं, स्क्रिप्ट नई होती है। जनता दर्शक है। तालियां बजाती है और फिर भूल जाती है।

देश दुनीया से

संधि का स्थगन प्रदेश के विकास का आधार

पहलगाम हमले के विरोध में भारत सरकार ने प्रारंभिक स्तर पर जो कदम उठाए हैं, उनमें वर्ष 1960 में भारत-पाक के बीच वल्ड बैंक द्वारा व्यवस्थित सिंधु जल संधि को स्थगित करना भी शामिल है। भारत सरकार के इस निर्णय से हालांकि शुरुआती दौर में तो पाकिस्तान को ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा, पर अगर भारत इस संधि के तहत पाकिस्तान के हिस्से आई नदियों के जल प्रवाह की दिशा को परिवर्तित करने के लिए एक आधारभूत ढांचे का निर्माण कर लेता है, तो उत्तर भारत में खुशहाली की नई इबारत तो लिखी जाएगी ही, साथ में पाकिस्तान की लगभग 21 करोड़ की जनसंख्या सीधे तौर पर प्रभावित होगी जो पाकिस्तान को हमेशा के लिए घुटनों पर लाने के लिए काफी है। भारत सरकार अगर अपने इस निर्णय पर अडिग रहती है तो इसके दूरगामी परिणाम होंगे और पाकिस्तान के अस्तित्व पर ही संकट खड़ा हो सकता है। आज से 9 वर्ष पूर्व इसी विषय पर 'दिव्य हिमाचल' के संपादकीय में प्रकाशित मेरे एक लेख में मैंने इस भेदभावपूर्ण संधि में बदलाव के बारे में स्पष्ट लिखा था और कहा था कि अगर भारत पाकिस्तान के साथ हुई इस गलत संधि से पीछे हट जाता है तो पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद समेत कई समस्याओं का पूर्ण रूपेण सफाया हो जाएगा। भारत और पाकिस्तान के बीच लगभग 9 वर्षों की बातचीत के पश्चात 19 सितंबर 1960 को कराची में प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू व पाकिस्तानी राष्ट्रपति अयूब खान के बीच सिंधु जल संधि हुई थी। इस संधि के तहत भारत को तीन पूर्वी नदियों रावी, ब्यास और सतलुज का नियंत्रण मिला था, वहीं पाकिस्तान को झेलम, चेनाब और सिंधु नदी पर अधिकार मिला, हालांकि भारत पश्चिमी नदियों के भारत में बहने के दौरान कुछ हिस्से का सीमित मात्रा में उपयोग कर सकता था, परंतु यह कमोबेश पाकिस्तान की मर्जी पर ही निर्भर था। इस संधि को इसलिए भी भेदभावपूर्ण और गलत माना जाता रहा है क्योंकि इस संधि में भारत के हिस्से आई तीनों नदियों का कुल जल प्रवाह 41000 क्यूबिक फीट प्रति सेकंड है, वहीं अकेली सिंधु नदी का जल प्रवाह 233000 क्यूबिक फीट प्रति सेकंड है। दूसरे शब्दों में कहें तो भारत को इस समझौते से 30 फीसदी, तो पाकिस्तान को कुल 70 फीसदी पानी मिला और सबसे ज्यादा अपमानजनक पहलू तो यह था कि भारत को इस संधि की अनुसार 125 मीट्रिक टन सोना अथवा 6 करोड़ 20 लाख पाउंड पाकिस्तान को देने के लिए बाध्य किया गया और भारत की कमजोरी देखिए कि 1965 के युद्ध के बावजूद भारत ने दस वार्षिक किस्तों में यह धनराशि पाकिस्तान को दी। इसे भारतीय नेतृत्व की कमजोरी ही कहा जाएगा कि तीन युद्धों के बाद भी इस संधि को नहीं तोड़ा गया। इस संधि के टूटने से पाकिस्तान पर बहुत गहरा असर पड़ेगा। कृषि आधारित उसकी अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमरा जाएगी। पहले से ही कई तरह की आंतरिक समस्याओं में उलझा पाकिस्तान इस झटके को सहन करने की स्थिति में नहीं है। पाकिस्तान ने शायद सोचा ही नहीं था कि भारतीय नेतृत्व कभी इस हद तक जा सकता है। तीन युद्धों के पश्चात भी इस संधि के न टूटने को पाकिस्तान ने इसे भारतीय नेतृत्व की कमजोरी मान लिया था और शायद यही कारण रहा होगा कि वह वर्तमान सरकार के निर्णय लेने की क्षमता का आकलन करने में गलत साबित हुआ। अब वह इसे लेकर अपनी आदत के अनुरूप हाय-तौबा तो जरूर मचाएगा, पर होगा वही जो भारत चाहेगा। इस संधि का भविष्य क्या होगा, यह तो आने वाला समय ही तय करेगा, पर इतना निश्चित है कि अगर भारत सरकार चाहे तो आतंकवाद समेत कई बड़ी समस्याओं का निराकरण इस संधि के सहारे पाकिस्तान की गर्दन दबाकर कर सकता है। भारत को होने वाले लाभ को अगर हम एक तरफ कर दें और केवल हिमाचल की दृष्टि से इस संधि के टूटने से होने वाले प्रभावों का आकलन करें तो भविष्य में सबसे ज्यादा लाभ हिमाचल को होने वाला है। हिमाचल प्रदेश सरकार चाहे तो इस संधि के टूटने के बाद की परिस्थितियों का लाभ उठाकर स्वयं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कदम बढ़ा सकती है। सिंधु जल संधि के तहत पाकिस्तान के हिस्से में आने वाली पश्चिमी नदियों में से एक चंद्रभागा (चेनाब) नदी जम्मू-कश्मीर में मिलने से पहले लाहुल-स्पीति के तांदी से पांगी घाटी के पद्दर तक 136 किमी हिमाचल प्रदेश में बहती है। तांदी में चंद्रा और भागा का संगम होने से पूर्व चंद्रा नदी अपने उद्गम स्थल से 115 किमी व भागा लगभग 60 किमी का सफर तय करती है। पर इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि सुंदर प्राकृतिक दृश्यावलियों के बीच इतनी लंबी दूरी तय करने के बावजूद लाहुल और पांगी के साथ ही प्रदेश को सबसे ज्यादा जल घनत्व वाली इस नदी का कोई लाभ नहीं मिल पाया है। एक अनुमान के अनुसार चंद्रभागा नदी बेसिन में 11000 मेगावाट जल विद्युत उत्पादित करने की क्षमता है, पर सिंधु जल संधि के कारण आज तक हम एक मेगावाट विद्युत क्षमता का भी दोहन नहीं कर पाए हैं। दूसरी संभावना रन ऑफ रिवर (जिसमें बिना बांध के नदी प्रवाह के सहारे विद्युत उत्पादन) है, पर इसमें उत्पादित विद्युत को प्रदेश के दूसरे भाग में पहुंचाना एक बहुत बड़ी समस्या है क्योंकि यह सारा क्षेत्र हमेशा बर्फ से ढके रहने वाले पहाड़ों से घिरा हुआ है। ऐसे में एकमात्र विकल्प है कि पानी के प्रवाह को सुरंगों के सहारे मोडक़र प्रदेश के दूसरे भागों में विद्युत उत्पादित की जाए। सिंधु जल संधि के कारण हम चंद्रभागा नदी के प्रवाह को नहीं मोड़ सकते थे, पर 23 अप्रैल को इस संधि के स्थगित होने से अब ऐसी कोई बाध्यता नहीं रहेगी। छतड़ू (लाहुल) 2740 मी. पर यदि एक छोटा सा बांध बना कर चंद्रा नदी को मनाली (2000 मी.) की तरफ मोड़ दिया जाए तो मात्र 8 किमी की टनल बनाने से ही 700 मीटर के हेड पर 3000 मेगावाट से अधिक विद्युत उत्पादित की जा सकती है। ब्यास नदी बेसिन पर पहले से ही प्रदेश विद्युत विभाग और बीबीएमबी द्वारा तैयार किया गया जल विद्युत का आधारभूत ढांचा मौजूद है। लगातार जल उपलब्ध रहने के कारण वह अपनी पूर्ण क्षमता से विद्युत उत्पादन कर पाएंगे। दूसरा लाहुल के ही तींदी या मिंधल के पास से चंद्रभागा का प्रवाह मोड़ कर रावी में मिला दिया जाए तो विद्युत उत्पादन में हिमाचल नई ऊंचाईयां छू लेगा, साथ में सूखती नदियों को भी नया जीवनदान मिलेगा। चंद्रभागा नदी के प्रवाह को मोडऩे का सबसे ज्यादा लाभ उत्तर भारत के जल संकट से निपटने से मिलेगा।

आप का नजरीया

शहरी वजूद में खुली सांस

शहरी स्वच्छता के पैमानों में दम भरते हुए हिमाचल ने अपने नगरीय जीवन की नब्ज टटोली है। सूची के शिखर पर सोलन, तो अंतिम आठवें स्थान पर हमीरपुर रहा। आश्चर्य यह कि शिमला की स्वच्छता के अलंकार भी केवल सांतवां स्थान अर्जित कर पाए, जबकि धर्मशाला दूसरे स्थान पर रहा। स्वच्छ शहर-समृद्ध शहर की परिकल्पना में नगर निगमों की जमीन पर, शहरों की यह व्याख्या बता रही है कि इस सफर की कहानी कठिन है। यही सर्वेक्षण राष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल के शहरीकरण को कमजोर मानता है। यहां राजधानी शिमला अगर निचली पायदान पर नजर आ रही है, तो यह चिंता का विषय है। यह इसलिए भी कि स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत शिमला की स्वच्छता के आदर्श परिमार्जित होने चाहिएं, जबकि राजधानी का रुतबा लुढक़ गया। पर्वतीय शहरों की जरूरतें नागरिकों की बदलती जीवन शैली के कारण तीव्रता से बढ़ रही हैं और इसी परिप्रेक्ष्य में कचरा भी बढ़ रहा है। शहरों के वजूद को खुली सांस लेने में तकलीफ है। गलियां तंग हैं, गलियां बंद हैं, जबकि भविष्य की नाकेबंदी पर नागरिक असहमति का राज है। स्वच्छता के दर्पण में टीसीपी कानून और टीसीपी महकमा कहीं छटपटा रहा है। इन आठ शहरों की नगर विकास योजना या तो मुकम्मल नहीं या आज तक सक्षम नहीं। स्वच्छ शहर की अहर्ताओं को पहचाने बिना शहर न तो सक्षम और न ही समृद्ध होंगे। सोलन जिसे मूल्यांकन में टॉप पोजिशन मिली है, उसे भी नागरिक जरूरतों से जूझना पड़ रहा है। पिछले दशक में बेशक नागरिक समाज और समृद्ध तथा शुमारी में शहर आगे हो गया, लेकिन पूरे शहर में एंबुलेंस पहुंचानी हो तो शीर्षासन करना पड़ेगा। सडक़ों के किनारे खड़े वाहनों को हटाना हो, तो नियमावली बदलनी पड़ेगी। सार्वजनिक परिवहन की नई परिभाषा में इलेक्ट्रिक वाहन और रज्जु मार्गों का जाल बिछाना पड़ेगा। शहर में पार्किंग सुविधाओं और पार्कों में खुली सांस के लिए अतिरिक्त जमीन चाहिए। यह आज से सोचना पड़ेगा कि सोलन को कहां तक बढ़ाएं और कहां रोक दें। एक दिन इस सोलन में नया सोलन चाहिए। बेशक निजी व्यापारी पहाड़ खोद कर जमीन बेच रहे, लेकिन पर्वतीय शहर की आबरू बची कहां। शिमला का भविष्य 'राज्य राजधानी क्षेत्र' में बांटना होगा। शिमला अपने परिसर में कई सेटेलाइट टाउन की विरासत में खुद को बचा व संवार सकता है। इसके लिए वाकनाघाट में एक कर्मचारी नगर बसाकर वहां कुछ दफ्तर व सरकारी आवासीय व्यवस्था करनी होगी। धर्मशाला की स्मार्ट सिटी परियोजना 2109 करोड़ से सिमट कर 631 करोड़ की रह गई। यहां केंद्र ने 581 करोड़, जबकि राज्य ने मात्र 50 करोड़ दिए। आश्चर्य यह कि इस परियोजना को समझाने या आगे बढ़ाने के लिए सीमेंट-सरिया और ठेकेदारों के बीच एक जरिया ही समझा गया। कई योजनाओं के तिलक विभाग ले गए। एचआरटीसी को पंद्रह इलेक्ट्रिक बसें और एक वर्कशाप के लिए धन देकर भी शहर को सार्वजनिक परिवहन नहीं मिला। यह दीगर है कि स्वच्छता के नाम पर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट्स पर मेहनत हुई है।

जो जिस भाषा में समझेगा, उसी भाषा में जवाब देगा भारत : योगी

मुख्यमंत्री ने नाव पर बैठकर देखा शारदा नदी के चैनलाइजेशन का कार्य, 10 जून तक कार्य पूरा करने का निर्देश

लखीमपुर खीरी (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सभ्य समाज में आतंकवाद और अराजकता के लिए कोई जगह नहीं है। भारत सरकार का सेवा, सुरक्षा व सुशासन का मॉडल विकास, गरीब कल्याण और सबकी सुरक्षा पर आधारित है। सुरक्षा में सेंध लगाने वालों को जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत *जिस भाषा में समझेगा, उस भाषा में जवाब देने के लिए* नया भारत तैयार है। नया भारत किसी को छेड़ता नहीं, लेकिन छेड़ने वाले को प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में छोड़ेगा भी नहीं। जीरो टॉलरेंस नीति के अंतर्गत ही यूपी को माफिया, अराजकता, दंगा मुक्त किया और देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था के रूप में लाकर खड़ा किया। मुख्यमंत्री योगी शनिवार को लखीमपुर खीरी में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को ऋण, अनुदान, आवास व ट्रैक्टर के लाभार्थियों के आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने स्टीमर में बैठक बाढ़ नियंत्रण के लिए किए गए कार्य का मुआयना भी किया।

उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष पलिया व निघासन क्षेत्र के लोगों को बाढ़ से जूझते हुए देखा था, तब मैंने कहा था कि चिंता न कीजिए। इसके स्थायी समाधान का रास्ता निकालेंगे। जनप्रतिनिधियों के सहयोग से जलशक्ति विभाग बाढ़ के स्थायी समाधान के लिए शारदा नदी को चैनलाइज करने जा रहा है। इससे किसान का खेत भी बचेगा और बाढ़ से बस्ती भी बचेगी। सात किमी. लंबा चैनल बनाने का कार्य हो रहा है। अप्रैल के पहले सप्ताह में आना था, लेकिन मैंने कहा कि पहले काम शुरू करो। अब यह कार्य तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने उत्तर प्रदेश को आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का प्रदेश बताते हुए कहा कि बाढ़ हो या बीमारी, नए भारत का नया उप्र इसके समाधान के लिए बखूबी आगे बढ़ा है। योगी ने कहा कि सरकार जो पैसा खर्च करती है, वह मुख्यमंत्री-मंत्री का नहीं, बल्कि यह जनता के टैक्स का पैसा है। इसका सदुपयोग होना चाहिए। पहले प्रस्ताव आया था कि 180 करोड़ से तटबंध बनाया जाए। इससे किसानों की जमीन भी जाती। मैंने पूछा कि शारदा नदी में तीन-सवा तीन लाख क्यूसेक पानी आएगा तो मिट्टी का तटबंध कैसे इसे रोक पाएगा। यह समस्या का समाधान नहीं है। नदी को चैनलाइज कीजिये, ड्रेजर मंगाइये और नदी को एक साथ चलने का रास्ता दीजिये, तब बाढ़ की समस्या का समाधान होगा। यदि 180 करोड़ का काम मात्र 22 करोड़ में हो सकता है तो इस कार्य को 10 जून तक पूरा कर दीजिए। इससे 400 गांव, ढाई लाख आबादी, 10 हजार हेक्टेयर भूमि को बाढ़ से बचाव करने में मदद मिलेगी। उधर बाढ़ नियंत्रण की सकारात्मक पहल के लिए बिजवा व पलिया ब्लॉक के किसानों ने मंच पर आकर मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया। मुख्यमंत्री योगी ने सपा को घेरते हुए कहा कि विकास, महिला, युवा, किसान विरोधी लोगों को जब शासन का अवसर मिला था तो वे लोग किसानों को आत्महत्या, युवाओं को पलायन पर मजबूर करते थे। पेशेवर अपराधियों को संरक्षण देकर बेटी, बहन व व्यापारियों की सुरक्षा में सेंध लगाते थे। आज शासन सबकी सुरक्षा के लिए मजबूती से कार्य कर रहा है। कांग्रेस व सपा जाति के नाम पर समाज को बांट रही है। यह छत्रपति शिवाजी, राणा सांगा का अपमान व क्रूर औरंगजेब-बाबर का महिमामंडन करते हैं। अखिलेश यादव जिन्ना का महिमा मंडन किया था। इस दौरान जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल, विधायक हरविंदर कुमार उर्फ रोमी साहनी, विनोद शंकर अवस्थी, अमन गिरि, लोकेंद्र प्रताप सिंह, योगेश वर्मा, मंजू त्यागी, शशांक वर्मा, सौरभ सिंह सोनू, भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह, कमिश्नर रोशन जैकब, जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल आदि मौजूद रहीं। सीएम योगी ने भोलेराम, बालचंद्र, पृथ्वी लाल को ट्रैक्टर व मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लाभार्थी सनेव, मीना देवी, नीतू, कुसुमा, रीमा को आवासों की चाबी दी। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 358 समूहों को रिवाल्विंग फंड तथा 882 समूहों को सीआईएफ का डेमो चेक (14 करोड़, 30 लाख, 40 हजार) दिया गया। यह चेक सुनीता देवी, रेनु, अर्चना, शबाना, रंजू देवी ने प्राप्त किया। सीएम युवा उद्यमी विकास अभियान के लाभार्थी अहिल्या राणा, वैशाली दिवाकर, हिमांशु जायसवाल, विनीत कुमार पटेल और रचित अग्रवाल को सीएम ने चेक प्रदान किया।

जोधपुर में भगवा ध्वज का अपमान

देवता चित्रित ध्वज को पैरों से रौंदा, बाजार बंद

जोधपुर (हिंस)। शहर में शुक्रवार को मोती चौक क्षेत्र में इजराइल झंडे के अपमान के बाद एक बार फिर घिनौनी करतूत समाज विशेष के व्यक्ति द्वारा की गई है। इससे भीतरी शहर का माहौल तनावपूर्ण बन गया है। गर्माए माहौल के बीच व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठानों को बंद कर सड़क पर ही हनुमान चालीसा का पाठ करना शुरू कर दिया है। शहर के के अंदरूनी क्षेत्र घोड़ों का चौक में आज सुबह माहौल गर्माया है। भगवा अथवा देवता चित्रित एक झंडे को समाज विशेष के व्यक्ति ने अपने पैरों तले रौंद दिया। जिसका सीसीटीवी फुटेज वायरल हुआ है। इस घटनाक्रम को लेकर भीतरी शहर में अब माहौल गर्माया हुआ है। दरअसल घोड़ों का चौक वर्द्धमान अस्पताल रोड पर आज सुबह माहौल गर्मा गया। बताया गया कि क्षेत्र में रहने वाले एक बंगाली सुनार शेख इशराफुद्दीन ने भगवा ध्वज जोकि देवता चित्रित था। उसे अपने पैरों तले रौंदने के साथ मसल दिया। इसका सीसीटीवी फुटेज जब सामने आया तो घोड़ों में समस्त व्यापारीगण एकत्र हो गए और विरोध जताने लगे। व्यापारियों ने तत्काल बाजार बंद कर दिया और बीच सड़क पर हनुमान चालीसा का पाठ शुरू कर दिया। बिगड़ते माहौल के बीच भारी पुलिस बल को लगाया गया। इधर माहौल बिगडने के बीच ही बंगाली सुनार शेख इशराफू द्दीन ने सोजती गेट पुलिस चौकी की शरण ले ली और पब्लिक से अपना बचाव कर डाला। व्यापारियों में जबरदस्त आक्रोश नजर आया और वे कार्रवाई की मांग करने लगे। पुलिस के खिलाफ भी नारेबाजी की। बता दें कि शुक्रवार को भी सीसीटीवी फुटेज और फोटो वायरल हुए थे।

वन नेशन वन इलेक्शन से बढ़ेगी भारत की जीडीपी : नीरज सिंह

लखनऊ (हिंस)। *वन नेशन वन इलेक्शन* अभियान के अंतर्गत भारतीय जनता युवा मोर्चा की ओर से सुभाष गर्ल्स डिग्री कॉलेज अलीगंज में गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में बड़ी संख्या में छात्रों की उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि के तौर पर गोष्ठी को संबोधित करते हुए भाजपा नेता नीरज सिंह ने कहा कि *वन नेशन वन इलेक्शन* से भारत की जीडीपी बढ़ेगी। उन्होंने कहा जब तक 140 करोड़ भारतीय एक दिशा में एक लक्ष्य निर्धारित करके नहीं चलेंगे तब तक श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को पूरा नहीं किया जा सकता। कई राजनीतिक दलों ने अपने संकीर्ण मानसिकता के कारण इस परिवर्तन को नहीं होने दिया। पूरे चुनाव का पैटर्न जो आजाद भारत के अंदर था हर 5 साल में चुनाव होंगे उसे जो पूरे पैटर्न को बदलने का काम हमारे उस समय के राजनीतिक दलों ने किया । नीरज सिंह ने कहा कि लोकसभा चुनाव, विधान सभा का चुनाव, नगर निकाय के चुनाव व पंचायत चुनाव अलग-अलग होते हैं। इससे चुनाव कराने में खर्चा अधिक लगता है। अगर हम केवल एक चुनाव कर दें तो आपको जानकर हैरानी होगी कि हमारे भारत की जीडीपी बढ़ जाएगी और जो हमने कल्पना की है एक विकसित राष्ट्र के रूप में हमारी यात्रा तेजी से आगे बढ़ेगी। इस अवसर पर कॉलेज की प्रिंसिपल रश्मि विस्नोई, प्रदेश उपाध्यक्ष युवा मोर्चा अनुभव द्विवेदी, युवा मोर्चा के महानगर अध्यक्ष मानवेन्द्र प्रताप सिंह, नगर उपाध्यक्ष घनश्याम अग्रवाल, महानगर मीडिया प्रभारी निखिल उपाध्याय, अभियान संयोजक अमित त्रिपाठी, मंडल अध्यक्ष चंद्रशेखर गुप्ता, पार्षद स्वदेश सिंह, युवा मोर्चा महामंत्री अभीषेक गुप्ता, उपाध्यक्ष सौरभ तिवारी, अतुल सिंह, सचिन सोनकर, समर्थ सिन्हा की उपस्थिति रही।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम से भीम सेना अध्यक्ष को मिली गोली मारने की धमकी

गुरुग्राम (हिंस)। लॉरेंस बिश्नोई गैंग की ओर से गुरुग्राम निवासी व भीम सेना अध्यक्ष सतपाल तंवर को गोली मारने की धमकी मिली है। सतपाल तंवर ने इसकी शिकायत पुलिस से की है। आरोप है कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शूटर ने सतपाल तंवर की पत्नी से भी फोन पर बदतमीजी की है। कॉल रिकार्डिंग के आधार पर मामला दर्ज कर पुलिस सतर्क हो गई। गुरुग्राम के गांव खांडसा निवासी व भीम सेना के अध्यक्ष सतपाल तंवर ने पुलिस को एक शिकायत देकर कहा है कि बाबा साहेब आंबेडकर की जयंती पर वह मुंबई में था। इसी दौरान उसके गुरुग्राम कार्यालय पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम ओ किसी ने फोन करके उसे गोली मारने की धमकी दी है। फोन करने वाले व्यक्ति ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का शूटर बताया। तंवर के मुताबिक फोन उठाने पर उसकी पत्नी के साथ भी

बदतमीजी की गई और अश्लील शब्दों का प्रयोग किया गया। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर दिया है। शनिवार को थाना सेक्टर 37 के प्रभारी ने बताया कि इस मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपितों को गिरफ्तार किया जाएगा। घटना के संबंध में सतपाल तंवर का कहना है कि उसे कई बार फोन आ चुका है और अपॉइंटमेंट लेकर गोली मारने की धमकी दी जा रही है।

हम अब कहीं नहीं जाएंगे, एनडीए के साथ ही रहेंगे : नीतीश कुमार

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जदयू पार्टी कार्यालय स्थित कर्पूरी सभागार में बिहार जदयू विधि प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित अधिवक्ता समागम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हम शुरू से एनडीए के साथ रहे हैं, बीच में हम उधर चले गए थे लेकिन अब कहीं नहीं जाएंगे, एनडीए के साथ ही रहेंगे। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत खुशी की बात है कि हाल ही में जदयू विधि प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। मुझे पूरा विश्वास है कि विधि प्रकोष्ठ के अधिवक्ता साथी पार्टी को मजबूती प्रदान करेंगे। आप सब न्याय के साथ विकास के सरकार के संकल्प को जमीन पर क्रियान्वित करने में सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि आगामी बिहार विधान सभा चुनाव में पूरी मजबूती के साथ पार्टी को जीत दिलाने में आप लोग अपना पूरा योगदान देंगे। आप सबसे आग्रह है कि पूरी ताकत से एकजुट होकर काम करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोगों ने समाज के सभी वर्गों एवं राज्य के सभी क्षेत्रों के विकास के लिए काम किया है। महिलाओं के उत्थान

के लिए काफी कार्य किया गया है। न्याय के साथ विकास के सरकार के संकल्प को जमीन पर क्रियान्वित करने का आप सभी संकल्प लें। इस अवसर पर जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, ऊर्जा सह योजना एवं विकास मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार सहित सभी जिलों से आये हुए बड़ी संख्या में अधिवक्तागण एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शहर में भीषण पेयजल संकट

लोगों ने किया जोधपुर- जयपुर हाईवे जाम, लगी वाहनों की कतारें

जोधपुर (हिंस)। शहर में बढ़ती गर्मी और इंदिरा गांधी नहर क्लोजर के बाद हर वर्ष पेयजल संकट गहरा जाता है। मगर जलदाय विभाग इस ओर ध्यान नहीं देता है। इस बार भी यह ही हाल शहर और आस पास के गांवों का हो रखा है। जलदाय विभाग लाख दावें कर रहा है पेयजल संकट नहीं आएगा। मगर विगत पंद्रह दिनों में शहर में पानी को लेकर त्राहि- त्राहि मची हुई है। शहर के कई इलाकें पेयजल संकट से बुरी तरह गुजर रहे है। आज सुबह जोधपुर जयपुर हाइवे पर ऐसा ही नजारा देखने को मिला पानी की मांग को लेकर लोग सड़क पर उतर आए। हाइवे को जाम कर दिया। आने जाने वाले वाहन रूक गए। जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गई। विरोध स्वरूप महिलाएं भी सड़क पर उतरीं और मटकियां फोड़कर प्रदर्शन किया। शहर में गर्मी की दस्तक के साथ ही पेयजल आपूर्ति में कटौती करनी जलदाय विभाग ने शुरू कर दी और महिने में घोषित चार दिन और अघोषित छह दिन की कटौती के चलते पेयजल की समस्सया गहराती जा रही है। दूसरी तरफ जलदाय विभाग और डिस्कॉम की मिलीभगत कहे या शहरवासियों का दुर्भाग्य कि पेयजल आपूर्ति के समय अधिकांश क्षेत्रों में बिजली कटौती भी हो रही है। आज सुबह भी बनाड़ क्षेत्र में पेयजल की अनियमित सप्लाई से परेशान लोगों के सब्र का प्याला छलक उठा और उन्होंने जोधपुर जयपुर हाईवे पर ही रास्ता जाम कर दिया। अचानक हुए रास्ता जाम की घटना से इस मुख्य सड़क पर दोनों तरफ वाहनों की लम्बी कतारें लग गई। पुलिस और प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी मौके पर पहुंचे और समझाइश के प्रयास कि ए। इस दौरान आक्रोशित महिलाओं और क्षेत्रवासियों ने सड़क पर जमकर मटकियां फोड़कर आक्रोश भी व्यक्त किया।

भारत-पाक सीमा पर फेंसिंग पार की जमीनों से दो दिन में फसल काटने के निर्देश

चंडीगढ़ (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद हुई सख्ती ने पंजाब के किसानों की चिंता बढ़ा दी है। प्रशासन ने शनिवार को पंजाब के सीमावर्ती गांवों में मुनादी कराते हुए कहा है कि सीमा पार फेंसिंग के पार खेतों की फसल 24 घंटे के भीतर काट लें। रविवार शाम को गेट बंद कर दिए जाएंगे। गुरुद्वारों से आज दिनभर ऐसी ही अनाउसमेंट होती रही। आज इस ऐलान को लेकर आज पूरे दिन किसानों में अफरा-तफरी मची रही। हालांकि बीएसएफ की तरफ से इस संबंध में अधिकारिक तौर पर कोई बयान जारी नहीं किया गया है। दरअसल पंजाब के अमृतसर, तरनातरन, गुरदासपुर, फिरोजपुर व फाजिल्का जिलों में बहुत से गांव ऐसे हैं, जिनके किसानों की आधी जमीन भारत और आधी पाकिस्तान में आती है। यह किसान रोजाना बीएसएफ के साथ फैंसिंग पार खेती के लिए जाते हैं। इन किसानों के रोजाना आठ घंटे बार्डर पर ले जाया जाता है। इसी दौरान तीन दिन पहले किसानों के साथ गए बीएसएफ के एक जवान को पाकिस्तान के सैनिकों ने हिरासत में ले लिया है। फ्लैग बैठक के बावजूद जवान को अभी तक रिहा नहीं किया गया है। जिसके चलते यहां तनाव और बढ़ गया है। इस संबंध में जमहूरी किसान सभा के प्रधान डॉ. सतनाम सिंह अजनाला ने बताया कि पाकिस्तान से लगते सरहदी जिलों अमृतसर, तरनतारन, गुरदासपुर, पठानकोट, फिरोजपुर और फाजिल्का में बार्डर से लगी तार के पार 22, 000 एकड़ खेती योग्य जमीन है। इसमें से 90 फीसदी पर खेती होती है। अमृतसर जिले की बात करें तो यहां की 2500 एकड़ जमीन फैंसिंग पार है। अजनाला ने कहा कि फसल तो 80 फीसदी कट गई है लेकिन तड़ी (भूसा) बनाने के लिए नाड़ अभी खेतों में खड़ी है। उनका कहना है कि इस फरमान से किसान तूड़ी नहीं बना सकेगा। बार्डर एरिया संघर्ष कमेटी के प्रधान डॉ. रतन सिंह रंधावा ने बताया कि सरकार ने भले ही यह कदम सुरक्षा के मद्देनजर उठाया है, लेकिन इससे किसानों को बहुत ज्यादा नुकसान होगा। भारतीय किसान यूनियन एकता उगराहां के जिला प्रधान कश्मीर सिंह ने बताया कि हमारा भले ही नुकसान हो लेकिन पाकिस्तान को सबक सिखाने का वक्त आ गया है।

बीएसएफ ने पकड़ा पाकिस्तानी ड्रोन व ड्रग

चंडीगढ़ (हिंस)। बीएसएफ ने सीमा पार से होने वाली हथियारों व नशीले पदार्थों की तस्करी के विरूद्ध कार्रवाई कर पंजाब के अमृतसर व तरनतारन से हथियार व ड्रग बरामद किया है। बीएसफ से मिली जानकारी के अनुसार पंजाब में कई समन्वित सर्च अभियानों के दौरान मैगजीन के साथ एक पिस्तौल, एक डीजेआई माविक 3 क्लासिक ड्रोन और संदिग्ध हेरोइन के 4 पैकेट (कुल वजन लगभग 1.935 किलोग्राम) बरामद किए। बीएसएफ ने अमृतसर के गांव दाओके में एक खेत से 302 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है। इसके अलावा गुरदासपुर के थेथरके गांव में एक घर के पास एक डीजेआई माविक ड्रोन बरामद किया है।

होटल में चल रही रेव पार्टी पर पुलिस ने मारी रेड : चालीस युवक-युवतियां गिरफ्तार

जयपुर (हिंस)। बगरू थाना थाना इलाके में शुक्रवार-शनिवार की मध्यरात्रि को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक होटल में चल रही रेव पार्टी पर छापेमारी करते हुए चालीस युवक-युवतियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान बड़ी मात्रा में शराब जब्त की गई। इसके अलावा होटल संचालक को भी शराब परोसते गिरफ्तार किया गया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि बगरू थाना थाना इलाके में शुक्रवार-शनिवार की मध्यरात्रि को सूचना मिली थी कि इलाके के हिम्मतपुरा स्थित होटल कैएलम अथर्वा पैलेस एंड रेस्टोरेंट में रेव पार्टी चल रही है। इसके बाद कुछ पुलिसकर्मियों को सादा वर्दी में मौके पर भेज कर तस्दीक कराई गई। जहां पुलिसकर्मियों के इशारा मिलने पर रात डेढ़ बजे बगरू और बिंदायका थाने का जाब्ता मौके पर भेजा गया। जहां पुलिस कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में युवक-युवती नशे की हालत में मिले तो कुछ पुलिस को देखकर भागने का प्रयास

करने लगे। जिन्हे पकड़ कर पूछताछ की गई और साथ ही होटल संचालक को मौके पर बुलाया गया। पुलिस ने होटल संचालक से शराब परोसने संबंधित आबकारी के दस्तावेज मांगे गए। लेकिन संचालक दस्तावेज नहीं दिखा पाया। इसके बाद होटल संचालक मुकेश गुर्जर को गिरफ्तार किया गया। वहीं होटल में चल रही रेव पार्टी के दौरान सोयब निवासी शास्त्री नगर, रोनक निवासी वैशाली नगर, लोकेश निवासी सवाई माधोपुर, मोहरसिंह निवासी सांगानेर, मुकेश शर्मा निवासी बगरू, प्रदीप सुराण निवासी बीकानेर, नवीन सैनी निवासी झुन्झुनू, चन्द्रप्रकाश गर्ग निवासी सवाई माधोपुर, अनिल केडिया निवासी महेश नगर, सतीश सैनी निवासी महेशनगर, शैलेन्द्र गोयल निवासी बांरा, आशिष खंडेलवाल निवासी कोटा, सिराजुद्दीन निवासी शास्त्रीनगर, आशिष शर्मा निवासी बगरू, निखिल माहेश्वरी निवासी यूपी, साबीर निवाीस शास्त्रीनगर, राजेन्द्र कुमार निवासी शाहपुरा, भागीरथ कुमार निवासी कोटपुतली, सुनील निवासी भीलवाड़ा, विकास खंडेलवाल निवासी कोटा, रामनिवासी निवासी मुरलीपुरा, महिपाल निवासी नागौर, बनवारी लाल निवासी झोटवाड़ा, जितेन्द्र कुकरेजा निवासी कोटा, राहुल स्वामी निवाी कालवाड़, रामसिंह निवासी झुन्झुनू, रामप्रकाश निवासी मुहाना, मंजित सैनी निवासी सवाई माधोपुर, महेन्द्र सैनी निवासी सवाई माधोपुर, विष्णु रैगर निवासी अजमेर, मुरलीधर निवासी टोंक, सोहन शर्मा निवासी बगरू, गिर्राज सैनी निवासी मानसरोवर, भोलानाथ शर्मा निवासी ज्योतिनगर, मोहनलाल शर्मा निवासी बगरू, रणजीत सिंह निवासी वैशाली नगर, नरपतराम निवासी नागौर और कपिल निवाी कोटा को गिरफ्तार किया गया। सभी लोगों को बिंदायका थाने में रखा गया है।

योगी सरकार में सुदृढ़ हो रहे नदियों के तटबंध, बाढ़ से बचेंगे गांव

योगी सरकार ने राप्ती, रोहिन, घाघरा, कुआनो और गुर्रा नदियों के तटबंध पर कराए हैं कार्य

गोरखपुर (हिंस)। दशकों तक बाढ़ की विभीषिका को झेलने के लिए अभिशप्त रहे गोरखपुर को बाढ़ बचाव के लिए संवेदनशील योगी सरकार की समयबद्ध कार्ययोजना का सकारात्मक परिणाम साल दर साल दिख रहा है। 2017 के बाद से लगातार हो रहे बाढ़ सुरक्षा के कार्यों से नदियों के तटबंध सुरक्षित होते गए और जिले में होने वाली व्यापक हानि में अभूतपूर्व कमी आई है। योगी सरकार में नदियों के तटबंधों को सुरक्षित करने का सिलसिला लगातार जारी है और इससे बड़े पैमाने पर गांवों को बाढ़ की त्रासदी से बचाने में कामयाबी मिली है। इसी सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए इस साल भी बाढ़ की दस्तक से काफी पहले ही गोरखपुर में 119 करोड़ रुपये से अधिक की बाढ़ बचाव परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं। आगामी दिनों में इन कार्यों का लोकार्पण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों संभावित है।

गोरखपुर में बाढ़ खंड, बाढ़ खंड-2 और ड्रेनेज खंड ने कुल मिलाकर बाढ़ सुरक्षा की 27 परियोजनाओं को पूर्ण कर लिया है। सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता विकास सिंह के अनुसार ये परियोजनाएं राप्ती, रोहिन, घाघरा, गुर्रा, कुआनो नदियों के तटबंधों और इन तटबंधों के आसपास बसे गांवों को मानसून में बाढ़ की त्रासदी से बचाने की हैं। इन परियोजनाओं का लाभ जिले की सात विधानसभा क्षेत्रों गोरखपुर ग्रामीण, चौरीचौरा, खजनी, बांसगांव, सहजनवां, कैं पियरगंज और चिल्लूपार की जनता को मिलेगा। उल्लेखनीय है कि बीते कुछ सालों से गोरखपुर में बाढ़ की स्थिति पर काफी नियंत्रण पा लिया गया है। जबकि एक लंबे समय तक बाढ़ की त्रासदी इसकी पहचान से जुड़ गई थी। 1998 की प्रलयंकारी बाढ़ तो आज भी लोगों को याद है। बाढ़ पर काबू पाने का सिलसिला तब शुरू हुआ जब 2017 में योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बने। अपने संसदीय कार्यकाल से ही वह जिले में आने वाली बाढ़ से वाकिफ थे। लिहाजा मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने कार्ययोजना बनवाकर जहां जरूरत हुई वहां नदियों की ड्रेजिंग कराई, नदियों की धारा को चैनलाइज कराया, बड़े पैमाने पर बंधों पर बोल्डर पिचिंग के काम कराए।

राजस्थान में तेज गर्मी कई जिलों में लू और धूलभरी आंधी का अलर्ट

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में शुक्रवार को गर्मी का प्रकोप तेज रहा। बाड़मेर, पिलानी और गंगानगर में अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वहीं जैसलमेर, बीकानेर, जयपुर और अलवर सहित कई जिलों में दोपहर बाद बादल छाए रहे। शनिवार को भी कई शहरों मेंआसमान में बादल छाए रहे। मौसम विभाग ने 27 अप्रैल से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की जानकारी दी है, जिसके चलते प्रदेश के 15 जिलों में आंधी और बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही, पश्चिमी राजस्थान में हीटवेव की चेतावनी देते हुए ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया गया है। इन क्षेत्रों में अगले तीन से चार दिनों तक दोपहर में धूलभरी आंधी चलने की आशंका जताई गई है। शुक्रवार को सबसे अधिक तापमान पिलानी 44.5 डिग्री सेल्सियस और बाड़मेर 44.4 डिग्री सेल्सियस में दर्ज किया गया।

वीजा रद होने के बाद एक भी पाकिस्तानी बिहार में नहीं रहेगा, शीघ्र कार्रवाई होगी : सम्राट चौधरी

पटना (हिंस)। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 26 हिंदू पर्यटकों की हत्या के बाद भारत सरकार ने आतंकवाद प्रायोजित करने वाले पाकिस्तान के नागरिकों का वीजा रद करने का जो फैसला किया है, वह बिहार में भी पूरी तरह लागू होगा। हर पाकिस्तानी नागरिक को वापस जाना पड़ेगा । चौधरी ने कहा कि पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे में भारत छोड़ देने को कहा गया है और यह समय सीमा कल 27 अप्रैल को समाप्त हो रही है। उन्होंने कहा कि बिहार में जो पाकिसानी नागरिक रह रहे हैं, उनकी पहचान कर ली गई है और जरूरत पड़ी तो उन्हें डिपोर्ट किया जाएगा। वीजा रद होने के बाद किसी पाकिस्तानी के यहां रहने का कोई उपाय नहीं, जो नहीं जाएंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। चौधरी ने कहा कि पहलगाम की आतंकी हिंसा भारत पर हमला है। दुख और आक्रोश के इस समय में पूरा देश एकजुट है। इस पर किसी को राजनीति नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब बिहार की धरती से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद के आकाओं को मिट्टी में मिला देने का कड़ा संकल्प ले लिया है, तो उसे पूरा करने में बिहार हर कदम पर साथ खड़ा रहेगा। चौधरी ने कहा कि यदि पाकिस्तान ने पहलगाम नरसंहार में अपनी नापाक संलिप्तता स्वीकार करने के बजाय भारत से टकराव का रुख अपनाया और पिछले युद्ध के बाद हुआ शिमला समझौता रद कर दिया है, तो यह अच्छा ही है। अब भारत उनकी सीमा में घुसकर बदला लेगा।

जेनसोल के खिलाफ इरेडा ने दर्ज कराई शिकायत दोनों कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट

नई दिल्ली

संकट में फंसी जेनसोल इंजीनियरिंग लिमिटेड की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। इलेक्ट्रिक वाहन फाइनेंसिंग के लिए कर्ज देने वाली सार्वजनिक क्षेत्र की संस्था भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (इरेडा) ने कंपनी और इसके प्रवर्तकों के खिलाफ अनुबंध उल्लंघन का आरोप लगाते हुए आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) में शिकायत दर्ज कराई है।

इरेडा ने कहा कि जेनसोल के प्रवर्तकों ने उनकी मंजूरी के बिना अपनी शेयरहोल्डिंग घटाई, जो सीधे तौर पर कॉन्ट्रैक्ट का उल्लंघन है। इरेडा ने 24 अप्रैल को इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। कंपनी ने शेयर बाजार को जानकारी दी कि जेनसोल के हालिया घटनाक्रमों के मद्देनजर आंतरिक समीक्षा शुरू की गई है और आरबीआई के दिशानिर्देशों का पालन किया जा रहा है।

हालांकि, इरेडा ने स्पष्ट किया कि जेनसोल का कर्ज खाता अभी एनपीए घोषित नहीं हुआ है। इस मामले की बारीकी से जांच की जा रही है और समीक्षा के आधार पर आगे वसूली के कदम उठाए जाएंगे।

ईडी ने तेज की कार्रवाई

इस बीच, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी जेनसोल इंजीनियरिंग और इसके प्रवर्तकों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत दिल्ली, गुरुग्राम और अहमदाबाद में कंपनी के परिसरों पर छापेमारी की गई और सह-प्रवर्तक पुनीत सिंह जग्गी को दिल्ली के एक होटल से हिरासत में लिया गया। यहां बताते चलें कि कथित वित्तीय अनियमितताओं और धन के हेरफेर के आरोपों के चलते कंपनी के प्रवर्तक अनमोल सिंह जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी जांच के घेरे में हैं। इस घटनाक्रम का असर शेयर बाजार पर भी देखने को मिला। शुक्रवार को जेनसोल इंजीनियरिंग के शेयर 4.96 फीसदी गिरकर 91.05 रुपये पर बंद हुए, जो पिछले 52 हफ्तों का सबसे निचला स्तर है। वहीं, इरेडा के शेयर भी 4.40फीसद टूटकर 167.40 रुपये पर बंद हुए।

न्यूज ब्रीफ

चोलामंडलम इनवेस्टमेंट का शानदार मुनाफा, गोल्ड लोन बिजनेस में उतरने की तैयारी

नई दिल्ली। चोलामंडलम इनवेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी ने मार्च 2025 तिमाही में शानदार प्रदर्शन करते हुए 1,058 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है। यह मुनाफा पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 24 प्रतिशत ज्यादा है। वित्त वर्ष 2024 की मार्च तिमाही में कंपनी का मुनाफा 853 करोड़ रुपये था। कंपनी ने ऐलान किया है कि वह जल्द ही गोल्ड लोन बिजनेस में भी कदम रखेगी। इस खबर के बाद कंपनी के शेयर शुक्रवार को बीएसई पर 1,541.20 रुपये पर बंद हुए। मार्च तिमाही में कंपनी की नेट इंटरेस्ट इनकम 30.8 प्रतिशत बढ़कर 2,006.9 करोड़ रुपये रही। इसी अवधि में कुल डिस्बर्समेंट्स 18 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 24,784 करोड़ रुपये पर पहुंच गए, जो एक साल पहले 21,020 करोड़ रुपये थे। चोलामंडलम का एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) 31 मार्च 2025 तक 1.53 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है, जो सालाना आधार पर 36 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

ओसामु सुजुकी की याद में होगी ओएससीओई सेंटर की स्थापना

नई दिल्ली। भारत में जापनी कंपनी सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन और मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने ओसामु सुजुकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (ओएससीओई) स्थापित करने का प्रस्ताव पेश किया है। दिल्ली के यशोभूमि में एक स्मरण समारोह के दौरान यह घोषणा की गई, जिसमें स्वर्गीय ओसामु सुजुकी को श्रद्धांजलि दी गई। ओएससीओई का उद्देश्य भारत में मैन्युफैक्चरिंग के विभिन्न क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देना है। इसे गुजरात और हरियाणा में स्थापित करने का प्रस्ताव है। यह केंद्र भारतीय सप्लाई चेन को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत बनाने के लिए कंपोनेंट निर्माताओं के स्टैंडर्ड को सुधारने में मदद करेगा। साथ ही, जापानी मैन्युफैक्चरिंग फिलॉसफी को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों और सेमिनारों का आयोजन भी किया जाएगा। यह पहल देश के मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र के भविष्य में अहम योगदान करेगी। मालूम हो कि ओसामु सुजुकी का 25 दिसंबर, 2024 को निधन हो गया था। स्वर्गीय ओसामु सुजुकी ने भारत में जापानी मैन्युफैक्चरिंग पद्धतियों का परिचय कराया, जिसने न केवल मैन्युफैक्चरिंग की प्रतिस्पर्धा को बढ़ाया, बल्कि देश में समावेशी और सामंजस्यपूर्ण समाज की दिशा में भी योगदान दिया। उनकी इन पद्धतियों के परिणामस्वरूप मारुति सुजुकी की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अब उनके योगदान को सम्मानित करने के लिए और उनकी मैन्युफैक्चरिंग फिलॉसफी को बढ़ावा देने के लिए ओएससीओई का गठन किया जा रहा है।

स्मार्टफोन्स रेजर 60 अल्ट्रा और एग्ज 60 प्रो लांच

नई दिल्ली। स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी मोटोरोला के दो नए फ्लैगशिप स्मार्टफोन्स रेजर 60 अल्ट्रा और एग्ज 60 प्रो जल्द ही लॉन्च हो सकते हैं। यह स्मार्टफोन माउंटेन ट्रेल और स्कारब रंगों में दिखाई दिया है। वहीं मोटोरोला एग्ज 60 प्रो को 12जीबी प्लस512जीबी वेरिएंट के लिए करीब रुपए 58,100 में लिस्ट किया गया है, जिसे डेजलिंग ब्लू और शैडो कलर में पेश किया जा सकता है। मोटोरोला रेजर 60 अल्ट्रा का 16 जीबी रैम और 512जीबी स्टोरेज वेरिएंट लगभग रुपए1,26,100 में उपलब्ध होगा। रेजर 60 अल्ट्रा में स्नैपड्रैगन 8 एलीट चिपसेट, 16जीबी रैम और 512जीबी स्टोरेज की उम्मीद है। इसका मेन फोल्डिंग डिस्प्ले 7 इंच का एलटीपीओ अमोलेड होगा, जो 165एचझेड रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करेगा, जबकि बाहर की ओर 4 इंच का कवर अमोलेड डिस्प्ले मिलेगा। फोटोग्राफी के लिए इसमें 50एमपी के दो रियर कैमरे और 50एमपी सेल्फी कैमरा हो सकता है। 4500एमएएच बैटरी के साथ 68वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट की भी जानकारी लीक हुई है। फोन का वजन 199 ग्राम और डायमेंशन 74गुणा171.5गुणा7.19 एमएम बताया गया है। इसमें रिंग होल्डर वाला प्रोटेक्टिव केस और दो साल की वारंटी भी मिलने की संभावना है। दूसरी ओर, एग्ज 60 प्रो में स्नैपड्रैगन 8जेन 2 प्रोसेसर और 12जीबी रैम मिल सकती है।

सरकार देशभर में ग्रीनफील्ड औद्योगिक स्मार्ट शहर विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध : राजू श्रीनिवास वर्मा

पलक्कड़ औद्योगिक स्मार्ट सिटी केरल के औद्योगिक परिदृश्य को नया आकार देगी

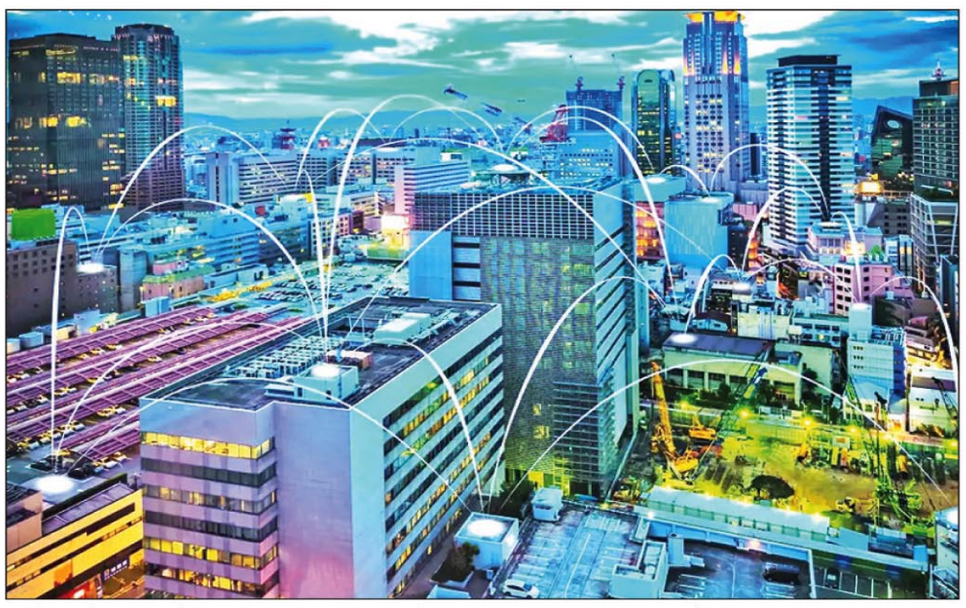

नई दिल्ली

केंद्रीय भारी उद्योग, सार्वजनिक उद्यम और इस्पात राज्यमंत्री भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा ने शनिवार को कहा कि सरकार देशभर में अत्याधुनिक ग्रीनफील्ड औद्योगिक स्मार्ट शहरों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। वर्मा ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान यह बात कही, जहां राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम (एनआईसीडीसी) को उद्योग विकास पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पूरे भारत में अत्याधुनिक ग्रीनफील्ड औद्योगिक स्मार्ट शहरों के विकास के लिए केंद्र सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता के बारे में बताया।

अपने संबोधन के दौरान वर्मा ने केरल के पलक्कड़ में एकीकृत विनिर्माण क्लस्टर (आईएमसी) की परिवर्तनकारी क्षमता की सराहना की और कहा कि यह परियोजना केरल और देश के व्यापक दक्षिणी क्षेत्र के बुनियादी ढांचे और औद्योगिक परिदृश्य को नया आकार देने के लिए तैयार है। इस कार्यक्रम में भारत के लॉजिस्टिक्स पारिस्थितिकी तंत्र को बदलने में एनएलडीएसल के योगदान को भी प्रदर्शित किया गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम पर केंद्रित एक तकनीकी सत्र भी शामिल था जिसमें आगामी पलक्कड़ औद्योगिक स्मार्ट सिटी की रणनीतिक दृष्टि, योजना और प्रगति के बारे में गहन जानकारी दी गई। एनआईसीडीसी लॉजिस्टिक्स डेटा सर्विसेज लिमिटेड द्वारा एक समर्पित सत्र में लॉजिस्टिक्स डेटा बैंक और यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म के माध्यम से तैनात किए जा रहे अभिनव डिजिटल समाधानों के बारे में विस्तार से बताया गया।

पुडुसेरी मध्य, पुडुसेरी पश्चिम और कन्नम्बरा में 1,710 एकड़ में फैला पलक्कड़ औद्योगिक स्मार्ट सिटी केरल के औद्योगिक विकास में एक प्रमुख मील का पत्थर है। पलक्कड़ शहर से 21 किमी, कोचीन से 120 किमी और कोयंबटूर से 50 किमी दूर रणनीतिक रूप से स्थित यह परियोजना निर्बाध अंतरराज्यीय संपर्क और महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक लाभ मुहैया कराती है। इसे सड़क, रेल और हवाई मार्ग से अच्छी तरह से मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के साथ शहर को उच्च गुणवत्ता वाले निवेश को आकर्षित करने और क्षेत्रीय रोजगार तथा नवाचार को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया है।

परियोजना की प्रमुख उपलब्धियां-

- -आवश्यक भूमि का 81 फीसदी हिस्सा पहले से ही कब्जे में है।
- - सभी भूमि खंडों के लिए पर्यावरणीय मंजूरी 01 जनवरी, 2025 को प्रदान कर दी गई हैं।
- -परियोजना प्रबंधन और निर्माण परामर्शदाता को कार्य-निष्पादन पत्र जारी कर दिया गया है।
- -ईपीसी निविदा दस्तावेजों को अंतिम रूप देने का कार्य प्रगति पर है।

इस कार्यक्रम में भारत के लॉजिस्टिक्स तंत्र को बदलने में एनएलडीएसएल के योगदान को दर्शाया गया। सितंबर 2022 में अपनी स्थापना के बाद से यूलिप ने 11 मंत्रालयों की 43 प्रणालियों को एकीकृत किया है जो 129 एपीआई और 1,800 से अधिक डेटा फील्ड के जिरए जुड़ी हैं, 1,300 से अधिक पंजीकृत कंपनियों को सशक्त बनाया है और 100 करोड़ से अधिक एपीआई लेनदेन को सक्षम किया है। यह प्रौद्योगिकी-संचालित प्लेटफ़ॉर्म भारत में एकीकृत, कुशल और पारदर्शी लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण का उदाहरण है। उद्योग विकास कार्यक्रम में एनआईसीडीसी को मिली मान्यता भारत के औद्योगिक परिवर्तन को गति देने तथा वैश्विक विनिर्माण और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में देश की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है।

हुंडई ने किया नौ संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं का चयन

नई दिल्ली

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली में हुंडई मोटर ग्रुप ने हुंडई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर फ्यूचर मोबिलिटी टेक्नोलॉजी (हयूदै सीओई) का उद्घाटन किया है। हुंडई ने आईआईटीएस के साथ मिलकर नौ संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं का चयन किया है, जो बैटरी नवाचार पर केंद्रित हैं।

इस पहल का उद्देश्य भविष्य की मोबिलिटी तकनीकों पर अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना है, विशेष रूप से इलेक्ट्रिफिकेशन और बैटरी सिस्टम के क्षेत्र में। ये परियोजनाएं बैटरी सेल्स, बैटरी सिस्टम्स, परीक्षण, बैटरी प्रबंधन प्रणाली, ऊर्जा घनत्व में वृद्धि, सुरक्षा, टिकाऊपन और डायग्नोस्टिक तकनीकों जैसे प्रमुख क्षेत्रों को कवर करेंगी।

हुंडई सीओई की संचालन समिति का नेतृत्व हुंडई मोटर ग्रुप के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट चांग ह्वान किम और आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर बिजय केतन पाणिग्राही करेंगे।

हुंडई मोटर ग्रुप के आर एंड डी डिवीजन के प्रमुख, हेडइवोन यांग ने कहा, हम भारत के सबसे उज्जवल दिमागों के साथ बैटरी नवाचार में काम करने को लेकर उत्साहित हैं।

उनका मानना है कि इस सेंटर के माध्यम से, आईआईटी के प्रमुख शोधकर्ताओं और प्रोफेसरों के साथ सहयोग, विशेष रूप से भारत के लिए अनुकूलित तकनीकों के विकास में मदद करेगा, जिससे देश की अर्थव्यवस्था और समाज में भी योगदान मिलेगा। इसके अतिरिक्त, हुंडई ने अपने फ्यूचर टेक्नोलॉजी रिसर्च प्रोग्राम को भी बढ़ावा दिया है, जो 2021 से संचालित हो रहा है। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालयों के शिक्षकों को अपने अनुसंधान प्रस्ताव प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है, जिसे हुंडई द्वारा समीक्षा कर चयनित किया जाता है।

शंघाई में इंटरनेशनल ऑटोमोबाइल एक्सपो

शंघाई में इंटरनेशनल ऑटोमोबाइल एक्सपो में पेश किये गये वाहन। इसमें 26 देशों के 1000 से ज्यादा वाहन निर्माता भाग ले रहे हैं।

हंटर 350, बुलेट 350 और सुपर मिटियोर 350 बाइक हो रही अपडेट

नई दिल्ली

पिछले साल रॉयल एनफील्ड द्वारा क्लासिक 350 के नए वर्जन को लॉन्च करने के बाद अब कंपनी हंटर 350, बुलेट 350 और सुपर मिटियोर 350 के अपडेट पर काम कर रही है। जानकारी के मुताबिक, रॉयल एनफील्ड हंटर 350 का अपडेटेड वर्जन 26 अप्रैल को आयोजित होने वाले हंटरहुड फेस्टिवल के दौरान लॉन्च किया जा सकता है।

अपकमिंग 2025 हंटर 350 में बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है, लेकिन इसमें कुछ कॉस्मेटिक अपडेट जरूर देखने को मिल सकते हैं। बाइक को नए कलर ऑप्शन और फ्रेश बॉडी ग्राफिक्स के साथ उतारा जा सकता है, जिससे इसका लुक पहले से ज्यादा आकर्षक हो जाएगा। इसके अलावा, हाल ही में टेस्टिंग के दौरान देखे गए मॉडल से

यह भी संकेत मिला है कि इसमें नया गोलाकार एलईडी हेडलैंप दिया जा सकता है, जो इसे मॉडर्न टच देगा।

हालांकि, बाइक के इंजन में किसी तरह के बदलाव की संभावना नहीं जताई गई है। इसमें पहले की तरह 349सीसी का सिंगल-सिलेंडर, एयर एंड ऑयल-कूल्ड, ओएचसी फ्यूल-इंजेक्टेड इंजन मिलेगा, जो 20.2 बीएचपी की पावर और 27 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। यह इंजन अपनी परफॉर्मेंस और रिलायबिलिटी के लिए काफी पसंद किया जाता है।

एप्पल किफायती मॉडल आईफोन 17ई पर कर रही है काम

नई दिल्ली

आईफोन बनाने वाली कंपनी ऐप्पल अपने अगले किफायती आईफोन मॉडल आईफोन 17ई पर काम कर रही है। यह डिवाइस पहले ही ट्रायल प्रोडक्शन के करीब पहुंच चुका है, और आईफोन 17ई की लॉन्चिंग के लिए उम्मीदें बढ़ गई हैं। हालांकि, आईफोन 17 सीरीज का लॉन्च अभी तक नहीं हुआ है, लेकिन आईफोन 17ई को लेकर कई जानकारियां सामने आ चुकी हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, आईफोन 17ई की कीमत आईफोन 17 से कम होगी। इसकी डिज़ाइन आईफोन 16ई जैसी हो सकती है, जिसे 59,900 रुपये की कीमत में लॉन्च किया गया था। हालांकि, आईफोन 17ई की कीमत थोड़ी सी ऊपर भी जा सकती है, लेकिन ऐप्पल इस मॉडल को किफायती रखने की कोशिश करेगा। इसमें ऐप्पल की अगली पीढ़ी की सी2 चिप हो सकती है, जो प्रोसेसिंग पावर में आईफोन 16ई से ज्यादा होगी। इसके अलावा, आईफोन 16ई में एआई फीचर्स का भी सपोर्ट मिलने की संभावना है। टीप्सटर फिक्स्ड फोकस डिजिटल ने बताया कि आईफोन 17ई की लॉन्चिंग मई 2026 में हो सकती है, हालांकि यह समयसीमा बदल भी सकती है। आईफोन 16ई की भारत में अच्छी मांग देखी गई थी, और आईफोन 17ई के लिए भी यही स्थिति बनी रहने की संभावना है, क्योंकि किफायती कीमत पर नया आईफोन मिलने का फैक्टर यूज़र्स के लिए आकर्षक है। हालांकि, ऐप्पल अपनी लॉन्चिंग के बारे में किसी प्रकार की घोषणा नहीं करता है, और जैसे पहले के मॉडल्स की तरह आईफोन 17ई का भी कोई टीज़र या संकेत नहीं होगा।

मार्च में 1.45 करोड़ लोगों ने भरी उड़ान, हवाई यात्रियों की संख्या 8.79 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली। देश में मार्च महीने में करीब 1 करोड़ 45 लाख यात्रियों ने उड़ान भरी। हवाई यात्रियों की संख्या में एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 8.79 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है। पिछले साल (मार्च 2024) में कुल 133.68 लाख यात्रियों ने उड़ान भरी थी। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने शनिवार को आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी। डीजीसीए ने अपनी मासिक घरेलू यात्री यातायात रिपोर्ट में कहा कि मार्च 2025 के दौरान घरेलू एयरलाइनों द्वारा ले जाए गए यात्रियों की संख्या 145.42 लाख थी, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान यह संख्या 133.68 लाख थी। इस तरह यह एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 8.79 फीसदी अधिक है। डीजीसीए के मुताबिक बीते महीने में इंडिगो ने कुल 93.1 लाख यात्रियों को परिवहन सुविधा प्रदान की, जिसकी बाजार हिस्सेदारी 64 फीसदी रही। एयर इंडिया समूह ने (पूर्ण सेवा प्रदाता एयर इंडिया और कम लागत वाली कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस) के जरिए 38.8 लाख यात्रियों को परिवहन सुविधा प्रदान की।

महिला त्रिकोणीय सीरीज के पहले मुकाबले में श्रीलंका से भिड़ेगा भारत

नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम रविवार को कोलंबो में महिला त्रिकोणीय श्रृंखला के पहले मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। यह सीरीज इस साल के अंत में भारत में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियों का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जहां खासतौर पर गेंदबाजी संयोजन को परखने पर जोर रहेगा। बल्लेबाजी विभाग फिलहाल काफी संतुलित और मजबूत नजर आ रहा है। इस सीरीज की तीसरी टीम दक्षिण अफ्रीका की है।

भारतीय टीम इस समय तेज गेंदबाजी संसाधनों की चुनौती से जूझ रही है। रेणुका सिंह, पूजा वस्त्रकार और तीतास साधु चोटिल हैं, जिससे टीम को अरुंधति रेड्डी और ऑलराउंडर अमनजोत कौर पर निर्भर रहना पड़ रहा है। तेज गेंदबाजों के सीमित विकल्पों के बीच कप्तान हरमनप्रीत कौर युवा तेज गेंदबाज काश्वी गौतम को भी मौका देकर परखना चाहेंगी।

काश्वी ने हाल ही में महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में गुजरात जायंट्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया था, जहां उन्होंने नौ मैचों में 6.45 की इकॉनमी रेट से 11 विकेट झटके थे। उनकी फॉर्म भारतीय टीम के लिए उत्साहजनक संकेत है।

प्रेमदासा स्टेडियम की धीमी पिचों को देखते हुए भारतीय टीम का भरोसा स्पिनरों पर होगा। सीनियर ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा और स्नेह राणा के साथ मुंबई इंडियंस की बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी भी 50 ओवरों में से 30 ओवर तक गेंदबाजी कर सकती हैं। ऑलराउंडर अमनजोत कौर भी जरूरत पड़ने पर अपने ऑफ ब्रेक से गेंदबाजी आक्रमण को विविधता दे सकती हैं।

टीम की बल्लेबाजी इकाई में कप्तान हरमनप्रीत कौर, उप-कप्तान स्मृति मंधाना, पावर-हिटर ऋचा घोष, भरोसेमंद जेमिमा रोड्रिग्स और हरलीन देओल शामिल हैं, जो टीम को स्थिरता और आक्रामकता दोनों प्रदान करते हैं। हालांकि एक बार फिर शैफाली वर्मा को चयनकर्ताओं ने नजरअंदाज किया है, लेकिन दीप्ति शर्मा और अमनजोत कौर की ऑलराउंड क्षमताएं भारत को गहराई प्रदान करती हैं। सही दिन पर भारतीय टीम किसी भी प्रतिद्वंद्वी को आसानी से पटखनी दे सकती है।

मेजबान श्रीलंका ने इस श्रृंखला के लिए अपनी टीम में छह बदलाव किए हैं, जिसमें चार अनकैप्ड खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। अनुभवी बाएं हाथ की स्पिनर इनोका रानावीरा की वापसी से टीम को मजबूती मिली है। उनके साथ सुगंधिका कुमारी, इनोशी प्रियदर्शनी और कविशा दिलहारी जैसे अन्य स्पिनर भी भारतीय बल्लेबाजों को चुनौती देने के लिए तैयार हैं।

भारतीय टीम वेस्टइंडीज और आयरलैंड के खिलाफ अपने पिछले छह वनडे मुकाबले जीतकर इस त्रिकोणीय सीरीज में उतर रही है। ऐसे में आत्मविश्वास से लबरेज भारतीय महिला ब्रिगेड से एक दमदार शुरुआत की उम्मीद की जा रही है, ताकि विश्व कप की तैयारी को एक ठोस दिशा दी जा सके।

न्यूज ब्रीफ

हैदराबाद से मिली हार के बाद धोनी ने कहा-हम 15-20 रन पीछे रह गए

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को आईपीएल 2025 में एक और करारी हार झेलनी पड़ी। शुक्रवार को सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के हाथों 5 विकेट से हार के बाद कप्तान एमएस धोनी ने माना कि उनकी टीम कम से कम 15-20 रन पीछे रह गई। इस हार के साथ सीएसके ने अपने 9 में से 7 मैच गंवा दिए हैं और अंक तालिका में सबसे नीचे बनी हुई है। धोनी ने मैच के बाद कहा, मुझे लगता है कि हमने लगातार विकेट गंवाए। पहली पारी में विकेट थोड़ा बेहतर था और 154 रन न्यायोचित स्कोर नहीं था। आठवें-नौवें ओवर के बाद पिच थोड़ा धीमा जरूर हुआ, लेकिन ऐसा कुछ असामान्य नहीं था। रनिंग बेहतर होती तो हम कुछ और रन जोड़ सकते थे। उन्होंने यह भी कहा कि गेंदबाजों ने कोशिश की, खासकर स्पिनरों ने अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन स्कोर छोटा था। धोनी ने टीम की एक बड़ी कमजोरी की ओर इशारा किया, उन्होंने कहा, हम मिडल ओवर्स में स्पिन के खिलाफ रन बनाने में संघर्ष कर रहे हैं। हमें या तो चतुराई से रन निकालने होंगे या बड़े शॉट लगाने होंगे। वहीं हम चूक रहे हैं। ये ओवर्स बेहद अहम होते हैं जहां 5-10 रन ज्यादा बन सकते हैं। जहां एक ओर टीम का मिडल ऑर्डर लड़खड़ाता रहा, वहीं 21 वर्षीय डेवाल्ड ब्रेविस ने पहली बार मौका मिलने पर प्रभावित किया। उन्होंने सिर्फ 25 गेंदों में 42 रन बनाए और चार छक्के उड़ाए। धोनी ने उनकी तारीफ करते हुए कहा, ब्रेविस ने शानदार बल्लेबाजी की। हमें मिडल ऑर्डर में इसी तरह की पारी की जरूरत थी। ये पहली बार था जब एसआरएच ने चेपॉक में सीएसके को हराया। इस सीजन में सीएसके ने अपने पांच में से चार होम मैच गंवाए हैं। अब अगला मुकाबला 30 अप्रैल को चेपॉक में ही पंजाब किंग्स के खिलाफ है।

आईपीएल से मोटी कमाई करती हैं चीयर लीडर्स

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में नजर आने वाली खूबसूरत चीयर लीडर्स इसमें ग्लैमर का तड़का लगाती है। चीयर लीडर्स हर चौक और छक्के पर नाचती गाती दिखती हैं। ये एक प्रकार से आईपीएल से जुड़ गयी हैं। चीयरलीडर का काम हालांकि आसान नहीं होता, गर्मी में डांस करना, टूर्नामेंट के दौरान लगातार यात्रा करना थकान भरा होता है। चीयरलीडर को इसके लिए वेतन के आलावा भी कई और सुविधियाँ मिलती हैं।एक रिपोर्ट के अनुसार सनराइजर्स हैदराबाद टीम अपने चीयरलीडर को प्रत्येक मैच का 14 से 16 हजार रूपये देती है। यानी अगर टीम प्लेऑफ तक भी ना पहुंचे तो भी चीयरलीडर मॉली 2 लाख से अधिक की कमाई कर लेंगी। मुंबई इंडियंस की एक चीयरलीडर को प्रति मैच 20 हजार रूपये मिलते हैं। इससे वह एक सीजन में 2.8 लाख रूपये कमा सकती है. अगर मुंबई इंडियंस टीम प्लेऑफ में पहुंचे तो चीयरलीडर्स की कमाई भी बढ़ जाएगी। वो कौन सी 3 टीमें हैं जो चीयरलीडर्स को देती हैं सबसे ज्यादा सैलरी, एक दिन की कमाई जान होश उड़ जाएगा. चेन्नई सुपर किंग्स टीम की एक चीयरलीडर को प्रति मैच 17 हजार रुपये तक वेतन देती है। इस प्रकार सीएसके की चीयरलीडर्स एक सीजन में 2 लाख 38 हजार रुपये तक कमा सकती है।

एशियन अंडर-15 और अंडर-17 बॉक्सिंग चैंपियनशिप : भारत ने पक्के किए 43 पदक

अम्मान (जॉर्डन)। भारतीय बॉक्सिंग टीम ने वर्ल्ड बॉक्सिंग से मान्यता प्राप्त नई एशियाई बॉक्सिंग संस्था की आयोजित पहली एशियन अंडर-15 और अंडर-17 बॉक्सिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए अब तक कुल 43 पदक पक्के कर लिए हैं। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) की जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रतियोगिता के सातवें दिन चार और भारतीय मुक्केबाज सेमीफाइनल में पहुंच गए। भारत ने अब अंडर-15 वर्ग में कम से कम 25 और अंडर-17 वर्ग में 18 पदक सुनिश्चित कर लिए हैं, क्योंकि सेमीफाइनल में पहुंचने वाले सभी खिलाड़ी कम से कम कांस्य पदक के हकदार होते हैं। उम्दा प्रदर्शन जारी- अंडर-17 बालकों के वर्ग में अमन सिवाच (63 किग्रा) और देवांश (80 किग्रा) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फिलीपींस और जॉर्डन के खिलाड़ियों के खिलाफ रेफरी स्टॉप्ड कंटेस्ट के जरिए मुकाबले जीते और सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वहीं, बालिकाओं के वर्ग में सिमरनजीत कौर (60 किग्रा) ने जॉर्डन की अया अलहसनत को 5-0 के बड़े अंतर से हराया।

कोपा डेल रे फाइन 2025 : रियल को तीसरी शर्मनाक हार देने उतरेगी बार्सिलोना, सेविला में होगा महामुकाबला

नई दिल्ली

कोपा डेल रे 2025 का फाइनल मुकाबला शनिवार को (भारतीय समयानुसार रविवार) फुटबॉल की दो सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्वी टीमों-बार्सिलोना और रियल मैड्रिड-के बीच खेला जाएगा। शानदार फॉर्म में चल रही बार्सिलोना जहां सीज़न में रियल को तीसरी बार हराने का सपना देख रही है, वहीं संघर्ष कर रही रियल मैड्रिड की नज़र एक ट्रॉफीलेस सीज़न से बचने और प्रतिष्ठा बचाने पर होगी। दो बार रियल को हरा चुकी है बार्सिलोना बार्सिलोना ने इस सीज़न में रियल मैड्रिड को दो बड़े मुकाबलों में करारी शिकस्त दी है। अक्टूबर में ला लीगा के तहत सैंटियागो बर्नाब्यू स्टेडियम में 4-0 की जीत और जनवरी में सऊदी अरब में खेले गए स्पेनिश सुपर कप फाइनल में 5-2 से रियल को हराकर बार्सा ने अपना दबदबा साफ कर दिया है।

दोनों टीमें सेविला के प्रतिष्ठित ला कार्तूजा स्टेडियम में कोपा डेल रे फाइनल के लिए भिड़ेंगी। यह आठवीं बार होगा जब बार्सिलोना और रियल मैड्रिड इस टूर्नामेंट के फाइनल में आमने-सामने होंगी। अब तक के सात फाइनल में रियल ने चार और बार्सिलोना ने तीन बार जीत हासिल की है। 2011 में जोसे मोरिन्हो की कोचिंग में रियल मैड्रिड ने 18 साल के लंबे इंतजार के बाद बार्सिलोना को एक्स्ट्रा टाइम में 1-0 से हराकर ट्रॉफी जीती थी, जिसमें क्रिस्टियानो रोनाल्डो का हेडर गोल ऐतिहासिक बन गया। 2014 का फाइनल भी किसी रोमांचक फिल्म से कम नहीं था, जब गैरेथ बेल ने बाएं किनारे से करीब 50 मीटर की दौड़ लगाकर शानदार गोल दागा और अपनी टीम को 2-1 से जीत दिलाई।

इतिहास और आंकड़ों की जंग भी दिलचस्प

रियल मैड्रिड ने कोपा डेल रे खिताब 1936, 1975, 2011 और 2014 में जीता है, जबकि बार्सिलोा ने 1968, 1983 और 1990 में ट्रॉफी अपने नाम की है। बार्सिलोना अब तक 31 बार कोपा डेल रे जीत चुकी है, जो कि एक रिकॉर्ड है। एथलेटिक बिलबाओ के नाम 24 खिताब हैं जबकि रियल मैड्रिड 20 के साथ तीसरे स्थान पर है।

चैंपियंस लीग फाइनल में आमना-सामना आज तक नहीं

हालांकि दोनों टीमें अब तक कुल 18 बार किसी न किसी फाइनल में एक-दूसरे के खिलाफ खेल चुकी हैं, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि ये दोनों यूरोपीय दिग्गज अभी तक कभी भी यूईएफए चैंपियंस लीग के फाइनल में आमने-सामने नहीं आए हैं।

रियल मैड्रिड ने अब तक बार्सिलोना के मुकाबले फाइनल्स में 11 बार जीत दर्ज की है—जिनमें चार कोपा डेल रे और सात स्पेनिश सुपर कप शामिल हैं, जबकि बार्सिलोना ने कुल सात फाइनल्स में जीत दर्ज की है। अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या बार्सिलोना इस बार फिर रियल मैड्रिड को पटखनी देकर सीज़न का ताज अपने नाम करेगी या रियल मैड्रिड वापसी करते हुए ट्रॉफीलेस सीज़न से खुद को बचा पाएगी।

टीसीएस वर्ल्ड 10के बेंगलुरु में शामिल होने से पहले सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा-यह जीवन का उत्सव है

बेंगलुरु

बेंगलुरु एक बार फिर दौड़ के उत्सव में डूबने को तैयार है। प्रतिष्ठित टीसीएस वर्ल्ड 10के बेंगलुरु के 17वें संस्करण का आयोजन रविवार को होने जा रहा है, जिसमें लगभग 35,000 प्रतिभागी भाग लेंगे। खास बात यह है कि इस बार लोकसभा सांसद तेजस्वी सूर्या भी इस विश्व एथलेटिक्स स्वर्ण मानक दौड़ में प्रतिभाग करेंगे।

अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद दौड़ में भाग लेने के निर्णय के पीछे की प्रेरणा के बारे में पूछे जाने पर तेजस्वी सूर्या ने कहा, ऐसे कई लोग हैं जिनका जीवन मुझसे कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण है, फिर भी वे ऐसे धैर्य परीक्षण आयोजनों में भाग लेते हैं। मैंने उन महिलाओं को देखा है जो प्रसव के बाद, बच्चे की देखभाल करते हुए भी दौड़ में भाग लेती हैं। मैंने ऐसे लोगों को भी देखा है जो गंभीर बीमारियों, जीवन संकट से उबरकर दौड़ते हैं। ये सभी लोग हमें जीवन को नई आशा के साथ देखने की प्रेरणा देते हैं। 34 वर्षीय तेजस्वी ने बताया कि पिछले वर्ष गोवा में एक त्रैथलन प्रतियोगिता में मित्र के प्रोत्साहन से भाग लेने के बाद उन्हें धैर्यपूर्ण प्रतिस्पर्धाओं का शौक लग गया। उन्होंने एक आधिकारिक बयान में कहा,व्यायाम सबसे बड़ा आनंद रसायन (डोपामिन) उत्पन्न करता है जो आप पा सकते हैं। यह सबसे स्वस्थ माध्यम से खुशी प्राप्त करने का छोटा मार्ग है और जीवन को देखने का एक नया दृष्टिकोण भी देता है। उन्होंने आगे कहा, यह जीवन का उत्सव है। दौड़ना, तैरना, अपने आराम क्षेत्र से बाहर निकलना-यह सब तभी संभव है जब आप जीवित हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि शारीरिक फिटनेस एक ऐसा कार्य है जिसे आप किसी और को नहीं सौंप सकते। जो परिश्रम आप करेंगे, उसका परिणाम आपको ही मिलेगा।

जब उनसे पूछा गया कि शारीरिक फिटनेस से सीखे गए सबक वह अपने सार्वजनिक जीवन में कैसे अपनाते हैं, तो तेजस्वी ने स्पष्ट कहा, कुछ भी आसानी से और तुरंत नहीं मिलता।

एवीसी महिला वॉलीबाल लीग

फिलीपींस में एवीसी महिला वॉलीबाल लीग में खेलती हुई खिलाड़ी।

शैली सिंह ने तोड़ा 23 साल पुराना अंजू बॉबी जॉर्ज का रिकॉर्ड, बोलीं-यह तो बस शुरुआत है

नई दिल्ली

भारतीय एथलेटिक्स को नई ऊंचाइयों पर ले जाते हुए युवा लॉन्ग जम्पर शैली सिंह ने नेशनल फेडरेशन कप में धमाकेदार प्रदर्शन किया। उन्होंने शुक्रवार को 6.64 मीटर की शानदार छलांग लगाकर दिग्गज एथलीट अंजू बॉबी जॉर्ज का 23 साल पुराना मीट रिकॉर्ड तोड़ते हुए देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया। इस ऐतिहासिक जीत के बाद शैली ने जो भावुक बयान दिया, उसने खेल प्रेमियों के दिल जीत लिए।

रिकॉर्ड तोड़ने के बाद अपनी खुशी जाहिर करते हुए शैली सिंह ने शनिवार को एक आधिकारिक बयान में कहा,अंजू मैम का लंबे समय तक कायम रहा फेडरेशन कप रिकॉर्ड तोड़ना मेरे लिए गर्व का पल है। उनकी उपलब्धियां हमेशा मेरी प्रेरणा रही हैं और उनके नक्शेकदम पर चलना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सपना रहा है। यह रिकॉर्ड 23 वर्षों तक बना रहा, जो उनकी महानता को दर्शाता है और आज इस विरासत का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है।

शैली ने कहा, यह तो बस शुरुआत है। मैं इस उपलब्धि से संतुष्ट नहीं हूं। मेरा सपना है कि मैं भारतीय एथलेटिक्स को और भी

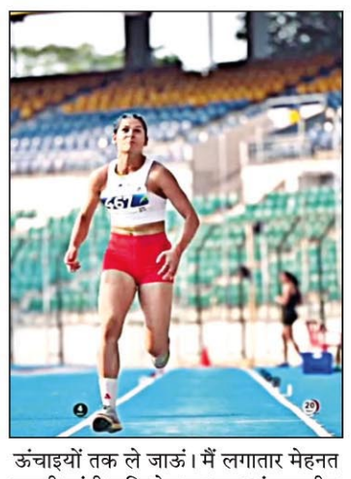

ऊंचाइयों तक ले जाऊं। मैं लगातार मेहनत करती रहूंगी ताकि देश का नाम अंतरराष्ट्रीय मंचों पर रोशन कर सकूं।

वहीं, अपनी रिकॉर्डधारी शिष्या की उपलब्धि पर अंजू बॉबी जॉर्ज ने भी खुशी जताई और कहा, रिकॉर्ड टूटने के लिए ही होते हैं और शैली ने यह कारनामा कर दिखाया। उनकी तरक्की देखकर गर्व होता है। शैली भारतीय महिला एथलेटिक्स के उवल भविष्य की मिसाल हैं।

शैली सिंह की यह ऐतिहासिक छलांग भारतीय एथलेटिक्स में एक नई उम्मीद की किरण लेकर आई है। उनका जुनून, आत्मविश्वास और कड़ी मेहनत इस बात का संकेत है कि भारतीय महिलाएं खेल जगत में वैश्विक मंच पर एक नई पहचान बनाने को तैयार हैं।

कुछ ही दिन पहले, उत्तर प्रदेश की इस युवा एथलीट ने 6.45 मीटर की छलांग लगाकर एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप्स के 6.41 मीटर के क्वालीफाइंग मार्क को पार किया था। इसके बाद शुक्रवार (26 अप्रैल) को उन्होंने एर्नाकुलम के महाराजा कॉलेज ग्राउंड में इतिहास रचते हुए 6.64 मीटर की लंबी छलांग लगाई और अंजू बॉबी जॉर्ज का 2002 में बनाया गया 6.59 मीटर का मीट रिकॉर्ड तोड़ दिया। गौरतलब है कि शैली का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6.76 मीटर का है, जो उन्होंने 2023 में हासिल किया था। यह भारत की महिला एथलीटों में दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास है, जो अब भी अंजू बॉबी जॉर्ज के राष्ट्रीय रिकॉर्ड 6.83 मीटर से थोड़ा पीछे है।

मैड्रिड ओपन 2025: सबालेंका ने जीत के साथ की शुरुआत, ज्वेरेव चमके, ओंस जबूर बाहर

सबालेंका ने ब्लिंकोवा को हराकर तीसरे दौर में बनाई जगह

मैड्रिड

वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका ने मैड्रिड ओपन में अपने खिताब की रक्षा की शुरुआत शानदार अंदाज में की। उन्होंने शुक्रवार को दूसरे दौर में रूस की अन्ना ब्लिंकोवा को 6-3, 6-4 से हराया। सबालेंका की यह इस टूर्नामेंट में कुल 18वीं जीत रही, जबकि उन्हें सिर्फ 4 बार हार मिली है। वह 2021 और 2023 में यह खिताब जीत चुकी हैं और पिछले साल स्वियातेक के खिलाफ उपविजेता रही थीं। मैच की शुरुआत में ही सबालेंका ने 5-0 की बढ़त बना ली थी। हालांकि उन्होंने एक ब्रेक गंवाया, लेकिन 48वें मिनट में तीसरे सेट प्वाइंट पर पहला सेट अपने नाम किया। दूसरा सेट पूरी तरह एकतरफा रहा, जिसमें उन्होंने शुरुआती ब्रेक के बाद बढ़त बनाए रखी। अब तीसरे दौर में उनका सामना एलिस मर्टेंस या कोलंबिया की कैमिला ओसोरियो से होगा।

क्ले पर भी सबालेंका का जलवा जारी

हालांकि सबालेंका के तीनों ग्रैंड स्लैम खिताब हार्ड कोर्ट पर आए हैं, लेकिन उन्होंने क्ले कोर्ट पर भी दो फाइनल जीतकर अपनी ताकत साबित की है। उन्होंने माना कि फ्रेंच ओपन उनके लिए चुनौतीपूर्ण रहा है, जहां वह 2023 में सेमीफाइनल और 2024 में क्वार्टरफाइनल में हार गई थीं।

उन्होंने कहा, हर बार जब मैं रोलां गैरोज़ जाती हूं, तो यह एक चुनौती होती है, लेकिन मुझे ऐसी चुनौतियां पसंद हैं। उम्मीद है कि एक दिन वह खूबसूरत ट्रॉफी मेरी कलेक्शन में होगी।

ओंस जबूर पहले ही दौर में बाहर, सक्कारी का फॉर्म में लौटने का संकेत 2022 की चैंपियन ट्यूनीशिया की ओंस जबूर पहले ही दौर में जापान

की मोयुका उचिजिमा से 4-6, 6-3, 6-4 से हारकर बाहर हो गईं। वहीं ग्रीस की मारिया सक्कारी ने 29वीं सीड मागदा लिनेट को 7-6(5), 6-3 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। ज्वेरेव का दबदबा कायम, मैड्रिड कोर्ट को बताया पसंदीदा पुरुष वर्ग में जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने स्पेन के रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुत को 6-2, 6-2 से हराया। उन्होंने मैच में 32 विनर्स लगाए और सिर्फ 24 अनफोर्स्ड एरर किए। दो बार के मैड्रिड चैंपियन ज्वेरेव ने कहा, यह कोर्ट मेरी फेवरेट सेंटर कोर्ट है। मैंने यहां पूरी जिंदगी में सिर्फ दो मैच हारे हैं और उम्मीद है कि यह सिलसिला अगले 10 दिनों तक जारी रहेगा।

अगला मुकाबला उनका नूनो बोरजेस या डेविडोविच फोकिना से होगा।

फेलिक्स ऑगर-अलियासिम की हार, अर्जेंटीनियाई खिलाड़ियों का जलवा

पिछले साल के फाइनलिस्ट फेलिक्स ऑगर-अलियासिम पहले ही दौर में अर्जेंटीना के जुआन मैनुअल सेरुंडोलो से 7-6(5), 6-4 से हार गए। इस हार के बाद वह टॉप 25 रैंकिंग से बाहर हो सकते हैं।

वहीं, उनके भाई फ्रांसिस्को सेरुंडोलो ने क्वालिफायर हेरोल्ड मायोट को 6-3, 6-4 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। अब उनका सामना अपने ही देश के फ्रांसिस्को कोमेसाना से होगा, जिन्होंने 13वीं सीड आर्थर फिल्स को 7-6(4), 6-4 से हराया।

लाइन कॉलिंग पर विवाद, खिलाड़ियों ने जताई चिंता

फ्रांस के आर्थर फिल्स ने क्ले कोर्ट पर पहली बार लागू हुई लाइव इलेक्ट्रॉनिक लाइन कॉलिंग की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कोर्ट पर दिख रही बॉल मार्क और वीडियो में दिखाई जा रही पोजीशन मेल नहीं खातीं। कोमेसाना ने भी तकनीक की सटीकता पर सवाल उठाए, लेकिन फिर भी इसे लाइन जज और चेयर अंपायर से बेहतर विकल्प बताया।

लाइलाज बीमारियों को दूर करते हैं पपीते के बीज

पपीता स्वस्थ गुणों से भरपूर होता है। इसके स्वास्थ्य लाभ से हर कोई परिचित हैं, परन्तु पपीते के बीज के अनूठे स्वास्थ्य लाभ के विषय शायद ही कोई जानता हो बहुत सारे लोग यह नहीं जानते कि पपीते के बीज भी खाने-योग्य होते हैं और इसके अनेक स्वास्थ्य लाभ हैं। पपीते के बीज को उपयोग में लाने का सबसे बढ़ीया तरीका इन्हें सुखाकर फिर पीस कर, किसी कंटेनर में भविष्य में प्रयोग हेतु रखना है।

पपीते के बीज के बहुत प्रकार के लाभ है। पपीते के बीज प्रदाहनाशी एवं ऐंटीबैक्टीरियल होने के कारण पाचन तंत्र, गुर्दा एवं जिगर के स्वास्थ्य हेतु उत्तम माने जाते हैं।

पपीते के बीजों का फायदा

लीवर सिरोसिस का उपचार

पपीते के बीज सूत्रण रोग का प्राकृतिक उपचार है। नींबू के रस के साथ पपीते के बीज का लगातार 2 महीने सेवन करने से सूत्रण रोग ठीक हो जाता है।

वायरल इंफैक्शन

पपीते के बीज विषाणुरोधी होने के कारण छोटे-मोटे वायरल इंफैक्शन को आसानी से ठीक कर देते हैं।

कैंसर

इसके बीजों में मौजूद घटक कैंसर और एवं टयूमर जैसी बीमारियों के विकास को रोक देते हैं। पपीते के बीज मलाशय, लयू के मिया, पौरुष ग्रंथि और कैंसर-उपचार में सक्षम हैं।

किडनी

गुर्दे की बीमारियों के उपचार में भी पपीते के बीज का प्रयोग किया जाता है। यह गुर्दे की कार्यप्रणाली को बाधित होने से रोकने में समर्थ हैं।

गठिया रोग में लाभदायक

पपीते के बीज के प्रदाह्राशक गुण गठिया एवं जोड़ों के बीमारियों के उपचार के लिए भी अति उत्तम माने जाते हैं।

एप्पल का ग्लास फोन

क्या आपने कभी ग्लास वाले स्मार्टफोन के बारे में सोचा है। ऐसा स्मार्टफोन जो पूरी तरह से ग्लास से बना हो । अब तक जो स्मार्टफोन देखने को मिले हैं, वे मेटल और प्लास्टिक से मिलकर बने होते हैं। लेकिन आगे आने वाले तकनीक में कुछ नया होगा। अमेरिकी स्मार्टफोन निर्माता कंपनी एप्पल एक ऐसा स्मार्टफोन लेकर आने वाली है, जो पूरी तरह ग्लास से बना होगा। इस कांसेप्ट को सुनकर ही आपको हैरत हो रही होगी, लेकिन ये पूरी तरह सच है। एप्पल ने इस ग्लास फोन का डिजाइन बना लिया है, जो जल्द ही मार्केट में पेश होने वाला है।

फेसबुक का शानदार तोहफा...

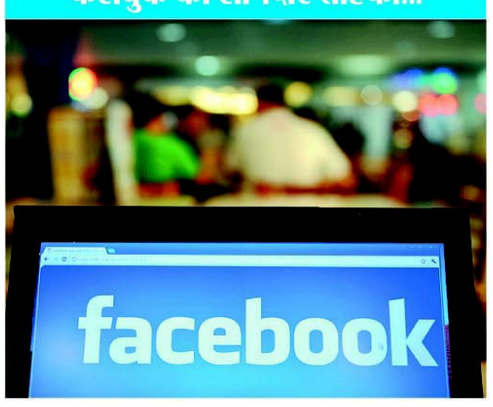

फेसबुक ने हिंदी प्रेमियों को एक शानदार तोहफा दिया है। फेसबुक ने एक टूल लॉन्च किया है, जिसके जरिये हिंदी में टाइप करना आसान हो जाएगा। फेसबुक ने कहा कि हम अब एंड्रॉयड फोन्स के लिए फेसबुक एप के अंदर एक हल्के वजन का हिंदी एडिटर पेश कर रहे हैं। फेसबुक के मुताबिक- जब एप की सेटिंग ऑन कर दी जाएगी, तब आप बार में मौजूद एक बटन के जरिए अपनी ताजा सूचना और टिप्पणियां टाइप कर सकते हैं। यह रोमन अक्षरों को खुद ही देवनागरी लिपि में परिवर्तित कर देगा। बयान में आगे कहा गया है, जब लोग इसका प्रयोग करते हैं, तब अक्षर अंग्रेजी में टाइप होते हैं और वह देवनागरी लिपि में बदल जाता है।

महिलाओं के लिए सहायक एप्स

स्मार्टफोन इस्तेमाल करने वाली लड़कियां और महिलाएं अपने में काफी कुछ कर सकती हैं। खास महिलाओं के लिए कुछ एप्स भी मौजूद हैं। इन एप्स की मदद से महिलाएं अपने रोज के काम को और आसानी से पूरा कर सकती हैं। ये एप्स उनकी प्राइवेट लाइफ को प्राइवेट ही रहने देती हैं। बस आपको इन एप्स को अपने फोन में रखना है और ये एक अच्छे साथी की तरह आपकी मदद करेंगे।

महिलाएं चाहे कामकाजी हों या हाउस वाइफ हर दिन के टास्क से उन सभी को गुजरना होता है। जिसे वे अनदेखा नहीं कर सकती हैं। तो ऐसे में कुछ एप्स आपके लिए बेहतर विकल्प हैं जो उनको इन डेली टास्क में मदद करते हैं। अपनी सुरक्षा को लेकर हर कोई कंसर्न रहता है, खासकर जब महिलाएं पब्लिक ट्रांसपोर्ट या किराए पर लिए कैब आदि में ट्रेवल कर रहीं हों। इसलिए एक सेफ्टी एप बेहद जरूरी है। इस एप की मदद से वे अपनी लोकेशन और डेस्टिनेशन व अन्य डिटेल्स किसी भी कांटेक्ट के साथ शेयर कर सकती हैं। इससे पूरी जानकारी जिन भी लोगों से वे शेयर करें उन्हें मालूम हों।

एवर नोट

किसी के लिए भी यह मुमकिन नहीं है कि उन्हें हर चीज याद हो। इसलिए अब एवर नोट एप की मदद से महिलाएं अपने प्लान, टू-डू लिस्ट आदि को मैनेज कर सकती है। हर चीज को नोट किया जा सकता है।

बिग बास्केट

बिग बास्केट डाउनलोड करें। यह एक ऐसा एप है जो हर महिला के काम आता है। इस एप के जरिए महिलाएं किचन का सारा सामान घर बैठे बैठे ला सकती हैं। जो सामान चाहिए उसे आर्डर कर दीजिए। अब कभी महिलाएं घर पर हों, और उनको पता चले कि कोई जरुरी सामान खत्म हो गया है तो वे उसे मिनटों में बिना घर से बाहर निकलें आर्डर कर सकती हैं।

बुक माय शो

बुक माय शो डाउनलोड करने से महिलाओं को किसी की मदद लेने की जरुरत नहीं है। वे खुद ही अपने लिए मूवी टिकेट बुक कर सकती हैं, तो डाउनलोड कीजिए ये एप तुरंत!

रोपोसो

रोपोसो एप के साथ महिलाएं रहेंगी फैशन में भी अपडेट। साथ ही वे अपने फैशन आईडिया अन्य महिलाओं के साथ शेयर भी कर सकती हैं।

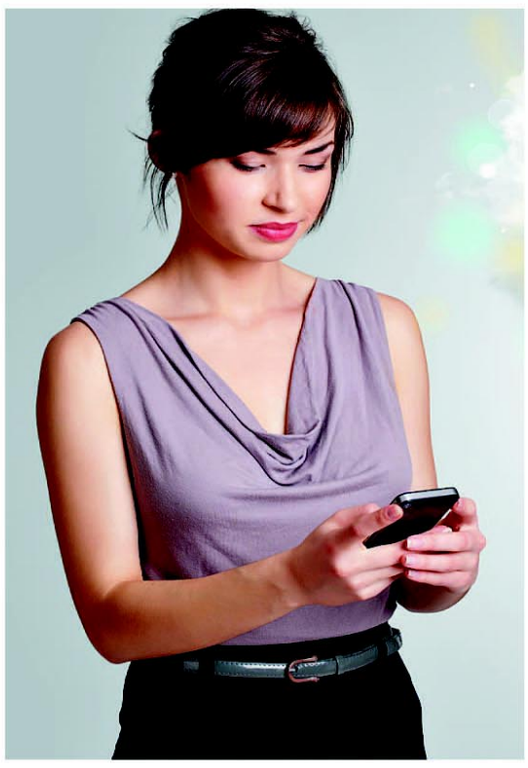

पीरियड ट्रैकर

पीरियड ट्रैकर हर महिला और लड़की के लिए यह इम्पोर्टेन्ट है। चाहे न चाहें ये बिन बुलाए मेहमान हर महीने दस्तक देते हैं। तो अच्छा है कि इसका एक ट्रैक रखें और यह एप उन्हें इसी काम में मदद करती है।

मायपिल

यदि महिलाएं पिल को समय पर लेना भूल जाएं तो! जाहिर है वे ऐसा नहीं चाहेंगी। यह एप उनको याद दिलाएगी कि उन्हें पिल कब किस समय पर लेनी है।

यम्मी रेसिपीज एंड शॉपिंग लिस्ट

हर दिन वही खाना बना बना कर महिलाएं बोर हो जाती है तो लीजिए यह एप उनके लिए लाता है नई और शानदार व्यंजनों की रेसिपीज।

टॉयलेट फाइंडर

जब महिलाएं घर से बहार हों तो ऐसा कई बार होता है कि वे नेचर कॉल इग्नोर नहीं कर सकती हैं। लेकिन पब्लिक टॉयलेट कहां है यह कैसे पता चलेगा! चलिए उनके लिए ले आया है एक नया एप जो अब जरुरत के समय पर उनके लिए टॉयलेट ढूंढेगा।

फॉलो करें फेसबुक के ये रूल्स...

फेसबुक एक कमाल का सोशल मीडिया है। इसके जरिए हम अपने दोस्तों व करीबियों से जुड़े रहते हैं। उन लोगों से भी कनेक्टेड रहते हैं जिनसे हम सालों मिल नहीं पाते हैं। स्कूल के पुराने दोस्त, साथियों सभी से हम फेसबुक पर जुड़ें रह सकते हैं। साथ ही जो ब्रांड्स हमें पसंद हैं उनके अपडेट्स भी हमें फेसबुक के जरिए मिलते रहते हैं। लेकिन इन सबके अलावा फेसबुक पर कुछ ऐसे लोग भी होते हैं जो हर दो मिनट में कुछ न कुछ पोस्ट करते हैं, और उसमें हमें टैग भी करते हैं। इतना ही नहीं कुछ तो हर चीज फेसबुक पर अपडेट करते हैं, वो क्या खाते हैं, कहांजाते हैं, क्या कर रहे हैं, यह सब पूरी दुनिया को बताते हैं। कई बार तो हम फेसबुक को एक गलत कदम समझ लेते हैं, लेकिन इन सब की आदत डालना जरुरी नहीं। आइए नजर डालते हैं सोशल मीडिया के उन बातों पर जो आप बेशक नजरअंदाज करना चाहेंगे।

प्रमोशन के लिए इस्तेमाल

आपने हाल ही में कोई बिजेनस स्टार्ट किया है और आप उसे फेसबुक पर प्रमोट करते रहते हैं.? यदि हां, तो ऐसा बिल्कुल मत करिए। भले ही आपके दोस्त आपके लिए आपके नए काम के लिए खुश हों लेकिन हर दिन कोई भी आपके बिजनेस के बारे में जानना नहीं चाहता। इसके लिए आप एक अलग पेज बना सकते हैं। और फिर अपने दोस्तों को इनविटे भेज सकते हैं।

बच्चों के बारे में पोस्ट

अपने बच्चों के बारे में पोस्ट करना आप अपने बच्चों से प्यार करते हैं, सब करते हैं। आपके बच्चे जब भी कुछ नया करें तो वो आपके काफी खास होता होगा। लेकिन आपको समझना होगा कि आपसे ज्यादा प्यार उन्हें आपके फेसबुक फ्रेंड्स नहीं करते हैं। यही कारण है कि वो बार बार बच्चों के अपडेट नहीं देखना चाहते हैं, तो आप ऐसा करना अवॉयड करें।

दोस्तों को टैग करना

कई लोगों की आदत होती है कि वो अपनी फोटोज में दोस्तों को टैग कर देते हैं, जबकि दोस्तों का उससे कोई लेना-देना भी नहीं होता। साथ ही कुछ लोग केवल अपनी फोटो अच्छी आने पर उसे पोस्ट कर देते हैं भले ही उसमें बाकी दोस्त अच्छे नहीं दिख रहे हों और इसके बाद भी टैग कर देते हैं। यदि आप भी उन लोगों में से हैं तो यह आदत छोड़ दें।

निजी बातें अपडेट करना

कॉलेज में किसी दोस्त से बहस हो जाए या आपको जॉब का अच्छा ऑफर आया हो ये सभी आपके और आपके अपनों के लिए खास हो सकता है लेकिन फेसबुक पर हर कोई इसमें दिलचस्पी नहीं रखता है। इसलिए इससे बेहतर होगा कि आप फोन करके अपने घरवालों ये खुशी की बात बताएं।

मैसेंजर की तरह इस्तेमाल

यदि आपको अपने दोस्त से कुछ बात करनी है तो आप उसे पर्सनल मैसेज कर सकते हैं, उसे वाल पर पोस्ट करना सही तरीका नहीं है।

गेम रिक्वेस्ट

आपको भले ही फेसबुक पर कैंडी क्रश या अन्य गेम पसंद, लेकिन दूसरों को नहीं, तो प्लीज गेम की रिक्वेस्ट भेजना बंद करें।

हर दो मिनट में स्टेटस

आप मूवी जा रहे हैं, शॉपींग कर रहे हैं या जिम के लिए निकल रहे हैं ये सब अच्छा है लेकिन हर दो मिनट फेसबुक अपडेट करना, आपके दोस्तों को परेशान कर सकता है।

पहलगाम आतंकी हमले के बीच सुनील शेट्टी का निडर रुख, कहा-

अगली छुट्टियां कश्मीर में होंगी

अभिनेता सुनील शेट्टी ने पहलगाम हमले के बाद लोगों से निडर होने को कहा और कहा कि अगली छुट्टियां कश्मीर में ही बिताएंगे ताकि पर्यटन को बढ़ावा मिले और आतंकवादियों को दिखाया जा सके कि *हम उनसे डरते नहीं हैं।* लता दीनानाथ मगेशकर पुरस्कार 2025 समारोह के दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि *कश्मीर हमारा था, है और हमेशा हमारा रहेगा।* कुछ लोगों ने उनकी *समझदारी से* बात करने और उनकी बात सुनकर उनके *दिलों को खुश* करने के लिए उनकी सराहना की, जबकि अन्य ने आम लोगों की सुरक्षा के बारे में पूछा, जबकि उन्हें सुरक्षा मिलेगी। अभिनेता सुनील शेट्टी ने नागरिकों से पर्यटन को बढ़ावा देने और आतंकवाद के खिलाफ अपनी दृढ़ता दिखाने के लिए अपनी अगली छुट्टियां कश्मीर घाटी में बिताने का आग्रह किया है। लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार 2025 समारोह में बोलते हुए, सुनील ने इस बात पर जोर दिया कि कश्मीर हमेशा से भारत का अभिन्न अंग रहा है। उन्होंने नागरिकों के बीच एकता का भी आह्वान किया। सुनील शेट्टी ने कहा हमारे लिए मानवता की सेवा ही ईश्वर की सेवा है। सर्वशक्तिमान सब कुछ देखेगा और जवाब देगा। अभी, हमें भारतीयों के रूप में एकजुट रहने की आवश्यकता है। हमें उन लोगों के जाल में नहीं फंसना चाहिए जो भय और घृणा फैलाने की कोशिश कर रहे हैं, बल्कि एकजुट रहना चाहिए। उनको दिखाना है कि कश्मीर हमारा था, हमारा है, और हमेशा हमारा ही रहेगा। इसलिए सेना, नेता और हर कोई इस प्रयास में शामिल है। सुनील शेट्टी ने लोगों से डर और नफरत के आगे न झुकने को कहा। उन्होंने कहा कि हमारे लिए मानवता की सेवा ही ईश्वर की सेवा है। सर्वशक्तिमान सब कुछ देखेगा और जवाब देगा। अभी, हमें भारतीयों के रूप में एकजुट रहने की आवश्यकता है। हमें उन लोगों के जाल में नहीं फंसना चाहिए जो भय और घृणा फैलाने की कोशिश कर रहे हैं, बल्कि एकजुट रहना चाहिए। उनको दिखाना है कि कश्मीर हमारा था, हमारा है, और हमेशा हमारा ही रहेगा। इसलिए सेना, नेता और हर कोई इस प्रयास में शामिल है। अभिनेता ने भारतीय नागरिकों से कश्मीर में अपनी अगली छुट्टी की योजना बनाने का आग्रह किया। सुनील ने कहा कि हमें नागरिक की तरफ से एक ही करना है, हमें ये फैसला करना है कि आज से अगली छुट्टी जो हमारी होगी, वो कश्मीर में ही होगी और कहीं नहीं होगी। उनको ये दिखाना है कि हमें डर नहीं है, और वक्त में डर है नहीं (एक नागरिक के तौर पर हमें एक काम करना होगा। हमें) हमें यह तय करना होगा कि हमारी अगली छुट्टियां कश्मीर में होंगी और कहीं और नहीं। हमें उन्हें दिखाना होगा कि हम डरे हुए नहीं हैं और वास्तव में कोई डर नहीं है। सुनील ने उल्लेख किया कि उन्होंने अधिकारियों से संपर्क किया और आवश्यकता पड़ने पर कश्मीर का दौरा करने की इच्छा व्यक्त की। मैंने खुद सामने से फोन कर के बोला है कि अगर कल आपको लगता है कि हमें वहां आना है, टूरिस्ट की खासियत से या कलाकार की किस्मत से हमें वहां शूटिंग करनी है या घूमने जाना है, हम जरूर आएंगे। जो कश्मीरी बच्चे हैं, उनकी कोई गलती नहीं है (मैंने उन्हें फोन किया और कहा कि अगर आप चाहते हैं कि हम ऐसा करें) वहां पर्यटक के तौर पर आएं या शूटिंग के लिए कलाकार के तौर पर, हम जरूर आएंगे। आतंकवादियों ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बैसरन घास के मैदान में पर्यटकों को निशाना बनाया, जिसके परिणामस्वरूप 26 पर्यटकों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए।

फिल्म *ग्राउंड जीरो* की पहले दिन की कमाई सिर्फ एक करोड़

इमरान हाशमी की फिल्म *ग्राउंड जीरो* पिछले कुछ दिनों से चर्चा में है। आखिरकार इमरान हाशमी की बहुचर्चित फिल्म 25 अप्रैल को रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म को लेकर प्रशंसकों और आलोचकों की मिश्रित प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। कई लोगों ने फिल्म ग्राउंड जीरो के बारे में सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है, वहीं कुछ को फिल्म की कहानी पसंद नहीं आई। इसलिए इसका असर बॉक्स ऑफिस पर देखने को मिल रहा। बॉक्स आफिस पर इमरान हाशमी की फिल्म की कमाई की शुरुआत काफी धीमी दिखी। फिल्म ग्राउंड जीरो एक सच्ची घटना पर आधारित है। यह फिल्म 2001 में कश्मीर में हुई घटना पर आधारित है। इस फिल्म इमरान बीएसएफ अधिकारी नरेंद्र नाथ दुबे की भूमिका निभा रहे हैं। सैकनीलक के अनुसार फिल्म ग्राउंड जीरो ने पहले दिन सिर्फ एक करोड़ रुपए की कमाई हुई है। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ग्राउंड जीरो की टक्कर सनी देओल की *जाट* और अक्षय कुमार की *केसरी चैप्टर-2* से हुई है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**